जापान को उत्तर प्रदेश में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने का न्योता - 14

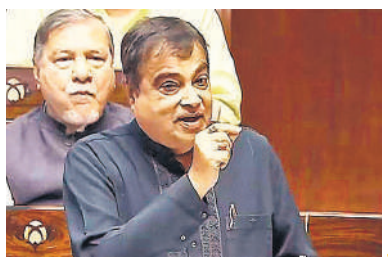

राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा- पुराने वाहनों पर सरकार ने नहीं प्रतिबंध एनजीटी ने लगाया- 13

प्रधानमंत्री चार दिवसीय यात्रा पर लंदन पहुंचे, मुक्त व्यापार समझौते पर करेंगे हस्ताक्षर - 15

विश्व कप के लिए नए सिरे से शुरुआत करनी होगी : हरमनप्रीत - 16

आज का मौसम

34.0⁰ अधिकतम तापमान

29.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.27

सूर्यास्त 06.59

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण कृष्ण पक्ष अमावस्या 12:40 तक उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 24 जुलाई 2025, वर्ष 35, अंक 178, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

नई पीठ सुनेगी जस्टिस वर्मा का केस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की उस याचिका पर सुनवाई के लिए एक पीठ का गठन करेगा, जिसमें उन्होंने आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट को अमान्य करने का अनुरोध किया है। समिति ने उन्हें नकदी बरामदगी विवाद मामले में कदाचार का दोषी पाया था।

प्रख्यात रंगकर्मी रतन थियाम का निधन

इंफाल। भारत में नाटकों को पश्चिम देशों की शैली से नहीं बल्कि खुद की परंपरा के आइने में देखने पर बल देने वाले महान रंगकर्मी रतन थियाम का बुधवार तड़के यहां निधन हो गया। वह 77 वर्ष के थे। थियाम बीते कुछ दिनों से बीमार थे। उनका यहां के रिम्स अस्पताल में इलाज चल रहा था। 20 जनवरी 1948 को जन्मे थियाम को रंगमंच कला में योगदान के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। इनमें पद्मश्री, कालिदास सम्मान, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार आदि शामिल हैं।

मेटा ने नए किशोर सुरक्षा फीचर पेश किए

न्यूयॉर्क। फेसबुक और इंस्टाग्राम के मलिकाना हक वाली सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने अपने मंचों का इस्तेमाल करने वाले किशोर उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए बुधवार को कुछ नए फीचर जारी किए। इनमें किशोर उपयोगकर्ताओं को संदेश भेजने वाले अकाउंट के बारे में जानकारी देने और महज एक 'टैप' पर अकाउंट को ब्लॉक करने या उनकी शिकायत करने की सुविधा शामिल है।

जंगली हाथियों के हमले में तीन की मौत

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में जंगली हाथियों के हमले में एक बालक समेत तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि जिले के लैलूंगा वन परिक्षेत्र में मंगलवार रात हाथियों के हमले में सत्यम रावत (3), संतरा बाई राठिया (46) और पुरुषोत्तम खड़िया (48) की मौत हो गई। धरमजयगढ़ क्षेत्र के वन मंडल अधिकारी जितेंद्र उपाध्याय ने बताया कि बीती रात दो अलग अलग गांव में मादा हाथी और उसके दंतैल शावक ने हमला किया जिससे तीनों की मौत हुई। उपाध्याय ने बताया कि मादा हाथी और उसके शावक ने अंगीकेला क्षेत्र के गोसाईडीह गांव में बालक सत्यम रावत को पटक-पटक कर मार डाला।

अंदर देखें ... कैम्पस

लोक मंगल की कामना...

लखनऊ। सावन शिवरात्रि पर बुधवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के अंधियारी बाग स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। प्राचीन मानसरोवर मंदिर में योगी ने महादेव का विल्व पत्र, कमल पुष्प, दुर्वा, जल, गोदुग्ध और गन्ने के रस से रुद्राभिषेक किया।

भारत से बातचीत को गिड़गिड़ाया पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी

- पीएम शहबाज शरीफ ने दिया हर मुद्दे पर सार्थक वार्ता का प्रस्ताव

ऐसा लगता है कि ऑपरेशन सिंदूर में मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है। पाकिस्तान ने भारत से बातचीत करने की इच्छा जताई है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को कहा कि उनका देश सभी लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए भारत के साथ सार्थक बातचीत के लिए तैयार है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शरीफ ने ब्रिटिश उच्चायुक्त जेन मैरियट से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की।

मैरियट ने प्रधानमंत्री आवास में शहबाज शरीफ से मुलाकात की।

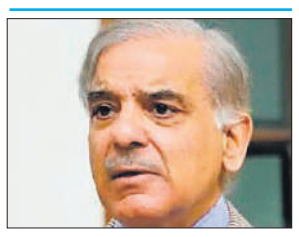

दोनों ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया की क्षेत्रीय स्थिति पर भी चर्चा की।

बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री शरीफ ने पाकिस्तान-भारत गतिरोध के दौरान तनाव कम करने में ब्रिटेन की भूमिका की सराहना की और दोहराया कि पाकिस्तान सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ सार्थक बातचीत के लिए तैयार है।

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। इन हमलों के कारण चार दिनों तक दोनों देशों के बीच झड़पें हुईं। 10 मई को दोनों पक्षों में सैन्य कार्रवाई रोकने की सहमति बनी थी।

क्या है भारत का रुख

भारत ने पहले ही साफ कर दिया है पाकिस्तान के साथ तभी कोई वार्ता होगी जब वह आतंकवाद को समर्थन देना बंद कर देगा। पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों का हाथ सामने आया था। उसके बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के कई ठिकानों को ऑपरेशन सिंदूर के तहत नेस्तनाबूत कर दिया था। उसके बाद बौखलाए पाकिस्तान ने भारत पर हमले की कोशिश की जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया जिसमें पाकिस्तान को काफी नुकसान पहुंचा।

विपक्ष के हंगामे से तीसरे दिन भी संसद में जारी रहा गतिरोध

अगले सप्ताह हो सकती है ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम हमले पर चर्चा

- लोकसभा अध्यक्ष की चेतावनी के बाद भी नहीं माने विपक्षी सदस्य
- राष्ट्रीय खेल शासन और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी संशोधन बिल पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के दोनों सदनों में विपक्षी दलों के सदस्यों द्वारा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर हंगामे के कारण बुधवार को लगातार तीसरे दिन गतिरोध कायम रहा, वहीं अगले सप्ताह लोकसभा एवं राज्यसभा में पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा कराए जाने के आसार हैं।

लोकसभा एवं राज्यसभा में बुधवार को विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे के उपरांत पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। दोनों सदनों में प्रश्नकाल एवं शून्यकाल सामान्य ढंग से नहीं चल पाए। लोकसभा में सरकार की ओर से दो विधेयक पेश किए गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हंगामा कर रहे सदस्यों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी थी कि सदन में तख्तियां लेकर आने वाले सांसदों पर उन्हें निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी। लोकसभा में विपक्षी सांसदों ने आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी की और तख्तियां लहराईं, जिन पर एसआईआर विरोधी नारे लिखे हुए थे। उन्होंने बिहार में एसआईआर की कवायद, पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर को रोकने और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता संबंधी दावों समेत कुछ विषयों पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा किया। हंगामे के बीच ही खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक, 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी संशोधन विधेयक 2025 सदन में पेश किए।

राज्यसभा में सदन की बैठक शुरू होने पर शून्यकाल में उप सभापति हरिवंश ने कहा कि नियत कामकाज स्थगित कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए उन्हें नियम 267 के तहत 25 नोटिस मिले हैं। उपसभापति ने बताया कि पूर्व में दी गई व्यवस्था के अनुपालन में ये नोटिस अस्वीकार कर दिए गए। नोटिस अस्वीकार किए जाने पर विपक्षी सदस्यों ने कड़ा विरोध जताया और हंगामा करने लगे। कुछ सदस्य अपने स्थानों से आगे भी आ गए। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण उच्च सदन में प्रश्नकाल भी नहीं चल सका।

संसद परिसर में राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन।

राज्यसभा कार्य मंत्रणा समिति की हुई बैठक

उच्च सदन की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की आज उपसभापति हरिवंश की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें विपक्षी दलों के सदस्यों ने अगले सप्ताह से पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर दो दिवसीय चर्चा कराए जाने तथा इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग की। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ सदन के नेता एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा तथा संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू भी शामिल हुए।

गोरखपुर में महिला पुलिसकर्मियों की ट्रेनिंग में अव्यवस्था

26वीं वाहिनी पीएसी के कमांडेंट निलंबित, डीआईजी को हटाया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : गोरखपुर स्थित 26वीं बटालियन पीएसी में प्रशिक्षण ले रहीं नवनियुक्त महिला सिपाहियों द्वारा अव्यवस्थाओं को लेकर विरोध-प्रदर्शन व अनदेखी के मामले को शासन ने गंभीरता से लिया है। प्रशिक्षण ले रहीं महिला आरक्षियों ने प्रशिक्षण केंद्र में मूलभूत सुविधाएं न देने के आरोप लगाए हैं। मामले में डीजीपी राजीव कृष्ण की रिपोर्ट पर शासन ने 26वीं बटालियन पीएसी के कमांडेट आनंद कुमार और प्लाटून कमांडर संजय राय को निलंबित कर दिया है। गोरखपुर पीटीएस के डीआईजी एवं प्रधानाचार्य रोहन पी. कनय को प्रतीक्षारत किया गया है। कानपुर स्थित केंद्रीय रिजर्व स्टोर में तैनात एडिशनल एसपी निहारिका शर्मा को 26वीं वाहिनी पीएसी का प्रभारी सेनानायक बनाया गया है।

जांच में आनंद कुमार शिथिल पर्यवेक्षण व उत्तरदायित्व के निर्वहन में शिथिलता के दोषी पाए गए हैं। डीजीपी ने उनके विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति की थी। इसके अलावा प्लाटून कमांडर व आरटीसी (रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर) के प्रभारी संजय राय को महिला प्रशिक्षुओं की समस्या का समय से निराकरण न करने का दोषी माना गया है। पीटीएस गोरखपुर के एएसपी अनिल कुमार-1 को प्रभारी प्रधानाचार्य बनाया गया है।

गोरखपुर पीटीएस में प्रशिक्षु सिपाहियों के हंगामे की जानकारी मिलते ही डीजीपी राजीव कृष्ण ने पीएसी के अधिकारियों को सख्त हिदायत दी। साथ ही मामले को गंभीरता से लेते हुए एडीजी पीएसी आरके स्वर्णकार को समस्या के समाधान के लिए तत्काल गोरखपुर भेजा। डीजीपी ने बताया कि गोरखपुर स्थित 26वीं वाहिनी पीएसी में रिक्रूट महिला सिपाहियों की समस्याओं का शासन एवं पुलिस मुख्यालय ने गंभीरता से संज्ञान लिया है। तथ्यों एवं प्रारंभिक जांच के आधार पर 26वीं वाहिनी के सेनानायक आनंद कुमार को शिथिल पर्यवेक्षण एवं उत्तरदायित्व निर्वहन में लापरवाही का दोषी पाए जाने पर शासन से निलंबन की संस्तुति की गई थी। आनंद कुमार वर्ष 2015 बैच के प्रमोटी आईपीएस हैं। इसके अलावा प्लाटून कमांडर एवं आरटीसी प्रभारी संजय राय को भी महिला प्रशिक्षुओं की समस्याओं का निराकरण न करने की वजह से निलंबित किया गया है।

पीटीएस मेरठ के डीआईजी प्रतीक्षारत

शासन ने पीटीएस मेरठ के डीआईजी सत्येंद्र कुमार को भी प्रतीक्षारत करते हुए उनकी जगह पीएसी आगरा अनुभाग की डीआईजी पूनम को भेजा है। पूनम को डीआईजी पीएसी मेरठ के साथ पीटीएस का प्रधानाचार्य भी बनाया गया है। सूत्रों की मानें तो शासन ने खासकर महिला प्रशिक्षण केंद्रों पर महिला अफसरों की तैनाती का निर्देश दिया था, जिसका पालन नहीं किया गया। गोरखपुर में प्रशिक्षु सिपाहियों द्वारा समस्याओं को लेकर हंगामे के बाद आनन-फानन में दो महिला अफसरों को कमान सौंपी गई है।

- समस्या का निराकरण न करने पर प्लाटून कमांडर भी सस्पेंड
- अव्यवस्था होने पर महिलाकर्मियों ने किया था हंगामा

दिल्ली, नोएडा व गुजरात से चार आतंकी गिरफ्तार

गांधीनगर, एजेंसी

- एटीएस ने किया अलकायदा आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

गुजरात के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) से संबद्ध आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए इससे जुड़े चार लोगों को गिरफ्तार किया है। दो आतंकी गुजरात से, एक दिल्ली और एक नोएडा से गिरफ्तार किया गया है। इनके कुछ सोशल मीडिया हैंडल और चैट भी मिले हैं। पता चला है कि ये सोशल मीडिया-प्लेटफॉर्म और कुछ संदिग्ध एप के जरिए अलकायदा की विचारधारा फैलाने में सक्रिय थे।

गुजरात एटीएस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, ये चारों लंबे समय से अलकायदा मॉडल से जुड़े हुए थे। ये सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक दूसरे के संपर्क में आए थे। ये कुछ ग्रुप में भी सक्रिय थे। गिरफ्तार लोगों की पहचान पुलिस ने दिल्ली निवासी मोहम्मद फाइक, नोएडा (उत्तर प्रदेश) निवासी जीशान अली, गुजरात के अरवल्ली जिले के निवासी सैफुल्ला कुरैशी और अहमदाबाद निवासी मोहम्मद फरदीन शेख के रूप में की है। गुजरात एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी ने कहा कि चारों सोशल मीडिया के माध्यम से एक-दूसरे के संपर्क में आए। दिल्ली निवासी फाइक एक पाकिस्तानी इंस्टाग्राम उपयोगकर्ता के संपर्क में था और भारत में जिहादी गतिविधियों को फैलाने की साजिश रच रहा था।

करोड़ों की ठगी करने वाले 16 साइबर ठग गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गुडंबा के स्मृति अपार्टमेंट के एक फ्लैट में चल रहा था ठगी का खेल
- 1.07 करोड़ रुपये, नोट गिनने की मशीनें व 54 मोबाइलें बरामद

अमृत विचार। लोट्स गेमिंग एप और टेलीग्राम के माध्यम से ग्रुप में जोड़कर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए गुडंबा पुलिस ने 16 साइबर जालसाजों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 1.07 करोड़ रुपये, 54 मोबाइल, नोट गिनने वाली दो मशीन व अन्य सामान बरामद हुआ। कुर्सी रोड स्थित स्मृति अपार्टमेंट में करीब पांच माह से ठहरे आरोपी अभी तक हजारों लोगों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुके हैं। ठगी की रकम को आरोपी हवाला के माध्यम से खपाते थे। आरोपियों में 12 छत्तीसगढ़ व चार गुजरात के रहने वाले हैं। ठगी का यह खेल दुबई में बैठा सरगना चला रहा था।

पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली कि स्मृति अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर-403 में कुछ लोग रुके हैं। जिनकी गतिविधियां संदिग्ध है। इस सूचना पर पुलिस ने छानबीन की तो पता चला कि ऑनलाइन बेटिंग गेम खिलाने के नाम पर ठगी की जा रही है। जिसके बाद गुडंबा पुलिस व डीसीपी पूर्वी की क्राइम टीम ने संयुक्त ऑपरेशन कर मंगलवार देर रात छापेमारी की। पुलिस ने घेराबंदी कर 16 आरोपियों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों में छत्तीसगढ़ निवासी प्रमोद साहू, साजिद अंसारी, खेमेंद्र साहू, सोहेल अशरफ, सुहैल अशरफ, टिकैश कुमार यादव, सचिन कुमार गुप्ता, अभय मिश्र, अंश शर्मा, शंकर बाग, विनायक चौहान, मोहन सिंह, विजय साहनी और गुजरात निवासी राकेश कुमार, राकेश प्रहलाद, गोविंद भाई मंगलदास प्रजापति और गोविंद भाई हैं। पुलिस आयुक्त ने बताया कि जालसाज टेलीग्राम के माध्यम से लोगों को जोड़ते थे। गिरोह के तार देश के अलग-अलग राज्यों में फैले हुए हैं। गिरोह के हर सदस्य का काम बंटा हुआ है। ठगी की रकम उन खातों में मंगवाते और फिर रकम निकालकर गुजरात, छत्तीसगढ़ और अन्य प्रांतों से जुड़े व्यापारियों में हवाला के जरिए रकम सरगना तक पहुंचाते थे। गिरफ्तारी में शामिल पुलिस कर्मियों के उत्सावर्धन के लिए पुलिस कमिश्नर ने एक लाख रुपये के इनाम की घोषणा की है।

संबंधित खबर पेज-6

फैसला

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के 2014 के फैसले के खिलाफ दायर अपील उच्चतम न्यायालय में खारिज

एससी/एसटी वर्ग का होना ही अभियोजन का आधार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि शिकायतकर्ता का केवल अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति वर्ग का होना ही इससे संबंधित कड़े अधिनियम के तहत अभियोजन का आधार नहीं हो सकता।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के 2014 के उस फैसले के खिलाफ कोंडे नागेश्वर राव की ओर से दायर अपील को खारिज करते हुए ये टिप्पणियां कीं।

दोनों उच्च न्यायालयों के संबंधित फैसले में एससी/ एसटी से संबंधित विशेष कानून के तहत दो व्यक्तियों के खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने 13 पन्नों के फैसले में कहा कि केवल इसलिए कि शिकायतकर्ता अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंधित है, कड़े अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत अभियोजन का एकमात्र आधार नहीं हो सकता। पीठ ने मासुम्शा हसनशा मुसलमान बनाम महाराष्ट्र राज्य (2000) के पिछले फैसले का हवाला देते हुए कहा कि व्यक्तिगत दुश्मनी निकालने या व्यक्तियों को परेशान करने के लिए कानून का दुरुपयोग, यदि स्पष्ट हो, तो अनुमति नहीं दी जा सकती। रविंदर सिंह बनाम सुखबीर सिंह एवं अन्य (2013) का भी हवाला देते हुए पीठ ने रेखांकित किया कि ऐसी स्थिति में अदालत को हस्तक्षेप करने और उक्त दुरुपयोग को रोकने में संकोच नहीं करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष के मामले में स्पष्ट कानूनी कमजोरी होने पर अभियुक्तों के अनुचित उत्पीड़न को रोकने के लिए अभियोजन पक्ष को प्रारंभिक चरण में ही रद्द कर दिया जाना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने वर्तमान मामले में उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि चूंकि मुख्य मंशा ही स्पष्ट नहीं थी, इसलिए जिन अपराधों के लिए अभियोजन शुरू किया गया था, वे सिद्ध नहीं हुए।

> एससी एसटी कानून के दुरुपयोग रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि व्यक्तिगत दुश्मनी निकालने या व्यक्तियों को परेशान करने के लिए कानून का दुरुपयोग स्पष्ट है तो अनुमति नहीं दी जा सकती। पीठ ने रेखांकित किया कि ऐसी स्थिति में अदालत को हस्तक्षेप करने और उक्त दुरुपयोग को रोकने में संकोच नहीं करना चाहिए।

रेल इमरजेंसी कोटा

अब एक दिन पहले करना होगा आवेदन

नई दिल्ली। रेलवे मंत्रालय ने इमरजेंसी कोटा के समय में भी बदलाव किया है। अब यात्रियों को ट्रेन के प्रस्थान से एक दिन पहले इस कोटे के लिए आवेदन करना होगा।

अब रात 12 बजे के बाद दिन के 1 बजे के बीच रवाना होने वाली ट्रेनों के लिए कोटा अनुरोध यात्रा के एक दिन पहले दोपहर 12 बजे तक जबकि दोपहर 2 से रात 12 बजे के बीच की ट्रेनों के लिए कोटा अनुरोध यात्रा के एक दिन पहले 4 बजे तक ईक्यू सेल तक पहुंच जाना चाहिए।

स्थापना दिवस

गोवंश संरक्षण में उत्तर प्रदेश की नई पहचान

देश में प्रथम

- उत्तर प्रदेश गो-पालन पर पशुपालकों को धन देने वाला देश का प्रथम राज्य
- 1.90 करोड़ गोवंश के साथ सर्वाधिक पशुधन संख्या वाला राज्य
- 390 लाख मीट्रिक टन दुग्ध उत्पादन वाला देश का प्रथम राज्य

2017 से अब तक

क्रांतिकारी पहल

- गोवंश से आर्थिक उन्नति
- गो-पेंट, गो-दीप, गोबर के गमले व वर्मी कम्पोस्ट का व्यापक उत्पादन
- गो-मूत्र का व्यावसायिक उपयोग जैव ऊर्जा के रूप में बायोगैस ईंधन
- निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए 7,717 गो-आश्रय स्थलों की स्थापना
- प्रतिदिन ₹50 के हिसाब से गायों के भरण-पोषण के लिए ₹7.5 करोड़ का बजट
- प्रत्येक वृहद गो-संरक्षण केंद्र के निर्माण पर ₹1.60 करोड़ निवेश

2017 से पहले

गोवंश की दयनीय स्थिति

- 12 लाख से अधिक निराश्रित गोवंश थे
- गोवंश संरक्षण के लिए कोई नीति नहीं थी
- केवल 100 गो-आश्रय स्थल थे
- टीकाकरण सीमित था और पशुपालकों के लिए कोई ठोस योजना नहीं थी
- डेयरी मिशन का कोई अस्तित्व नहीं था
- निराश्रित गोवंश या तो सड़कों पर भटकते थे या बूचड़खानों में बेचे जाते थे

गोवंश से अर्थव्यवस्था में सुधार

- उत्तर प्रदेश की जीएसडीपी ₹27.51 लाख करोड़ है, जिसमें पशुपालन क्षेत्र की हिस्सेदारी ₹1.67 लाख करोड़
- राष्ट्रीय जीडीपी में पशुपालन का योगदान 4.11 प्रतिशत है, जबकि यूपी इस मामले 7.1 प्रतिशत के साथ काफी आगे
- प्रदेश में 390 लाख मीट्रिक टन दुग्ध उत्पादन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती
- मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना और नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत स्वदेशी नस्लों जैसे साहीवाल, गिर और थारपारकर के पालन को प्रोत्साहन
- इन योजनाओं में 40 से 50 प्रतिशत अनुदान और 10 से 15 हजार रुपये का पुरस्कार डीबीटी के माध्यम से 6,500 से अधिक गौपालकों को दिया

गोवंश संरक्षण का संकल्प

- सम्पूर्ण प्रदेश में अवैध बूचड़खानों पर रोक
- 2017 से पहले गोवंश की उपेक्षा और गोकशी का था बोलबाला
- यूपीजीआईएस से हुआ बड़ा निवेश, खुले आर्थिक उन्नति के द्वार
- योगी आदित्यनाथ ने गोवंश को अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा से जोड़ा
- योगी सरकार में गोवंश संरक्षण से अर्थव्यवस्था को मिली नई दिशा
- युवाओं के लिए पशुपालन और डेयरी सेक्टर में खुले नये अवसरों के द्वार
- गो आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था का उत्तर प्रदेश मॉडल देश में अनुकरणीय
- गोचर भूमि का योगी सरकार ने किया संरक्षण और चारा उत्पादन में हुई बढ़ोतरी
- स्वदेशी गौ संवर्धन, नस्ल सुधार और कृत्रिम गर्भाधान पर सरकार का विशेष फोकस
- कृषक/पशुपालक परिवारों को एक-एक गाय व ₹1500 प्रति माह दिए जाने की व्यवस्था
- यूपी में अब गोकशी नहीं होती, गऊ माता अर्थव्यवस्था को कर रहीं मजबूत, दे रहीं रोजगार
- टीकाकरण और मोबाइल वेटनरी यूनिट्स से पशु स्वास्थ्य सेवाओं में हुआ व्यापक सुधार

युवाओं और महिलाओं हेतु रोजगार

- ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को पशुपालन में उद्यमिता के अवसर से रोजगार
- नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत 25 दुधारू गोवंश की इकाइयां स्थापित कर 50 प्रतिशत महिलाओं को लाभान्वित किया
- चारा नीति 2024 के तहत 230 हेक्टेयर भूमि पर नेपियर ग्रास का उत्पादन शुरू जिसके अन्तर्गत 1.73 लाख क्विंटल चारा उत्पादन का लक्ष्य
- 9,449.82 हेक्टेयर गोचर भूमि कब्जामुक्त कराई गई और 5,458.93 हेक्टेयर भूमि पर हरे चारे की खेती
- गोबर और गो-मूत्र इकाइयों ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया

व्यापक टीकाकरण अभियान

- गोवंश की मृत्यु दर देश में सबसे कम
- 2024-25 में 1,648 लाख टीकाकरण का कार्य पूरा किया
- लम्पी स्किन डिजीज पर नियंत्रण के लिए 1.52 करोड़ टीकाकरण किए गए
- आठ वर्षों में 2,202 पशु चिकित्सालयों के अतिरिक्त 39 नए चिकित्सालय और 2,575 पशु सेवा केंद्र स्थापित
- 2024-25 में 520 मोबाइल वेटनरी यूनिट्स ने 15.93 लाख पशुपालकों के 32.34 लाख पशुओं को चिकित्सा सुविधा दी

बड़े पैमाने पर निवेश

- गोवंश के कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा देने के लिए 3.08 लाख गर्भाधान नि:शुल्क किए गए
- पशुपालन अवसंरचना विकास निधि के तहत 44 परियोजनाओं से ₹1,094.38 करोड़ का निवेश
- नेशनल लाइवस्टॉक मिशन के तहत से ₹44.29 करोड़ का निवेश
- यूपीजीआईएस 2023 के तहत 578 डेयरी और पशुपालन इकाइयों से ₹2,221.99 करोड़ का निवेश और 1.23 लाख रोजगार सृजित

गोबर और गोमूत्र बने ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधार

- प्रतिदिन प्रदेश में 5,500 टन गोबर उत्पादन
- वर्मी कम्पोस्ट, गमले, गो-दीप, गो-काष्ठ, धूपबत्ती, पंचगव्य, जीवामृत और घनामृत जैसे उत्पादों को प्राथमिकता
- पशुपालकों के लिए गोबर व गो-मूत्र को आय का साधन बनाया
- ग्रामीण महिलाओं को सशक्त कर जैविक खेती को प्रोत्साहन
- पशुधन बीमा योजना में 2024-25 में 1.60 लाख पशुओं का बीमा हुआ
- 1,372.35 क्विंटल उन्नत चारा बीज का नि:शुल्क वितरण
- उत्तर प्रदेश ने गोवंश संरक्षण को एक सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक क्रांति में बदल दिया
- गोबर और गो-मूत्र आधारित उत्पादों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त किया

ADVERTORIAL

सिटी ब्रीफ

बीकेटी में अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर बुधवार को प्रवर्तन टीम ने बीकेटी में अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चलाया। प्रर्वतन टीम ने प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना की जा रही एक अवैध प्लाटिंग ध्वस्त कर दी। प्रवर्तन जोन-4 की जोनल अधिकारी संगीता राघव ने बताया कि अनिल कुमार, अशोक कुमार व अन्य द्वारा बीकेटी में चंद्रिका देवी रोड पर लगभग तीन बीघा में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग करके कालोनी विकसित की जा रही थी। विहित न्यायालय ने ध्वस्तीकरण आदेश पारित किया था। इसके अनुपालन में प्रवर्तन टीम ने पुलिस बल के साथ स्थल पर बनी सड़क, नाली, बाउंड्रीवाल आदि निर्माण ध्वस्त कर दिया।

16 तक करें पंचायत पुरस्कार के आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत किया जाएगा। योजना के तहत 20 लाख रुपये तक प्रोत्साहन पुरस्कार मिलेगा, जो ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों पर खर्च किया जाएगा। योजना के ऑनलाइन आवेदन 16 अगस्त तक मातृ भूमि पोर्टल पर मांगे गए हैं।

कानपुर जा रही रोडवेज की बस हो गई खराब

अमृत विचार, सरोजनीनगर : लखनऊ से सवारियां लेकर कानपुर जा रही रोडवेज बस बुधवार दोपहर बाद बंथरा में कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे के पिलर संख्या पी- 49 के पास खराब हो गई। इससे यात्री परेशान हो गए। चालक ने बस किनारे खड़ी कर खराबी दूर करने की कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। उसने आसपास प्राइवेट मैकेनिक की दुकान की तलाश की, लेकिन कोई दुकान नहीं मिली। इसके बाद अधिकारियों को सूचना दी। अमौसी रोडवेज वर्कशॉप से शाम करीब 6 बजे पहुंचे मैकेनिक ने खराबी दूर की। बताते हैं कि बस के इंजन में लगी बेल्ट टूट गई थी। यात्रियों का काफी समय बर्बाद हो गया। जिसकी वजह से वह नाराज दिखे। देर शाम यात्रियों को लेकर कानपुर के लिए रवाना हो गई।

ठेले, गुमटी और काउंटर किए जब्त

अमृत विचार, लखनऊ : नगर निगम ने बुधवार को अभियान चलाकर शहर के प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थलों एवं फुटपाथ से अतिक्रमण हटाए। जोन 3 में जोनल अधिकारी अमरजीत यादव के नेतृत्व में डालीगंज क्रासिंग से पक्का पुल तक बायीं पटरी पर फल के ठेले, सब्जी की दुकानें, गुमटी आदि हटाईं। जोन 5 में जोनल अधिकारी नंदकिशोर के नेतृत्व में एयरपोर्ट नादरगंज चौराहा से दरोगा खेड़ा तक अभियान चलाकर ठेले, गुमटी और काउंटर आदि जब्त किए।

शांति भंग का नोटिस हाईकोर्ट ने किया खारिज

अमृत विचार, लखनऊ (विधि संवाददाता) : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने वक्फ संबंधी कानून के विरोध प्रदर्शन को लेकर एक प्रदर्शनकारी को भेजी गई शांति भंग की आशंका की नोटिस को खारिज कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की एकल पीठ ने अतीउर्रहमान खान की याचिका पर पारित किया। न्यायालय ने कहा कि एसीपी कैसरबाग द्वारा भेजी गई उक्त नोटिस में न्यायिक विवेक का इस्तेमाल नहीं किया गया लगता है।

टूटेगा अलाया होम्स अपार्टमेंट, असमंजस में आवंटी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- ढाई मंजिल का नक्शा, बनाए पांच तल, ध्वस्तीकरण आदेश स्पष्ट नहीं
- याचिका खारिज होने के बाद एक्शन में एलडीए, कोर्ट जाने की तैयारी में आवंटी

अमृत विचार : आवास सचिव की कोर्ट में याचिका खारिज होने के बाद डालीबाग में मानचित्र के विपरीत बना अलाया होम्स अपार्टमेंट फिर से ध्वस्तीकरण की जद में आ गया है। निर्माण कितना अवैध है और कहां से टूटेगा इसकी आवंटियों को जानकारी नहीं मिली है। इससे फ्लैटों में रहने वाले सभी परिवार दहशत और असमंजस में हैं। वह ध्वस्तीकरण आदेश के विरोध में हाईकोर्ट जाएंगे। बुधवार को सोसाइटी की तरफ से बैठक करके यह निर्णय लिया गया है।

यजदान बिल्डर ने अलाया होम्स अपार्टमेंट का लखनऊ विकास प्राधिकरण से ढाई मंजिल का मानचित्र स्वीकृत कराया था और निर्माण पांच मंजिल तक किया। इस पर प्राधिकरण ने निर्माण मानचित्र के विपरीत और अवैध बताकर वर्ष 2024 में ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया था। नोटिस भी चस्पा किए थे। इस आदेश के विरोध में आवंटियों ने आयुक्त न्यायालय में अपील की थी, जो खारिज होने के बाद आवास आयुक्त कोर्ट में याचिका दायर की गई। साथ ही हाईकोर्ट में अपील की थी। कोर्ट ने शासन का आदेश आने तक स्टे दे दिया था। इस वजह से किसी तरह का नोटिस या अन्य प्रक्रिया नहीं की गई। इधर, हाल में आवास आयुक्त कोर्ट में भी याचिका खारिज हो गई। इससे प्राधिकरण का ध्वस्तीकरण आदेश प्रभावी हो गया है। लेकिन, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि कितना निर्माण अवैध है। ऊपर के अतिरिक्त तल तोड़े जाएंगे या फिर पूरा अपार्टमेंट तोड़ा जाएगा। परिसर में कुल 35 फ्लैटों पर परिवार रहते हैं। उनका का कहना है सीधे एक लाइन में अपार्टमेंट ध्वस्त करने का आदेश मिला है। इससे असमंजस की स्थिति बनी हुई है। वहीं, प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि मानचित्र के विपरीत किया निर्माण ध्वस्त किया जाएगा।

भाग गया बिल्डर, पार्टी बने आवंटी

आवंटी शक्ति सिंह ने बताया कि याचिका उन्होंने दायर की थी। सभी लोगों ने जीवन भर की कमाई फंसाकर लाखों रुपये के फ्लैट खरीदे हैं। लेकिन, अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि ध्वस्तीकरण कितना किया जाएगा। गलती बिल्डर की है। जिसे नोटिस तक नहीं मिला और भाग गया। उसकी जगह पार्टी आवंटी बन गए और अपने हक के लिए लड़ रहे हैं। आदेश के विरोध में बुधवार को सोसाइटी की तरफ से बैठक की गई। पदाधिकारियों और आवंटियों ने रणनीति बनाई। जोकि आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे।

हादसे के दौरान चिह्नित किया था अलाया होम्स

वर्ष 2023 में यजदान बिल्डर का वजीर हसन रोड में बना दूसरा पांच मंजिल अलाया अपार्टमेंट भरभराकर गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई थी। उसी समय एलडीए ने घटना का संज्ञान लेकर यजदान बिल्डर की जांच कराई थी। शहर में बिल्डर के कुल पांच अपार्टमेंट मिले थे। इसमें एलडीए ने एक बालू अड्डा के पास नजूल की जमीन पर निर्माणाधीन यजदान अपार्टमेंट ध्वस्त किया था और दूसरा डालीबाग में अलाया होम्स अपार्टमेंट मानचित्र के विपरीत मिलने पर ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया था।

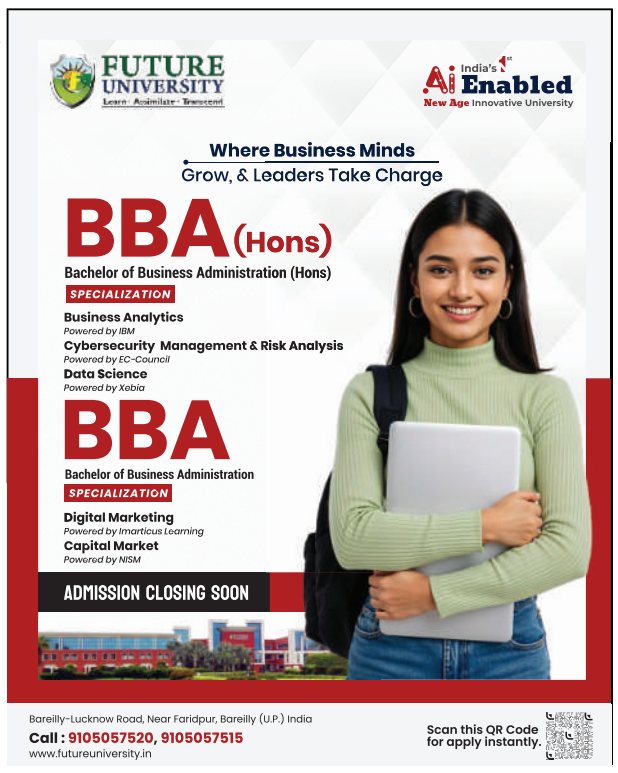

गरीबों को मकान आवंटन में एकमुश्त भुगतान बंद

आवास विकास परिषद पूरे प्रदेश में किश्त पर ही करेगा आवंटन

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : आवास विकास ने प्रदेश भर में ईडब्ल्यूएस मकानों के आवंटन में एकमुश्त भुगतान योजना को समाप्त कर दिया है। अब प्रधानमंत्री आवास सहित गरीबों को मकान केवल किश्त पर ही लॉटरी के माध्यम से आवंटित किया जाएगा। इन मकानों के आवंटन में कैश यानी 60 दिन में पूरा भुगतान करने के विकल्प में विवाद को देखते हुए परिषद ने यह निर्णय लिया है।

आवास विकास की अवध विहार योजना में रिक्त 744 प्रधानमंत्री आवासों के आवंटन लिए 25 जुलाई को लॉटरी का आयोजन किया गया था। जिसमें कैश ऑप्शन चुनने वाले आवेदकों को तरजीह दिये जाने पर आवंटन के दौरान आवेदकों ने हंगामा किया था।

कैश विकल्प चुनने वाले 620 में से 520 आवेदकों को परिषद ने लॉटरी से आवंटन कर दिया था। किश्त का विकल्प चुनने वाले आवेदकों के लिए मकान ही नहीं बचे थे। जबकि कुल पात्र 4991 लोगों को लॉटरी में शामिल किया गया था।

अमृत विचार ने ''कैश वालों को मिला आवास, किश्त वाले लगा रहे चक्कर'' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। खबर का संज्ञान लेते हुए परिषद के अधिकारियों ने गरीबों के मकान के आवंटन में एकमुश्त योजना को समाप्त कर दिया है।

111 रिक्त पीएम आवासों की लॉटरी अगस्त में: आवास विकास की अवध विहार योजना में रिक्त लगभग 111 प्रधानमंत्री आवासों के लिए अगस्त माह के पहले हफ्ते में लॉटरी की जाएगी। इसमें उन आवेदकों को शामिल किया जाएगा जिन्होंने किश्त का विकल्प चुना है। यह जानकारी उप आवास आयुक्त चंदन पटेल ने दी।

उन्होंने बताया कि आवेदकों की भीड़ को देखते हुए अब दो दिन आवंटन किया जाएगा। सामान्य और पिछड़ा वर्ग की संख्या अधिक है। इन दोनो वर्गों के आवेदकों की लॉटरी अन्य आरक्षित वर्ग के साथ अलग-अलग दिन कराई जाएगी।

दिवाली पर खुलेगा नई जेल रोड योजना का पंजीकरण

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र आवास एवं विकास परिषद लखनऊ में मोहनलालगंज स्थित नई जेल रोड योजना लांच करने जा रहा है। इसके लिए दीपावली पर पंजीकरण खोलने की तैयारी है। 80 से 200 वर्ग मीटर के लगभग 2000 भूखंड होंगे। इनकी दर 22 से 23 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर हो सकती है। अगले महीने से योजना में जमीन देने वाले किसानों को 25 प्रतिशत विकसित भूखंड आवंटित करने का काम शुरू हो जाएगा। लैंड पूलिंग पर 265 एकड़ जमीन देने वाले लगभग 800 किसानों को विकसित भूखंड दिए जाएंगे। इसके बाद एक्सचेंज डीड कराके किसानों से जमीन पर परिषद अधिकार प्राप्त करेगा। आवास आयुक्त चंदन पटेल ने कहा कि दिवाली पर मोहनलालगंज स्थित नई जेल रोड योजना के लिए पंजीकरण खोलने की तैयारी है। इससे पहले योजना में अपनी जमीन देने वाले लगभग 800 किसानों को अगले महीने से 25 प्रतिशत विकसित भूखंड दिये जाएंगे।

इन गांवों के किसानों को होगा फायदा

नई जेल रोड योजना में लैंड पूलिंग पर सिठौली खुर्द, सिठौली कला और मोहारीकला गांव के किसानों ने आवास विकास को अपनी जमीन दी है। लैंड पूलिंग पर आवास विकास की यह पहली योजना है। इससे इन गांवों के किसानों को फायदा होगा। आवास विकास योजना में आवासीय और व्यावसायिक भूखंडों के साथ एलआईजी, एमआईजी और एचआईजी मकान भी बनाएगा। योजना में कॉलेज, अस्पताल, थाना और फायर स्टेशन के लिए भी भूखंड आरक्षित रहेंगे।

अब नामचीन संस्थानों में प्रशिक्षण लेंगे अभियंता

अमृत विचार, लखनऊ : ऊर्जा निगमों के बिजली अभियंता अब नामचीन संस्थानों में उच्च शिक्षा व प्रशिक्षण लेने जाएंगे। इसके लिए उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन 20 लाख रुपये तक का खर्च वहन करेगा। कॉरपोरेशन ने बिजली अभियंताओं की कार्यकुशलता में और निखार लाने के लिए पहली बार उच्च शिक्षा प्रोत्साहन योजना लागू की है। योजना के तहत आठ बिजली अभियंताओं का चयन किया गया है। चयनित अभियंता आईआईएससी बंगलुरु, आईआईटी रुड़की, दिल्ली टेक्नोलोजीकल यूनीवर्सिटी, यूनीवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड इनर्जी स्टडीज देहरादून जैसे ख्याति प्राप्त संस्थानों में एमटेक व एमबीए की शिक्षा ग्रहण करेंगे।

अपने अभिनंदन समारोह में महापौर ने सफाई मित्रों को पहनाई माला

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में लखनऊ को देश में तीसरा और उत्तर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त होने पर बुधवार को नगर निगम जोन 2 कार्यालय में महापौर सुषमा खर्कवाल का स्वागत किया गया। इसमें महापौर ने माला पहनाकर और अंगवस्त्र भेंट कर सफाई मित्रों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि यह सफलता शहर के नागरिक, पार्षद, अधिकारी और विशेष रूप से हमारे सफाई मित्रों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। अब लक्ष्य देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने का है। उन्होंने जल्द ही स्वच्छता जागरूकता रैली तिरंगा यात्रा के रूप में आयोजित करने की घोषणा की। समारोह में पार्षद ममता चौधरी, गौरी सांवरिया, कौमुदी त्रिपाठी, राजीव वाजपेई, राहुल मिश्रा, संदीप शर्मा, राजू दीक्षित, अजय दीक्षित, पूर्व पार्षद राजीव कृष्ण त्रिपाठी, पूर्व पार्षद राजू गांधी सहित अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त, जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी, अधिशासी अभियंता जलकल उत्कर्ष राय, अधिशासी अभियंता अभियंत्रण विभाग, जोनल सेनेटरी अधिकारी मौजूद रहे।

व्यापारियों ने महापौर को किया सम्मानित

शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण में तीसरा स्थान मिलने पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय मंत्री प्रदीप अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष रिपन कंसल, आकाश गौतम, जावेद बेग, अश्वन वर्मा, राजीव कक्कड़, अनुज गौतम, राजीव अरोड़ा, अमरनाथ चौधरी, नीरज तिवारी ने महापौर सुषमा खर्कवाल को लालबाग स्थित कैंप कार्यालय पर अंग वस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया।

पुलिस मुठभेड़ में पॉकेटमार के पैर में लगी गोली

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बदमाश के तीन साथी फरार, तमंचा, कारतूस, बाइक और 25 हजार रुपये बरामद

अमृत विचार: फर्रुखाबाद से लखनऊ आकर पॉकेटमारी करने वाले बदमाशों की बुधवार देर रात करीब 12 बजे महानगर पुलिस से मुठभेड़ हो गयी। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से एक बदमाश बाइक समेत गिर पड़ा। जबकि तीन बदमाश दूसरी बाइक से फरार हो गए। पुलिस ने घायल बदमाश को अस्पताल भेजा है। पुलिस ने आरोपी के पास से लूट में प्रयुक्त बिना नंबर की बाइक, लूटे गए रुपये में बचे 25 हजार रुपये, तमंचा, कारतूस व खोखा बरामद किया है। एडीसीपी मध्य ममता रानी चौधरी ने बताया कि 19 जुलाई को गोंडा निवासी सुधीर मिश्र ई-रिक्शा से जा रहे थे। तभी सवारी बन बैठे बदमाश ने 47,500 रुपये पार कर दिए थे। महानगर पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज की। डीसीपी के निर्देश पर सर्विलांस समेत तीन टीमों का गठन किया गया था। बुधवार रात इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश कुमार मिश्र टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे। इस बीच अकबरनगर सौमित्र वन के पास दो बाइकों पर सवार चार सदिग्धों को पुलिस ने रोकने की कोशिश की। इस पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वह बाइक से गिर गया। घायल बदमाश की पहचान फर्रुखाबाद निवासी कुलदीप उर्फ ढेला के रूप में हुई।

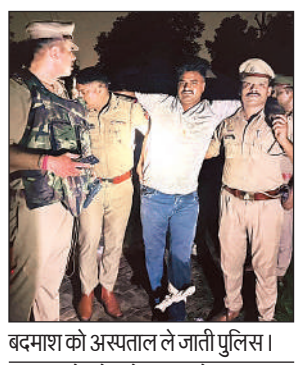

बदमाश को अस्पताल ले जाती पुलिस।

दर्ज हैं 17 मामले

एडीसीपी ने बताया कि आरोपी कुलदीप पूर्व में जेल जा चुका है। उसके खिलाफ लखनऊ समेत अन्य जिलों में पॉकेटमारी, लूट समेत करीब 17 आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी कुलदीप अपने गिरोह के साथ सप्ताह में दो से तीन बार नेशनल हाइवे से होकर लखनऊ आते हैं और फिर वारदात कर फरार हो जाते थे। गिरोह साप्ताहिक बाजारों, रेलवे स्टेशन, बस अड्डा व अस्पताल के आसपास अपने टारगेट को चिन्हित कर वारदात करते हैं।

बकाया वेतन, पेंशन के लिए जल निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन

जल निगम मुख्यालय पर नारेबाजी करते कर्मचारी और पेंशनर। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- कर्मचारियों, पेंशनरों ने नारेबाजी कर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

अमृत विचार : छह माह के बकाया वेतन और पेंशन दिलाने की मांग को लेकर जल निगम कर्मियों व पेंशनरों ने बुधवार को राणा प्रताप मार्ग स्थित मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजा। उत्तर प्रदेश जल निगम एकीकृत संघर्ष मोर्चा के महासचिव एके सिंह ने कहा कि जल निगम में 9 वर्ष व्यतीत होने के बाद भी सातवां वेतनमान नहीं मिल रहा है। 4141 नियमित कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने पर उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन प्राधिकार पत्र निर्गत न किए जाने सहित सेवानिवृत्त लाभ प्रदान करने, पैशन का भुगतान ट्रेजरी से करने, स्थगित की गयी मृतक आश्रित अनुकम्पा नियुक्ति बहाल की जाए। मोर्चा के सलाहकार अनूप कुमार सक्सेना ने वर्ष 2021 में जल निगम के विभाजन को दुर्भाग्यशाली और विभाजन के उद्देश्य से पूरी तरह असफल करार देते हुए जल निगम को पुनः पूर्व की भांति एकीकृत किये जाने के लिए मुख्यमंत्री से अनुरोध किया। मोर्चा के प्रांतीय अध्यक्ष सैयद अतहर कादरी ने कहा कि यदि 4 अगस्त तक समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो संघर्ष के द्वितीय चरण में 5 से 7 अगस्त को जल निगम मुख्यालय में 3 दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे। 7 अगस्त को प्रदेश व्यापी रैली की घोषणा की जाएगी।

सड़क पर बाइकें खड़ी कर जाम लगाए ग्रामीण। अमृत विचार

हादसे में किसान की मौत, जाम की सड़क

संवाददाता, माल

- माल थाना क्षेत्र के बीघापुर गांव में डाले ने मारी बाइक में टक्कर
- एसीपी ने आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन दे खुलवाया जाम

अमृत विचार: माल थाना क्षेत्र के बीघापुर गांव स्थित पेट्रोल पंप के पास बुधवार दोपहर ससुराल से लौट रहे बाइक सवार किसान को बेकाबू डाले ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी चालक डाला लेकर भाग निकला। आक्रोशित परिजन व ग्रामीण ने माल-जेहटा मार्ग जाम कर हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर पहुंचे एसीपी मलिहाबाद ने चालक की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मसीढा हमीर गांव निवासी रामजीवन उर्फ गुड्डू (28) गोपरामऊ स्थित ससुराल गया था। दोपहर में वहां से वापस घर लौट रहा था। रास्ते में बीघापुर गांव स्थित पेट्रोल पंप के पास डाले ने बाइक में टक्टर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रामजीवन छिटक कर दूर जा गिरा। सिर पर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी मिलते ही परिवारवाले मौके पर पहुंचे। नाराज लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। परिजन ने आरोपी चालक की गिरफ्तारी व डाला बरामद करने की मांग की। जानकारी मिलते ही एसीपी मलिहाबाद विनीत सिंह मौके पर पहुंचे और समझा-बुझाकर परिजन को शांत कराया। करीब आधे घंटे चले हंगामे के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिवार में पत्नी सीमा, सात साल की बेटी खुशी व चार साल का बेटा आर्यन हैं।

रोते बिलखते मृतक के परिजन।

पीजीआई

सीबीएमआर के स्थापना दिवस दिवस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दिया संसाधनों के विस्तार का दिया आश्वासन

अत्याधुनिक तकनीक ने जटिल से जटिल सर्जरी कर दी आसान

संवाददाता, पीजीआई

- चार संस्थानों संग हुआ समझौता, शोध और मरीज देखभाल में आएगा नयापन

अमृत विचार : नैनोटेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बायोइंजीनियरिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीक से बायोमेडिकल क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। इलाज की पद्धतियों, बीमारियों की पहचान और जटिल सर्जरी अब कहीं अधिक आसान और सटीक हो गई है। ये बात भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष और आईआईटी कानपुर के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. आशुतोष शर्मा ने बुधवार को कही।

डॉ. आशुतोष संजय गांधी पीजीआई के सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च (सीबीएमआर) के 19वें स्थापना दिवस पर युवा वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवा वैज्ञानिकों से कहा कि पारंपरिक सीमाओं को तोड़ ऐसी शोध प्रवृत्तियां अपनाएं, जो समाज की वास्तविक जरूरतों को हल करें।मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सीबीएमआर को प्रदेश का गर्व बताया। कहा कि यहां के वैज्ञानिक न्यूरोइमेजिंग, बायोमार्कर की पहचान और ट्रांसलेशनल मेडिसिन जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। उन्होंने संस्थान के बुनियादी ढांचे को और मजबूती देने के लिए आवश्यक वैज्ञानिक संसाधन उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। सीबीएमआर के निदेशक प्रो आलोक धवन ने विगत वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संस्थान में मस्तिष्क, हृदय, गुर्दा, लिवर और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों पर गहन शोध कार्य जारी हैं।

ये हुए सम्मानित

उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए संस्थान के डॉ नीरज सिन्हा, डॉ उत्तम कुमार, डॉ आशीष गुप्ता, डॉ भूपेन्द्र तिवारी, डॉ सैय्यद मसूद हसन और डॉ दिनेश कुमार को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मौजूद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और अन्य। अमृत विचार

शोध के लिए चार संस्थानों से एमओयू

शोध की दिशा को और मजबूती देने के लिए सीबीएमआर ने लोहिया संस्थान, एम्स रायबरेली, एमिटी विश्वविद्यालय और केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (दिल्ली) के साथ सहयोग समझौते किए हैं। लोहिया संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने बताया कि सीबीएमआर की अत्याधुनिक अनुसंधान क्षमताओं को उनके संस्थान की क्लीनिकल सेवाओं से जोड़ा जाएगा, जिससे रोगियों को अधिक लाभ मिलेगा। अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विवि के कुलपति डॉ संजीव मिश्रा ने कहा कि नवाचार आने वाले वर्षों में न केवल शोध के क्षेत्र में बल्कि मरीजों की देखभाल में भी क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 24 जुलाई 2025

स्टेट ब्रीफ

डॉ. केएन मोदी विवि को मिली मान्यता

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने गाजियाबाद के मोदीनगर में स्थापित होने वाले डॉ. केएन मोदी विश्वविद्यालय को संचालन की अनुमति दे दी है। मान्यता मिलने के बाद विश्वविद्यालय संचालन शुरू कर सकेगा। इस बाबत उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर विश्वविद्यालय को संचालन प्राधिकार पत्र सौंपा। प्रस्तावित विश्वविद्यालय को उप्र. निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2025 के अंतर्गत अधिनियम, 2019 की अनुसूची-2 में क्रमांक 49 पर शामिल किया गया है। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि डॉ. केएन मोदी विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित समूह द्वारा गाजियाबाद में स्थापित होने वाला यह विश्वविद्यालय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए अवसर प्रदान करेगा।

बैरक टॉवर का योगी आज करेंगे लोकार्पण

अमृत विचार, लखनऊ : 26वीं वाहिनी पीएसी में 11 मंजिला बैरक टॉवर का लोकार्पण गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इसके अलावा पीएसी महिला बटालियन, पीटीएस, एसएसएफ के भवन और पुलिस ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण कार्य अगले साल तक पूरा हो जाएगा। 26वीं वाहिनी पीएसी (प्रोविंशियल आर्म्ड कांस्टेबुलरी) गोरखपुर परिसर में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बहुमंजिला बैरक बनाया गया है। 11 मंजिला बैरक टॉवर बनाने के लिए 11 करोड़ 67 लाख रुपये की लागत स्वीकृत की गई थी। टॉवर के भूमि तल पर डायनिंग हाल, लॉबी किचन, बरामदा, टॉयलेट, दो लिफ्ट, दो स्टेयरकेस का निर्माण कराया गया है। टॉवर के प्रथम तल पर डायनिंग हाल, ओपेन टैरेस, लॉबी, रिक्रिएशन हाल, टॉयलेट, लिफ्ट, स्टेयरकेस निर्मित है।

उर्वरक की मांग को लेकर नड्डा से मिले शाही

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय उर्वरक एवं रसायन मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में किसानों के लिए समय पर और पर्याप्त मात्रा में उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित कराने की मांग की। कृषि मंत्री ने केंद्रीय मंत्री को खरीफ और आगामी रबी फसलों के लिए प्रदेश की उर्वरक आवश्यकताओं से अवगत कराया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सही समय पर उर्वरक की आपूर्ति किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है ताकि कृषि उत्पादन प्रभावित न हो। केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन देते हुए कहा कि केंद्र सरकार उत्तर प्रदेश की उर्वरक संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्कूलों के विलय मामले में आज भी होगी सुनवाई

विधि संवाददाता, लखनऊ

- समय की कमी के चलते अपीलों पर हाईकोर्ट में पूरी नहीं हो पाई बहस

अमृत विचार : बेसिक शिक्षा अधिकारियों के तहत आने वाले स्कूलों के विलय मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में बुधवार को भी बहस हुई। हालांकि समय की कमी के चलते बुधवार को भी बहस पूरी न हो पाने पर मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली व न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ मामले की गुरुवार को भी सुनवाई करेगी। उक्त अपीलों में बच्चों की ओर से उनके अभिभावकों ने विशेष अपीलें दाखिल करते हुए एकल पीठ के सात जुलाई के निर्णय को चुनौती दी है।

उल्लेखनीय है कि 7 जुलाई को एकल पीठ ने स्कूलों का विलय करने के विरुद्ध दाखिल याचिकाओं को खारिज कर दिया था। बुधवार को बहस के दौरान सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता ने दलील दी कि स्कूलों का विलय पूरी कर से सम्बंधित प्रावधानों के तहत किया गया है। यह भी बताया गया कि खाली हुए स्कूल भवनों का उपयोग बाल वाटिका स्कूल के रूप में व आंगनबाड़ी कार्य के लिए किया जाएगा। सरकार की ओर से कुछ अन्य तथ्यों को भी रखने के लिए मंशा जाहिर की गई, जिसके लिए कोर्ट ने मामले की सुनवाई जारी रखने का निर्देश दिया।

पहले मच्छर, माफिया और अव्यवस्था थी गोरखपुर की पहचान : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले गोरखपुर की चर्चा, मच्छर, माफिया, गंदगी, अव्यवस्था और अराजकता को लेकर होती थी। बुनियादी सुविधाओं के अभाव से त्रस्त पूरा शहर जाम में फंसा रहता था। एक बारिश में शहर जलमग्न हो जाता था। आज इन सबसे निजात मिल चुकी है। अब एक नए भारत के लिए नए उत्तर प्रदेश में गोरखपुर भी एक नया गोरखपुर बनकर दिखा है। उन्होंने कहा कि जब एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा खड़ी होती है, तब विकास में आगे बढ़ने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

योगी बुधवार को गोरखपुर नगर निगम परिसर में स्वच्छ सर्वेक्षण में गोरखपुर को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि दिलाने में खास योगदान देने वाले सफाई मित्रों के सम्मान और 253 करोड़ रुपये की 177 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

गोरखपुर में नगर निगम के सफाई दस्ते में शामिल नए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्यमंत्री योगी।

- 253 करोड़ की 177 विकास परियोजनाओं का योगी ने किया लोकार्पण व शिलान्यास
- स्वच्छता में गोरखपुर का मान बढ़ाने वाले सफाई मित्रों और पार्षदों को किया सम्मानित

यूपी के पहले अर्बन फ्लड मैनेजमेंट सेल का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने नगर निगम में बनाए गए प्रदेश के पहले अर्बन फ्लड मैनेजमेंट सेल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने इस सेल का निरीक्षण कर इसके कार्य करने के तरीके के बारे में जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि यह एक तरह से अर्बन फ्लड अर्ली वार्निंग सिस्टम है। इसके तहत शहर के सभी पम्पिंग स्टेशनों के पूर्ण ऑटोमेशन किया गया है। प्राइमरी और सेकेंडरी नालों पर कुल 110 ऑटोमेटिक वाटर लेवल रिकॉर्डर लगाए गए हैं। जब नालों का जल स्तर 80 प्रतिशत से अधिक हो जाता है तो संबंधित अधिकारियों को ऑटोमेटेड अलर्ट भेजी जाती है। ईंधन की कमी और पंप के रखरखाव चेतावनियां भी अधिकारियों को समय रहते भेजी जाती हैं।

लगता है अफसरों ने ले रखी है मुझे बदनाम करने की सुपारी : एके शर्मा

बिजली आपूर्ति की समीक्षा बैठक में बिफरे ऊर्जा मंत्री, बोले- दुखी हो गया हूं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के शीर्ष अफसरों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि लगता है कि अफसरों ने उन्हें बदनाम करने की सुपारी ले रखी है। बोले, 'दुखी हो गया हूं, विभाग के अफसरों का काम पुलिस से भी खराब है। उन्होंने बैठक में कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल समेत सभी वरिष्ठ अधिकारियों को करीब दस मिनट तक खूब खरी-खोटी सुनाई। अफसर सिर झुकाए डांट सुनते रहे। बैठक के बाद समीक्षा बैठक का संबंधित वीडियो वायरल हुआ।

ऊर्जा मंत्री बुधवार को शक्ति भवन में बिजली आपूर्ति की समीक्षा कर रहे थे। पहली बार कड़े तेवर देखकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सकते में आ गये। बिजली आपूर्ति पर विभाग के अफसरों की प्रगति रिपोर्ट सुनने के बाद उन्होंने कहा, 'आप लोग अपनी बकवास बंद करिए। मैं बकवास सुनने को नहीं बैठा हूं। नीचे जमीनी हकीकत एक दम अलग है।' उन्होंने कहा कि जनता को 'फेस' करिए तब मालूम पड़ेगा। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि वह कई जिलों का दौरा कर लौटे हैं। अफसर 'अंधे, बहरे व काने' होकर बैठे हैं। जनता पर क्या बीत रही है और लोग विभाग के बारे में क्या सोच रहे हैं, यह अफसरों को मालूम ही नहीं। उन्होंने कहा कि झूठी रिपोर्ट नीचे से आती है और वरिष्ठ अधिकारी ऊपर तक वही बताते हैं।

बिजली आपूर्ति को लेकर अधिकारियों के साथ लखनऊ में बैठक करते ऊर्ज मंत्री एके शर्मा।

बिजली विभाग कोई 'बनिया' की दुकान नहीं

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिजली विभाग कोई 'बनिया' की दुकान नहीं कि ख़ाली बिल के पैसे वसूलने के लिए काम करे। यह एक जनसेवा है और हमें उस हिसाब से बर्ताव करना पड़ेगा। बकाया होने पर पूरे गांव की लाइन काटने पर फटकारते हुए बोले, उन उपभोक्ताओं की क्या गलती है जो समय से बिल भर रहे हैं। उनका जला हुआ ट्रांसफार्मर नहीं बदलना या उच्चीकरण नहीं करना कौन सा न्याय है। कंप्यूटर के जमाने में एक सामान्य आदमी का 72 करोड़ रुपये का बिल आता है और फिर उसे ठीक करने के लिए पैसा लिया जाता है।

अफसरों के गलत निर्णयों का खामियाजा भुगत रहा प्रदेश

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिजली चोरी रोकने के लिए विजिलेंस के छापे डाले जा रहे हैं। जहां बड़ी चोरी हो रही है वहां नहीं जाते। एफआईआर करने के नाम पर पैसा वसूली हो रही है। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सभी बात लिखी जाएं, मौखिक बोल-बोल कर मैं थक गया हूं। आप लोग बैठक में हमारी बात सुनने के बाद कहीं और से संचालित होकर उल्टा ही करते हैं। उन्होंने कहा कि अब ये सब नहीं चलेगा। जनता के प्रति जवाबदेह हूं। विधानसभा में जवाब देता हूं। अफसरों को किसने अधिकार दिया मनमानी करने का। उन्होंने कहा कि अफसरों के गलत और असामयिक निर्णयों का खामियाजा पूरा प्रदेश भुगत रहा है। बार-बार कहने के बावजूद वरिष्ठ अधिकारी सतर्क नहीं हो रहे हैं। जैसे संविदा कर्मियों को निकालने का विषय, फ़ोन उठाने का विषय, विद्युत दुर्घटनाओं का विषय।

फील्ड में निकलें, नहीं तो होगी कार्रवाई

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिजली आपूर्ति से जुड़े अधिकारी 'फील्ड' में निकलें और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करें। ऐसा न होने पर अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बिजली आपूर्ति की स्थिति, उपभोक्ताओं की शिकायतें, ट्रांसफार्मर की क्षति, ट्रिपिंग व मानसूनजनित व्यवधानों आदि की समीक्षा हुई। उन्होंने बिजली आपूर्ति सेवाओं में सुधार को लेकर सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी गुणवत्तापरक बिजली आपूर्ति के लिए उपभोक्ता सेवा व छवि में सुधार करें। उन्होंने कहा कि लोगों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाय।

पर्यटन विभाग जारी करेगा संशोधित नीति, नियुक्तियां भी होंगी : जयवीर

- निदेशालय में रिक्त पदों पर होगी भर्ती, जिला स्तर पर आउटसोर्सिंग से भरे जाएंगे रिक्त पद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने निर्देश दिए हैं कि अन्य राज्यों की पर्यटन नीति का अध्ययन करते हुए संशोधित पर्यटन नीति पुनः तैयार की जाए। इसके अलावा पर्यटन एवं संस्कृति विभाग में रिक्त पदों को भरने के साथ ही जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद में आउटसोर्सिंग के रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाए। विभाग के अपेक्षित विकास के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों की गतिविधियों की साप्ताहिक समीक्षा वरिष्ठ अधिकारी द्वारा कराई जाए। इसमें किसी प्रकार की कोताही को गंभीरता से लेते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पर्यटन मंत्री बुधवार को गोमती नगर स्थित पर्यटन भवन में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर दो समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए। पर्यटन मंत्री ने पिछली समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों का पूर्णतया अनुपालन न होने पर नाराजगी जताई और असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने संस्कृति निदेशालय के अधीन आने वाले सभी संस्थानों में रिक्त पदों की भर्ती के लिए लोक सेवा आयोग को भेजे गए अधियाचन की स्थिति की समीक्षा की। मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि बौद्ध देशों में रोड शो का प्रस्ताव विदेश मंत्रालय से प्राप्त किया जाए।

प्रदेश में पर्यटकों की संख्या बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में टूरिज्म सेक्टर ने न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाने में छलांग लगायी है, बल्कि इससे राजस्व भी बढ़ा है। प्रयागराज महाकुंभ में 66.30 करोड़ पर्यटकों की संख्या के इतर प्रदेश में आने वाले पर्यटकों, खासकर घरेलू पर्यटकों की संख्या में खासी वृद्धि हुई है। अनुमान है वर्ष 2028 तक पर्यटकों की संख्या बढ़कर 80 करोड़ तक पहुंच सकती है। यह जानकारी पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह से बुधवार को दी है। उन्होंने बताया कि साल 2023 में उप्र. आने वाले पर्यटकों की संख्या करीब 48 करोड़ थी। इसमें से 28.790 करोड़ पर्यटक तो सिर्फ अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, और प्रयागराज आए थे। वर्ष 2025 में आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़कर 41.56 करोड़ हो गई। पर्यटन के लिहाज से वाराणसी, अयोध्या, मथुरा, प्रयागराज, नैमिष, गोरखपुर, मीरजापुर स्थित विंध्यधाम नए केंद्र बनकर उभरे हैं। केंद्र सरकार ने देश के जिन 100 शहरों को संभावना वाले शहरों में शामिल किया है, उनमें उप्र. के चार शहर काशी, अयोध्या, कानपुर और लखनऊ हैं।

निजीकरण के मुद्दे पर पावर कॉरपोरेशन सीएजी को जल्द भेजेगा रिपोर्ट

अमृत विचार, लखनऊ : ऊर्जा निगमों के निजीकरण के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) को जल्द रिपोर्ट भेजेगा। उपभोक्ता परिषद ने आरोप लगाते हुए कहा कि निजीकरण के नियुक्त सलाहकार कंपनी निजी घरानों को एक हजार करोड़ का लाभ देने की तैयारी कर रही थी। सीएजी की ओर से निजीकरण का मसौदा से संबंधित पत्रावली तलब किये जाने के बाद कॉरपोरेशन के अधिकारी उसका जवाब भेजने की तैयारी में लगे हैं। अधिकारी विधिक जवाब देने के लिए मंथन कर रहे हैं। इस बीच, उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि सलाहकार कंपनी ग्रांट थॉर्नटन ने पूर्वांचल व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के लिए प्रस्तावित पांच नई बिजली कंपनियों की बैलेंस शीट तैयार की थी, इसके अध्ययन में निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने की बात सामने आई है।

वहीं विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उप्र. के आह्वान पर बुधवार को बिजली कर्मियों ने प्रदेश के सभी जिलों व परियोजनाओं पर निजीकरण व उत्पीड़न के विरोध में प्रदर्शन किया। संघर्ष समिति ने यह आरोप दोहराया है कि निजीकरण के पीछे बड़ा घोटाला हो रहा है और झूठे आंकड़े देकर निजीकरण करने की कोशिश हो रही है।

232 सीएससी के लिए बनेंगे अतिरिक्त कक्ष

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 21 जिलों की ग्राम पंचायतों के लिए काफी समय बाद मिला बजट

अमृत विचार : 21 जिलों की 232 ग्राम पंचायतों पर संचालित जनसेवा केंद्रों (सीएससी) के लिए अतिरिक्त कक्ष बनाये जाएंगे। काफी समय से लम्बित प्रक्रिया के लिए पंचायती राज निदेशालय ने बजट आवंटित कर दिया है और सम्बंधित जिला पंचायत राज अधिकारियों को एक सप्ताह में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। इससे ग्रामीणों को पहले से बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

सभी ग्राम पंचायतों के पंचायत भवनों पर जनसेवा केंद्र संचालित किए गए हैं। जहां ग्रामीण ऑनलाइन आवेदन, नकल व योजनाओं सम्बंधित कामकाज कराते हैं। करीब 1500 पंचायत भवनों पर संचालित जनसेवा केंद्रों के कक्ष छोटे हैं। इनके विस्तार के लिए परिसर में एक अतिरिक्त बनाया जाना है। इन सभी केंद्रों की मैपिंग कर ली गई है। इसमें पहले चरण में 21 जिले आगरा, अलीगढ़, अमेठी, अयोध्या, बहराइच, बरेली, भदोही, बदायूं, फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, हाथरस, जौनपुर, कानपुर देहात, कासगंज, लखीमपुर खीरी, लखनऊ, मैनपुरी, मुरादाबाद, सुलतानपुर व वाराणसी की 232 ग्राम पंचायतों के पंचायत भवनों में अतिरिक्त कक्ष बनेंगे। एक कक्ष की लागत 5 लाख रुपये है। पहली किस्त में 50 फीसद धनराशि आवंटित की गई है।

सपा को भारतीय संस्कृति से जुड़े समाज की चिंता नहीं : भूपेंद्र चौधरी

अमृत विचार, लखनऊ : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा भाजपा का हथियार ही धर्म है, कहे जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बुधवार को जारी एक बयान में भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि अच्छा होता कि अखिलेश यादव धर्म की वास्तविक परिभाषा पढ़ लेते। उन्होंने कहा कि धर्म में राष्ट्रधर्म भी आता है, धर्म में सामाजिक धर्म भी आता है, धर्म में नैतिकता भी आती है। लेकिन धर्म में मिथ्या वाचन और मिथ्या कथन और मिथ्या आचरण मना है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के मुताबिक, समाजवादी पार्टी को उस समाज की चिंता नहीं है, जो समाज भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय भावना से जुड़ा है।

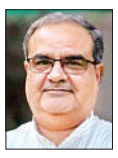

परिवहन सुरक्षा समिति गठित करें विद्यालय

- राज्य सरकार स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर सख्त
- स्कूली वाहनों को लेकर डीएम कमिश्नर, प्राचार्यों को निर्देश
- सभी आरटीओ-एआरटीओ प्रति माह वाहनों की करेंगे समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर और सख्ती बरतने की तैयारी में है। शासन ने विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति तुरंत गठित करने का निर्देश दिए हैं। इस संबध में स्कूल वाहनों के संचालन को लेकर डीएम, कमिश्नर, प्राचार्यों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इस क्रम में सभी आरटीओ-एआरटीओ प्रतिमाह स्कूली वाहनों की समीक्षा भी करेंगे।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सभी संबंधित अधिकारी, विद्यालय प्रबंधन एवं वाहन संचालक तत्काल इस पर कार्रवाई करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई होगी।

– ब्रजेश नारायण सिंह, परिवहन आयुक्त

दरअसल, परिवहन विभाग द्वारा 1 से 15 जुलाई तक पूरे प्रदेश में स्कूली वाहनों (स्कूल बस, वैन आदि) का विशेष जांच अभियान चलाया गया। पहली से 15 जुलाई तक चले अभियान में प्रदेश में कुल पंजीकृत 67,613 स्कूली वाहनों में से 46,748 वाहनों (69 प्रतिशत) की गहन जांच की गई। इसमें कुल 4,089 (8.75 प्रतिशत) वाहन सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करते पाए गए। 1,768 वाहन ऐसे पाए गए, जिनकी फिटनेस अवधि समाप्त थी, फिर भी नियमित संचालित थे। इन गंभीर उल्लंघनों के कारण 4,438 वाहनों का चालान, 913 वाहन सीज तथा 88.52 लाख रुपये की प्रशमन शुल्क वसूली की गई।

स्कूल वैन को लेकर नौ जिले ज्यादा लापरवाह

अभियान के परिणामों की जिला स्तरीय समीक्षा के अनुसार कुछ जिलों ने प्रभावी कार्रवाई की, जिनमें प्रमुख रूप से प्रयागराज, फर्रुखाबाद, लखनऊ, कानपुर नगर आदि हैं। मऊ, महराजगंज, देवरिया, हापुड़, सिद्धार्थनगर समेत नौ जिलों में वाहनों की जांच एवं प्रवर्तन की स्थिति कमजोर मिली।

परिवहन आयुक्त ने कमिश्नर व डीएम को भेजा पत्र

परिवहन आयुक्त द्वारा प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों, मंडलायुक्तों (क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में), क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों (आरटीओ/एआरटीओ) एवं विद्यालय प्रबंधकों व प्रधानाचार्यों को वाहन संचालन के संबंध में पत्र जारी किए हैं। परिवहन आयुक्त ने सभी संभागीय परिवहन प्राधिकरण के अध्यक्ष को निर्देश दिए हैं कि बिना परमिट चल रहे निजी वाहनों को तत्काल प्रभाव से सीज करें।

ई-चालान को प्रभावी बनाने पर मंथन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के शहरों में यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग की ओर से संयुक्त हेलमेट एवं सीट-बेल्ट जांच अभियान जल्द शुरू किया जाए, जिससे सड़क सुरक्षा के कार्यों को नई गति मिल सके। ई-चालान वसूली को प्रभावी बनाया जाए। कैमरा आधारित ई-चालान में चालानकर्ता का प्रत्यक्ष पता न होने की स्थिति में वाहन स्वामी को ही प्राथमिक उत्तरदायी माना जाएगा। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बुधवार को संयुक्त बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े कई अहम पहलुओं पर निर्णय लिया गया। इसकी अध्यक्षता परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह एवं अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात के. नारायण द्वारा की गई।

कवायद | पहले चरण में अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर और गोंडा से होगी शुरुआत

2.5 लाख घरों में बायोगैस यूनिट लगाएगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कुल 2,250 यूनिटें लगाने को मिली स्वीकृति, 39,300 रुपये प्रत्येक यूनिट की लागत
- यूनिट स्थापित करने के लिए किसान देगा सिर्फ 3,990 रुपये बाकी वहन करेगी सरकार

अमृत विचार : प्रदेश में ग्राम-ऊर्जा मॉडल के तहत गांवों में घरेलू बायोगैस यूनिटों की स्थापना शुरू की जा रही है। इससे न सिर्फ ग्रामीणों की रसोई का खर्च घटेगा, बल्कि जैविक खाद उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। इस योजना से किसानों और ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

योजना के पहले चरण को लागू करने के लिए अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर और गोंडा जिलों का चयन किया गया है। इन चारों जिलों में कुल 2,250 घरेलू बायोगैस यूनिटें स्थापित की जाएंगी। यह एक पायलट प्रोजेक्ट है और इन जिलों में सफलता के बाद अगले चार वर्षों में इसे लगभग 2.5 लाख घरों तक विस्तारित करने की योजना है। प्रत्येक बायोगैस संयंत्र की कुल लागत 39,300 रुपये है। प्रक्रिया के अंतर्गत बायोगैस यूनिट की स्थापना के लिए किसानों को केवल 3,990 रुपये ही अंशदान देना होगा। शेष राशि सरकार की सहायता और कार्बन क्रेडिट मॉडल के माध्यम से पूरी की जाएगी। इस योजना को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से औपचारिक स्वीकृति भी मिल चुकी है।

एलपीजी की खपत में 70 प्रतिशत तक आएगी कमी

उप्र. गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता के अनुसार, यह पहल ग्रामीणों के जीवन को आसान बनाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। इस योजना के जरिए ग्रामीण रसोईघरों में एलपीजी की खपत में करीब 70 फीसदी तक कमी आएगी, जिससे घरेलू खर्च में भी भारी बचत होगी।

घरेलू बायोगैस यूनिटें न केवल खाना पकाने के लिए गैस प्रदान करेंगी, बल्कि उनसे निकलने वाली स्लरी से जैविक, प्राकृतिक खाद भी तैयार होगी। यह खाद खेती के लिए बेहद उपयोगी होगी और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटेगी। इसके अतिरिक्त यह गैस वाहनों के ईंधन के रूप में भी उपयोग में लायी जा सकेगी।

– डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, ओएसडी, गो सेवा आयोग

यूपी में निवेश को विदेशों में रोड शो की रणनीति

सितंबर-अक्टूबर में जापान, कोरिया, कनाडा, सिंगापुर समेत कई देशों में होंगे रोड शो

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में निवेश आकर्षित करने को लेकर राज्य सरकार ने अब न्यू आउटरीच प्लान पर फोकस किया है। इसको अमल में लाने के लिए प्रदेश में निवेश की नोडल एजेंसी इन्वेस्ट यूपी ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर रोड शो की रणनीति बनाई है। इसके तहत, चीन 1 रणनीति के तहत आयोजित होने वाले रोड शो के अतिरिक्त सितंबर-अक्टूबर 2025 में सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया, यूएई, कतर और कनाडा में भी अंतरराष्ट्रीय रोड शो का आयोजन किया जाएगा।

5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश का लक्ष्य

नए निवेशकों के आउटरीच प्रोग्राम से पहले सरकार इसी वर्ष नवंबर में पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी-5) का आयोजन करने जा रही है। इसमें 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार का मानना है कि जैसे-जैसे जीबीसी-5 का समय नजदीक आएगा, यह आंकड़ा 10 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है। अब तक प्रदेश में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से 12 लाख 10 हजार 274 करोड़ रुपये की 16 हजार 478 परियोजनाएं शामिल हुई हैं, जिनमें से चार लाख 33 हजार 528 करोड़ की 8 हजार 363 परियोजनाओं का वाणिज्यिक संचालन शुरू हो गया है। वहीं सात लाख 76 हजार 746 करोड़ रुपये की 8 हजार 115 परियोजनाएं जल्द संचालन पूरा करना शुरू कर देंगी।

इन रोड शो का मुख्य उद्देश्य आगामी फरवरी 2026 में होने वाले यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) के लिए नए निवेश प्रस्तावों को आकर्षित करना है। इसके लिए दिसंबर से जनवरी 2026 की शुरुआत तक देश के अलग-अलग शहरों में में भी राष्ट्रीय स्तर पर रोडशो किए जाएंगे, ताकि घरेलू निवेशकों को भी जोड़कर समिट को नई ऊंचाई दी जा सके।

आउटरीच प्लान के माध्यम से निवेशकों के साथ प्रत्यक्ष संवाद, नई नीतियों का प्रोत्साहन और अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय भागीदारी के ज़रिए उत्तर प्रदेश को निवेश का ग्लोबल डेस्टिनेशन बनाने की तैयारी है। न्यू आउटरीच प्लान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सरकार हर 15 दिन में एक घंटे की निवेशक राउंड टेबल बैठक कर रही है। साप्ताहिक आधार पर भी बैठकें की जा रही हैं, ताकि निवेशकों के फीडबैक के आधार पर रणनीति को अपडेट किया जा सके।

सिटी ब्रीफ

किशोर की जयंती पर सजेगी सुरों की महफ़िल

अमृत विचार, लखनऊ : प्रख्यात पार्श्व गायक किशोर कुमार की 96वीं जयंती पर 4 अगस्त को सांस्कृतिक संस्था रंगभारती रवीन्द्रालय में एक शाम किशोर कुमार के नाम सजाएगी। शाम 7 बजे से होने वाले इस आयोजन में सप्तरंग आर्केस्ट्रा किशोर कुमार के अमर गीतों को प्रस्तुत करेगा। रंगभारती के अध्यक्ष श्याम कुमार ने बताया कि किशोर कुमार की याद में हो रहे इस आयोजन में रफीक बावरा रंगभारती सम्मान से हास्य कलाकार रवि सारस्वत को सम्मानित किया जाएगा।

द मानसून कार्निवाल में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

अमृत विचार, लखनऊ : गौतम बुद्ध पार्क में प्रगति इवेंट और लखनऊ विकास प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित द मानसून कार्निवाल में पारंपरिक खेल जैसे गिल्ली डंडा, कंचा, कबड्डी, खो-खो को कलाकृतियों के माध्यम से पुनर्जीवित करने का प्रयास किया गया है। प्रगति इवेंट यूं भी पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाली संस्था है।

सावन गीतों की फुहार से भीगा कजरी दंगल

हरे रंग के परिधानों में महिलाओं ने गाया बुंदेली सावनी, चौमासा, राछरा, शैल व दीपशिखा को मिला सावनी सलोनी खिताब

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: गोमती नगर स्थित पारुल्स ग्रामोफोन में पारंपरिक ढंग से सावन मनाया गया। महिलाएं हरे रंग के परिधानों में कार्यक्रम में शामिल हुईं। सावनी सलोनी के नाम से सजी इस यादगार शाम में महिलाओं ने कजरी, चौमासा के साथ बुंदेली सावनी और राछरा भी गाया। शैल अग्रवाल और दीपशिखा को सावनी सलोनी का खिताब दिया गया। कजरी की कार्यशाला में आधुनिक युग में अपनी परंपरा से जुड़ना जरूरी बताया गया।

अरे रामा रिमझिम बरसे पनिया, बरसन लागी बदरिया, प्यारी लगे झूला की बांकी बहार, गर्जत सावन आयो, नई झूलनी की छाया बलम इत्यादि कई गीत गाए और सिखाए गए। गीत संगीत के बीच यहां कजरी दंगल का भी आयोजन हुआ। एक भी गीत-संगीत की रिकॉर्डिंग नहीं बजी। सब कुछ लाइव ही गाया और बजाया गया। हारमोनियम पर अंजू श्रीवास्तव, तबले पर सुजीत और ढोलक पर शत्रुघ्न यादव संगत कर रहे थे। इस महफ़िल को बनारस घराने की दीपशिखा चंद्र, निवेदिता, नंदना, स्वाति, अमिता, कमला, श्रृंखला, आभा, पल्लवी, रूमा, नीलम, निशि, पारुल ने परवान चढ़ाया। अल्मोड़ा की ऋतु वर्मा ने संचालन किया तो उत्तराखंड के सावन गीत की झलक भी ऋतु ने प्रस्तुत की।

सावनी सलोनी कार्यक्रम में पुरस्कार के लिए उन्हें चुना गया जिन्होंने साड़ी या लहंगे के साथ कोई और ब्लाउज या दुपट्टा पहना। पुरस्कार उसे भी मिला जो सबसे दूर से आया और जिसने किसी का गिफ्ट किया हुआ कपड़ा पहना। या कोई कजरी से संबंधित मुश्किल सवालों का जवाब दिया। जैसे कजरी में पद्मश्री किसको मिला, कजरी किन भाषाओं में गाई जाती है इत्यादि। पारुल शर्मा ने बताया की यहां कोई भी प्रतिस्पर्धा कला के आधार पर और बाहरी सुंदरता, कपड़ों इत्यादि को लेकर कभी नहीं हुई होगी। सिलबट्टे पर पीसी गई मेहंदी लगाई गई, पैरों में आलता और सभी पारम्परिक साज सामान से यह शाम सजाई गई। प्रतिभागियों को पारंपरिक स्वाद जैसे फरे, कचौरी, सब्जी, रायता और गुलगुले पत्तल में परोस कर दिये गए। सबको लड्डू और सुहाग का सामान देकर विदा किया गया।

गोमती नगर स्थित पारुल्स ग्रामोफोन में आयोजित कजरी दंगल में शामिल महिलाएं। अमृत विचार

कांवड़ियों ने किया बुद्धेश्वर महादेव का अभिषेक

सावन के दूसरे बुधवार को शिवालय में उमड़ी भक्तों की भीड़, सुरक्षा के रहे इंतजाम

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार: सावन के दूसरे सोमवार को बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में भक्तो की भीड़ उमड़ी। अन्य भक्तों के अलावा कांवड़ियों ने महादेव को जलाभिषेक किया।

बुद्धेश्वर मंदिर में पुलिस प्रशासन की व्यवस्था ने कांवड़ियों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की है। उनकी सुरक्षा और सुविधा का ध्यान रख रहे हैं। बुद्धेश्वर मंदिर के आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

मंदिर के महंत लीलापुरी ने बताया कि मान्यता है कि भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से उनके जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आएगी। कांवर यात्रा के दौरान कांवड़िये अपने आराध्य देव को प्रसन्न करने के लिए विभिन्न प्रकार की पूजा-अर्चना करते हैं। कांवड़ियों के लिए भोजन, पानी के साथ चिकित्सा की व्यवस्था भी की गई है। महंत ने बताया कांवर यात्रा का समापन रक्षाबंधन के अवसर पर होगा। इसके बाद कांवड़िये घरों को लौट जाएंगे। कांवर यात्रा के दौरान कांवड़ियों की भावनाएं और उनकी भक्ति का दृश्य देखने लायक होता है।

बुद्धेश्वर महादेव का जलाभिषेक करने जाते कांवड़िये। अमृत विचार

बुद्धेश्वर महादेव का जलाभिषेक करते भक्त। अमृत विचार

हरियाली अमावस्या आज

अमृत विचार, लखनऊ : श्रावण मास में आने वाली अमावस्या को श्रावणी अमावस्या कहा जाता है, इसे हरियाली अमावस्या भी कहते हैं। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि हरियाली अमावस्या पर हर्षण योग समेत कई मंगलकारी संयोग बन रहे हैं। इनमें गुरु पुष्य योग, अमृत सिद्धि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और शिव वास योग प्रमुख हैं। इन योग में महादेव और मां पार्वती की पूजा करने से साधक की हर एक मनोकामना पूरी होगी। साथ ही सभी प्रकार के दुखों से मुक्ति मिलेगी। हरियाली अमावस्या पर पीपल, बरगद, केला, तुलसी आदि का पौधारोपण करना शुभ माना जाता है। इन वृक्षों में देवताओं का वास माना जाता है।

महिलाओं ने निकाली कांवड़ शोभायात्रा यात्रा

अमृत विचार, लखनऊ : विश्व मांगल्य सभा ने बुधवार को मनकामेश्वर मंदिर से महिलाओं ने कांवड़ यात्रा निकाली। शाम करीब 4 बजे 500 महिला कांवड़ियों के साथ शुरू हुई यात्रा में हनुमान सेतु पहुंचते-पहुंचते कांवड़ियों की संख्या हजार को पार हो गई। संयोजक प्रियंका शुक्ला ने बताया कि राम दरबार, स्वामी विवेकानन्द, अहिल्याबाई होल्कर और गार्गी की झांकियां भी शामिल रहीं। खाटू श्याम मंदिर स्थित शिवलिंग पर जलाभिषेक के साथ यात्रा का समापन हुआ। शोभायात्रा में मनकामेश्वर मन्दिर की महंत देव्या गिरि, प्रख्यात लोक गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी, हिन्दी संस्थान की पूर्व प्रधान संपादक पद्मश्री डॉ. विद्या बिंदु सिंह और पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया भी शामिल हुईं।

विश्व मांगल्य सभा की ओर से निकाली गई कांवड़ यात्रा में शामिल महंत देव्या गिरि और अन्य महिलाएं।

इनर व्हील क्लब ऑफ लखनऊ की अध्यक्ष बनीं शिखा राज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : इनर व्हील क्लब ऑफ लखनऊ 312 का इंस्टॉलेशन समारोह बुधवार को निराला नगर स्थित निजी होटल में हुआ। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन प्रिया नारायण ने क्लब की नई कार्यकारिणी का गठन कर नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को क्लिप पहनाकर पदभार सौंपा।

नई कार्यकारिणी में शिखा राज को अध्यक्ष और कविता अग्रवाल को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। इसके साथ ही पल्लवी अग्रवाल सचिव, शिल्पा अग्रवाल कोषाध्यक्ष, मनीषा चोला आईएसओ और ऑडिटर के पद पर रोली बंसल निर्वाचित हुईं। इस मौके पर डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी शिखा भार्गव, पीडीसी अलका, वर्षा, जोनल हेड रीता सिंह, डीआईएसओ मधु सहित क्लब की अन्य शाखाओं के अध्यक्ष व सदस्य मौजूद रहीं।

इनर व्हील क्लब ऑफ लखनऊ की नव निर्वाचित पदाधिकारी। अमृत विचार

नाटक हमारे आजाद में दिखा आजादी का जज्बा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: अमर क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद की 119वीं जयंती पर संस्कृति निदेशालय की ओर से बुधवार को अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में लोक नाट्य हमारे आजाद का मंचन किया गया। नाटक से पहले सीमा ने पंडित राम प्रसाद बिस्मिल का लिखा गीत हमें जानो दिल से प्यारा वतन है प्रस्तुत किया।

इस नाटक में चन्द्रशेखर आजाद का वो रूप उभरकर सामने आया जिसमें वह ब्रिटिश सरकार के अमानवीय व्यवहार से रुष्ट होकर बहुत कम उम्र में ही क्रांतिकारी बनने की राह पर चल पड़े। वह इतने वीर थे कि ब्रिटिश हुकूमत भी उनका लोहा मानती थी। चन्द्रशेखर आजाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे सेनानी थे जिन्होंने यह प्रण लिया था कि वह जीते जी ब्रिटिश हुकूमत के सामने नहीं झुकेंगे। उन्होंने हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन संगठन का गठन 1928 में किया। इस लोकनाट्य के माध्यम से आज की युवा पीढ़ी को क्रांतिकारी आजाद के उस योगदान की याद दिलाने की कोशिश की गई जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। नाटक में सुअंश सक्सेना, योगेंद्र पाल, हेमंत शुक्ला, दिनेश, विपिन, स्वाति, पीहू, अंशिका, निहारिका अवि पांडेय और अम्बुज अग्रवाल ने मुख्य भूमिकाएं निभाईं।

व्यापारी संगठन

आदर्श व्यापार मंडल की नवगठित टीम को दिलाई गई शपथ

व्यापारी न गलत करें और न गलत बर्दाश्त करें : संजय गुप्ता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: नाका बाजार स्थित एक होटल में बुधवार को क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन और आदर्श व्यापार मण्डल गणेशगंज -नाका बाजार की नवगठित इकाई का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने व्यापारी न गलत करें और न ही गलत बर्दाश्त करें।

संगठन व्यापारियों के मान-सम्मान के लिए हमेशा साथ है। वर्तमान माहौल में व्यापारी परिवार से एक सदस्य को राजनीति में अवश्य भेजें। प्रदेश अध्यक्ष ने अध्यक्ष तस्लीम कुरैशी, महामंत्री यश सिंह समेत नवगठित टीम को शपथ दिलाई।

सम्मेलन में बिना कनेक्शन के जलकर के बिल भेजने, कॉमर्शियल हाउस टैक्स के बढ़े बिल, गुड्स एंड सर्विस टैक्स विभाग की ओर से गलत तरीके से नोटिस भेज कर व्यापारियों के उत्पीड़न, विद्युत विभाग की ओर से ट्रांसफॉर्मर के मेंटीनेंस संबंधी नोटिस, स्वास्थ्य बीमा ,अस्थायी अतिक्रमण, पब्लिक टॉयलेट, स्ट्रीट लाइट, शस्त्र लाइसेंस, स्वास्थ्य बीमा, रिटेल ट्रेड पालिसी एवं ई कॉमर्स पॉलिसी, एलडीएलटी योजना शुरू करने को भी व्यापारियों ने उठाया।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी, प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल, नगर अध्यक्ष हजिंदर सिंह, नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमिताभ श्रीवास्तव, नगर उपाध्यक्ष कमल अग्रवाल, मनोज अग्रवाल के अलावा गणेशगंज ,नाका बाजार, अमीनाबाद रोड के व्यापारी शामिल रहे।

नाका बाजार स्थित एक होटल में आयोजित समारोह में आदर्श व्यापार मंडल की नवगठित टीम को शपथ दिलाते संजय गुप्ता।

भारतीय मजदूर संघ ने मनाया स्थापना दिवस

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय मजदूर संघ के 70वें स्थापना दिवस पर नई दिल्ली में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि संघ चालक मोहन भागवत रहे। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण उत्तर रेलवे कर्मचारी यूनियन के तत्वाधान में उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ कार्यालय चारबाग में दिखाया गया। चारबाग आयोजित कार्यक्रम में जिला मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह, जिलाध्यक्ष मिथिलेश शुक्ला, रेलवे से केन्द्रीय सहायक मंत्री हरेन्द्र सिंह भदौरिया, को. उपाध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, बलबीर सिंह, रंजीत सिंह, संतोष भट्ट, रवि कुमार, अखिलेश द्विवेदी, हरिशरण मिश्रा, एसएन यादव, राकेश बाला, आशीष कुमार, विजय सिंह और विशेष अतिथि भारतीय मजदूर संघ के राकेश कुमार सिंह उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे अधिसूचना संख्या-120/2025

रेल यात्री बन्धुओं के लिए आवश्यक सूचना

इस कार्यालय द्वारा जारी सूचना सं0 119/2025 दिनांक 17.07.2025 के क्रम में सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों को सुविधा प्रदान करने हेतु गाड़ी संख्या 15567/15568 बापूधाम मोतिहारी-आनन्द विहार (ट.)-बापूधाम मोतिहारी अमृत भारत द्वि साप्ताहिक एक्सप्रेस का नियमित संचलन बापूधाम मोतिहारी से दिनांक 29.07.2025 एवं आनन्द विहार (ट.) से दिनांक 30.07.2025 को निम्नानुसार किया जायेगा।

गाड़ी सं. 15567/15568 बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार (ट)-बापूधाम मोतिहारी द्वि-साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस

(1) गाड़ी संख्या 15567 बापूधाम मोतिहारी से - मंगलवार, शुक्रवार को दिनांक 29.07.25 से प्रभावी, (2) गाड़ी संख्या 15568 आनन्द विहार (ट.) से - बुधवार, शनिवार को दिनांक 30.07.25 से प्रभावी।

गाड़ी संख्या 15567 बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार (ट)			गाड़ी संख्या 15568 आनंद विहार (ट)-बापूधाम मोतिहारी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	08:00	बापूधाम मोतिहारी	10:40	--
08:18	08:20	सगौली जं.	09:40	09:42
08:38	08:40	बेतिया	09:13	09:15
08:53	08:55	चनपटिया	08:11	08:13
09:30	09:35	नरकटियागंज जं.	07:45	07:50
09:50	09:52	हरिनगर	07:24	07:26
10:20	10:22	बगहा	07:00	07:02
12:06	12:08	सिसवा बाजार	04:25	04:27
12:40	12:45	कप्तानगंज जं.	04:55	05:00
14:50	15:00	गोरखपुर जं.	04:00	04:10
15:57	16:00	बस्ती	02:17	02:20
16:54	16:56	मनकापुर जं.	01:05	01:07
17:35	17:40	गोंडा जं.	00:37	00:42
21:00	21:10	लखनऊ	22:20	22:30
01:10	01:12	बरेली जं.	18:17	18:19
02:55	03:05	मुरादाबाद	16:50	17:00
05:18	05:20	गाजियाबाद जं.	14:33	14:35
06:10	--	आनंद विहार (ट)	-	14:00

रेक संरचना–एसएलआरडीपीपी-02, सामान्य द्वितीय श्रेणी-11, शयनयान-08, पेन्ट्रीकार-01,=22 कोच

मुजाधि/टी-32 मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

''ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें''

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु **सिंगल पैकेट पद्धति** से ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **18.08.2025** को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुवल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा फार्म का मूल्य जमा नही करना है तथा निविदाकर्ता को धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि द्वारा करेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद एवं एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नही किये जायेंगे।

निविदा सूचना संख्या		08702025 दिनांक 22.07.2025
कार्य का नाम	1.	वरि0 मण्डल इंजीनियर – तृतीय/उ0रे0/लख0 के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियंता/वाराणसी के अधीन वरि0 खण्ड अभियंता/पी0वे0/वाराणसी–पश्चिम के अधीन विभिन्न प्रकार के ट्रैक रखाव का कार्य।
	2.	वरि0 मण्डल इंजीनियर – तृतीय/उ0रे0/लख0 के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियंता/वाराणसी के अधीन वरि0 खण्ड अभियंता/पी0वे0/वाराणसी–पूर्व के अधीन विभिन्न प्रकार के ट्रैक रखाव का कार्य।
	3.	वरि0 मण्डल इंजीनियर – तृतीय/उ0रे0/लख0 के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियंता/जौनपुर के अधीन वरि0 खण्ड अभियंता/पी0वे0/शाहगंज के अधीन विभिन्न प्रकार के ट्रैक रखाव का कार्य।
	4.	वरि0 मण्डल इंजीनियर – तृतीय/उ0रे0/लख0 के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियंता/जौनपुर के अधीन वरि0 खण्ड अभियंता/पी0वे0/जौनपुर के अधीन विभिन्न प्रकार के ट्रैक रखाव का कार्य।
	5.	वरि0 मण्डल इंजीनियर – तृतीय/उ0रे0/लख0 के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियंता/जौनपुर के अधीन वरि0 खण्ड अभियंता/कार्य/जौनपुर के खण्ड में स्टेशन भवन तथा अन्य कार्य भवन की वार्षिक मरम्मत, सफेदी तथा रंगाई पुताई का कार्य।
	6.	वरि0 मण्डल इंजीनियर – तृतीय/उ0रे0/लख0 के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियंता/जौनपुर के अधीन वरि0 खण्ड अभियंता/कार्य/जौनपुर के खण्ड में बाबतपुर–जफराबाद–अकबरपुर–टांडा खण्ड में समपार फाटक तथा कालोनियों की सड़क कर मरम्मत तथा रखरखाव एवं कालोनियों की पाइप लाइन एवं अन्य भवनों की वार्षिक मरम्मत तथा रखरखाव का कार्य।
	7.	वरि0 मण्डल इंजीनियर – तृतीय/उ0रे0/लख0 के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियंता/जौनपुर के वरि0 खण्ड अभियंता/कार्य/जौनपुर के खण्ड में बाबतपुर–जफराबाद–अकबरपुर–टांडा खण्ड में वार्षिक मरम्मत सफेदी तथा रंगाई पुताई का कार्य।
	8.	वरि0 मण्डल इंजीनियर – तृतीय/उ0रे0/लख0 के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियंता/जौनपुर के वरि0 खण्ड अभियंता/कार्य/जौनपुर के खण्ड में पुलों की वार्षिक मरम्मत तथा रखरखाव का कार्य।
अनुमानित लागत		1. रू.1,99,99,723.01 2. रू.1,99,99,862.79 3. रू.1,24,99,880.15 4. रू.1,24,99,880.15 5. रु. 99,99,991.13 6. रू.99,99,545.46 7. रू.1,49,99,753.29 8. रू.49,99,657.02
धरोहर राशि		1. रू.2,50,000.00 2. रू.2,50,000.00 3. रू.2,12,500.00 4. रू.2,12,500.00 5. रु. 2,00,000.00 6. रू.2,00,000.00 7. रू.2,25,000.00 8. रू.1,00,000.00
कार्य की समापन अवधि	क्रम सं0 01 से 08 के लिए	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से बारह (12) माह।
निविदा डालने का प्रारंभ	क्रम सं0 01 से 08 के लिए	04.08.2025
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	क्रम सं0 01 से 08 के लिए	18.08.2025 15:00 बजे
वेबसाईट		www.ireps.gov.in

नोट :

1. तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्तावों के खुलने के बाद अतिरिक्त दस्तावेज की प्रस्तुति एवं उससे संबंधित निविदा उपरान्त किसी प्रकार के पत्राचार स्वीकार नही किये जायेंगे। निविदादाता के निविदा उपरान्त पत्रो को भी शून्य एवं प्रभावहीन माना जायेगा।

(प्रधान कार्यालय उ.रे. नयी दिल्ली का पत्र सं. 74-W/O/Pt.XXV/WA/Loose Dated : 07.04.2015

2219/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय नगर पंचायत सलोन जनपद–रायबरेली

पत्रांक : 512 /अधि0अधि0न0प0स0/ ई–टेण्डर / 2025–26 दिनांक– 22 जुलाई, 2025

अतिअल्पकालीन ई–निविदा सूचना (तृतीय आमंत्रण)

एतद्द्वारा ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2023–2024 व 2024–25 में 15वें वित्त आयोग की बुनियादी व निर्दिष्ट अनुदान (प्रथम व द्वितीय किस्त) व अवस्थापना विकास निधि के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत सलोन में निम्नांकित निर्माण कार्यो हेतु में यू0पी0 इलेक्ट्रॉनिक्स कार्पोरेशन लिमिटेड में रजिस्टर्ड बिल्डर्स/ कान्ट्रैक्टर्स/बेन्डर्स से दिनांक –23.07.2025 से 30.07.2025 सांय 05:00 बजे तक ई–निविदाएं आमन्त्रित की जाती है, जिसकी समस्त कार्यवाही www.etender.up.nic.in पर ही की जायेगी। दिनांक–31.07.2025 को अपरान्ह 11.00 बजे निविदाएं कार्यालय नगर पंचायत सलोन में खोली जायेगी। टेण्डर स्वीकृत/ अस्वीकृत करने का अधिकार बिना कारण बताये सक्षम अधिकारी में निहित होगा। शासन के निर्देशानुरूप जी.एस.टी. भी मान्य होगी। ई–निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

टेण्डर शेड्यूल (WWW.etender.up.nic.in पर)

क्र0	नगर पंचायत	ठेकेदार	प्रारम्भ तिथि व समय	अन्तिम तिथि व समय
01	Tender Release		23.07.2025	-
02	–	Tender Download	24.07.2025 10:00 am	30.07.2025 05:00 pm
03	–	Bid Submission	24.07.2025 10:00 am	30.07.2025 05:00 pm
04	Bid Opening	-	31.07.2025 11:00 am	-

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सलोन रायबरेली।

प्रशासक
नगर पंचायत सलोन रायबरेली।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 24 जुलाई 2025

लखनऊ

सिटी ब्रीफ

प्लाट दिखाकर बेच दी सड़क

अमृत विचार, लखनऊ : कुर्सी रोड से सृष्टि अपार्टमेंट को जोड़ने वाली सड़क व ग्रीन बेल्ट को प्लाट बनाकर बेचने का आरोप आवंटियों ने लगाया है। मामले की शिकायत उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार से की थी। लेकिन, अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रेटर लखनऊ जनकल्याण महासमिति के महासचिव विवेक शर्मा ने बताया जानकीपुरम् विस्तार स्थित सृष्टि अपार्टमेंट के दूसरे गेट तक जाने व कुर्सी रोड को जोड़ने वाली 18 मीटर चौड़ा पहुंच मार्ग व ग्रीन बेल्ट की जमीन है। इसे प्लाट दिखाकर निजी बिल्डरों को बेच दिया गया। लेआउट में भी बदलाव भी कर दिया। जबकि उसी सड़क पर सीवर लाइन भविष्य के लिए डाली गई थी।

बाइक सवार बदमाशों ने लूटी महिला की चेन

अमृत विचार, आलमबाग : एलडीए कॉलोनी के ईडी-1 निवासी हेमन्त सिंह ने बताया कि मंगलवार रात करीब 9:30 बजे उनकी पत्नी कंचन दोनों बच्चों के साथ घर के निकट टहल रही थी। इसी दौरान बाइक सवार बदमाशों ने पीछे से झपट्टा मारकर कंचन की चेन छीन ली। पीड़िता ने शोर मचाया, लेकिन जब तक लोग कुछ समझ पाते बदमाशे राम मनोहर लोहिया अंतर्राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की तरफ भाग गए। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही कृष्णानगर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की।

मकान में लाखों की चोरी

अमृत विचार, काकोरी : सकरा गांव में चोरी के 24 घंटे बाद चोरों ने पानखेड़ा गांव में धावा बोला। पान खेड़ा गांव निवासी नीरज कुमार ने बताया कि मंगलवार देर रात चोरों ने घर में रखे बक्से का ताला तोड़कर करीब 25 हजार रुपये और लाखों के जेवर चोरी कर लिए। इंस्पेक्टर काकोरी सतीश राठौर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

15 जालसाज गिरफ्तार, फर्जी लिंक भेज करते थे ठगी

साइबर थाना व साइबर सेल की संयुक्त टीम ने अर्जुनगंज न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी के एक घर से पकड़ा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: साइबर थाना व साइबर क्राम सेल की संयुक्त टीम ने ऑनलाइन गेम में सट्टा लगाने पर मुनाफे का झांसा देकर करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने सुशांत गोल्फ सिटी स्थित फ्रेंड्स कॉलोनी के एक मकान में छापेमारी कर 15 साइबर जालसाजों को गिरफ्तार किया है। गिरोह ने अन्ना रेड्डी, फेयर प्ले और 99 एक्सचेंज के नाम से फर्जी लिंक भेजकर उन्हें ग्रुप में जोड़कर ठगी करते थे।

डीसीपी क्राइम कमलेश कुमार दीक्षित ने बताया कि इंस्पेक्टर साइबर थाना बृजेश कुमार यादव व साइबर सेल के उपनिरीक्षक सैय्यद हसन आदिल टीम के साथ अहिमामऊ चौराहे पर थे। सूचना मिली कि साइबर ठगी गिरोह के लोगों ने अर्जुनगंज फ्रेंड्स कॉलोनी में एक मकान किराए पर कमरा ले रखा है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने मकान में छापेमारी की। कमरे में कई लोग लैपटॉप, मोबाइल और अलग-अलग सिम कार्ड का इस्तेमाल कर ऑनलाइन सट्टा खिलवा रहे थे। वहां बड़ी संख्या में डेबिट कार्ड, आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज भी रखे थे।

पुलिस ने घेराबंदी कर गिरोह के 15 लोगों को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ की। छानबीन में पता चला कि बिहार के मैरवा सीवान निवासी प्रदुमन कुमार सिंह गिरोह का संचालन कर रहा था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अन्ना रेड्डी, फेयर प्ले और 99 एक्सचेंज नाम से फर्जी लिंक बना रखा है। टेलीग्राम एप पर आरोपी उत्तर प्रदेश समेत देश के विभिन्न राज्यों के लोगों को लिंक शेयर कर ऑनलाइन गेम के नाम पर संपर्क करते थे।

पहले जब लोग छोटे छोटे अमाउंट लगवा कर जिताते थे। लालच में जब पीड़ित अधिक रुपये लगाता था तो उसे हरवाने लगते थे। इसके बाद सट्टे की रकम किराए के खातों में ट्रांसफर कर एटीएम या ऑनलाइन माध्यम से निकाल लेते थे। छानबीन में पता चला कि कई प्रदेशों से करीब 44 लोगों की शिकायत आई थी।

पकड़े गये आरोपी। अमृत विचार

- अन्ना रेड्डी, फेयर प्ले और 99 एक्सचेंज के नाम से फर्जी लिंक भेजकर करते थे ठगी

सरगना राजा उर्फ गनी भाई की तलाश: साइबर थाने के इंस्पेक्टर बृजेश कुमार यादव ने बताया कि जांच में पता चला कि गिरोह का सरगना राजा सिंह है, जो गनी भाई के नाम से भी जाना जाता है। वह लखनऊ का रहने वाला है। साइबर टीम उसके बारे में ब्योरा जुटा रही है। आरोपियों के पास से एक कार, 53,200 रुपये, 44 मोबाइल फोन, तीन लैपटाप, 42 एटीएम कार्ड, चेक बुक, सिम व अन्य दस्तावेज मिले हैं।

मोटी रकम ठगने के बाद तोड़ देते थे लैपटॉप व मोबाइल: इंस्पेक्टर बृजेश यादव के मुताबिक छानबीन में पता चला कि गिरोह मोटी रकम ठगने के बाद मोबाइल, सिम कार्ड और लैपटॉप को तोड़कर फेंक देते थे। यही नहीं गिरोह लगातार ठिकाने भी बदलता रहता था। आरोपियों की ओर से इस्तेमाल किए गए खातों में करोड़ों रुपये के लेनदेन हुए हैं। आरोपियों ने मल्टी-लेयर लेन-देन किया है। इसके लिए फर्जी बैंक खातों का इस्तेमाल किया जाता था।

ये 15 हुए गिरफ्तार: गिरफ्तार आरोपियो में प्रदुमन के अलावा सीतापुर के नवीनगर लहरपुर निवासी अखिलेश कटियार, बिहार के सीवान निवासी आलोक सिंह, अमन कुमार सिंह, प्रीतम कुमार, अंकित कुमार, अभिनंदन सिंह, धन्नू कुमार, गोपालगंज निवासी अमित कुमार बर्नवाल, अभिजीत कुमार शर्मा, बलिया के सिकंदरपुर निवासी इंद्रजीत कुमार, कुशीनगर के हाटा निवासी आर्यन बर्नवाल, देवरिया सिविल लाइंस निवासी ऋषभ सिंह, बिहार के बांका निवासी सावन कुमार सिंह और बाराबंकी के दसहराबाद निवासी अभिषेक गुप्ता हैं।

एक, पांच और दस के पुराने नोट से चल रहा था हवाला का खेल

पकड़े गए ठगी करने वाले साइबर जालसाज। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लोट्स गेमिंग एप के माध्यम से 100 करोड़ से अधिक की ठगी करने वाले साइबर जालसाज एक, पांच और 10 की पुराने नोटों का इस्तेमाल हवाला में करते थे। हवाला के जरिए करोड़ों की रकम भारत से दुबई पहुंचाने के लिए गिरोह के लोग गुजरात, मुंबई, छत्तीसगढ़, बंगलुरु समेत कई अन्य प्रदेशों के बड़े कारोबारियों के संपर्क में थे। रकम विदेश पार होने के बाद साइबर ठग व्हाट्सएप और टेलीग्राम की हिस्ट्री डिलीट कर देते थे। पुलिस टीम अब बरामद सभी मोबाइल के सोशल मीडिया एकाउंट की हिस्ट्री रिकवर करने का प्रयास कर रही है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से करोड़ रुपये व अन्य सामान बरामद करने के साथ ही पुराने नोट पांच रुपये के नौ, 10 रुपये के नौ नोट और एक रुपये के छह नोट बरामद किए। पूछताछ में सामने आया कि सरगना यह नोट एजेंट को देता था।

किराए पर लेते थे खाता

एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह ने बताया कि गिरोह के लोग ठगी की रकम ट्रांसफर करने के लिए मजदूरों और तमाम अन्य लोगों के बैंक खाते किराए पर लेते थे। खातों में आयी ठगी की रकम को एटीएम से निकालने की जिम्मेदारी पांच लोगों को दी गयी थी। उक्त आरोपी अलग-अलग एटीएम बूथ से रुपये निकालते थे।

इसके बाद सरगना तमाम शहरों में बैठे गिरोह के लोगों के मोबाइल पर व्हाट्सएप के जरिए नोट की फोटो नंबर के साथ भेज देता था। रुपये लेने के लिए जालसाजों के पास व्यक्ति जाता तो उसे नोट का नंबर दिखाना होता था। इसके बाद उसे रुपये मिल जाते थे।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि जांच में कई अन्य के नाम सामने आए हैं। गिरोह सिर्फ लखनऊ या यूपी नहीं बल्कि अन्य प्रांतों में भी फैला है। लखनऊ पुलिस ने दूसरे जिलों व प्रांतों की पुलिस से भी संपर्क किया है।

रंगदारी न देने पर बाइक सवार परिवार को गिराया, पीटा

अमृत विचार, लखनऊ: सआदतगंज इलाके में रंगदारी न देने पर दबंगों ने बच्चों को स्कूल से लेकर लौट रहे बाइक सवार दंपति को धक्का दे दिया। जिससे दंपति के साथ दोनों बच्चे भी बाइक से गिर गए। इसके बाद आरोपियों ने दंपति व बच्चों को पीटा। विरोध पर पीड़ित का गला दबाकर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर सआदतगंज संतोष आर्य ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

मुगलसाहब इमामबाड़ा निवासी मो. वसीम ने बताया कि कुछ समय से उनके मकान में निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण के दौरान शौजब रिजवी और अली रंगदारी की मांग कर रहे हैं। विरोध पर अंजाम भुगतने की धमकी देते थे। वसीम ने बताया कि मंगलवार दोपहर वह पत्नी के साथ बच्चों को स्कूल से लेकर आ रहे थे। घर से कुछ दूर पहले शौजब रिजवी, अली ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर उन्हें रोकने का प्रयास किया। इसपर वह आगे बढ़ने लगे तो आरोपियों ने बाइक पर धक्का मारकर गिरा दिया। पीड़ित परिवार उठा तो आरोपियों ने वसीम, पत्नी और बच्चों की पिटाई कर दी। वसीम ने विरोध किया तो आरोपियों ने गला दबाने लगे। इसपर रोते हुए बच्चे पापा को छोड़ देने की विनती करने रहे। पत्नी ने मदद के लिए शोर मचाया। आसपास के लोगों को आता देख आरोपी धमकाते हुए भाग निकले। पुलिस ने वसीम की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

हादसों में छात्र व इंजीनियर की मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

हादसे के बाद रोते बिलखते परिजन। अमृत विचार

अमृत विचार: बीकेटी इलाके में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार छात्र की मौत हो गई। वहीं, दुबग्गा स्थित जॉगर्स पार्क चौराहे के पास बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गयी। हादसे में बाइक सवार इंजीनियर की मौत हो गई।

नगवा मऊ बीकेटी निवासी अभिषेक रावत (18) बख्शी का तालाब इंटर कॉलेज से कक्षा-11 का छात्र था। भाई अर्पित ने बताया कि मंगलवार शाम अभिषेक बाइक से खेत पर रहे थे। रास्ते में किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से वह घायल हो गया। परिजन अभिषेक को ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। परिवार में विमला देवी और दो भाई हैं।

वहीं, दुबग्गा इटौली सम्राट सिटी निवासी धर्मेंद्र प्रताप सिंह (36) जानकीपुरम स्थित एक प्राइवेट कंपनी में इंजीनियर थे। मंगलवार रात 8:40 बजे वह ड्यूटी से घर बाइक से लौट रहे थे। जॉगर्स पार्क चौराहे के पास बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। सड़क पर गिरने से गंभीर रूप से घायल धर्मेंद्र को पुलिस ने निजी अस्पताल पहुंचाते हुए परिजन को सूचना दी। परिजन ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां उसकी मौत हो गई।

विधवा का किया जीना दूभर वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: मुंशी पुलिया के पास रहने वाली विधवा का मोहल्ले के छह युवकों ने जीना दूभर कर दिया है। आरोपियों ने महिला का वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करते हुए गलत काम करने का दबाव बनाया। गाजीपुर पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर गाजीपुर विकास राय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सेक्टर-17 निवासी 30 वर्षीय महिला पांच साल के बेटे के साथ रहती हैं। पीड़िता ने बताया कि कुछ माह से इलाके में रहने वाला अंकित शर्मा, अक्कू, आशु, आलोक, दीपू व मुन्ना परेशान कर रहे हैं। घर से बाहर निकलते ही आरोपी पीछा करते हैं। पीड़िता ने बताया कि कुछ दिन पहले सड़क पर परिचित के मिलने पर वह बात कर रही थी। इस दौरान आरोपियों ने मोबाइल पर वीडियो बना लिया। उसके बाद वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल करने लगे। आरोपियों ने रास्ता रोककर ब्लैकमेल करते हुए गलत काम करने का दबाव बनाया। इंकार करने पर आरोपियों ने अंजाम भुगतने की धमकी दी। 21 जुलाई को पीड़िता गाजीपुर थाने पहुंची। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कैफे की आड़ में हुक्का बार, तीन गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

पकड़े गए आरोपी और बरामद हुक्के। अमृत विचार

अमृत विचार: सेमरा स्थित पीडीआरए टॉवर में डी फायर कैफे की आड़ में चल रहे हुक्का बार पर चिनहट पुलिस ने छापा मारा। पुलिस को देखते ही लोग भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने 9 हुक्के, छह टूटे हुए हुक्के, चिलम, पाइप और फ्लेवर्ड तंबाकू बरामद की है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि देर रात सूचना मिली कि सेमरा स्थित पीडीआरए टॉवर में डी फायर कैफे में हुक्का बार चल रहा है। सूचना पर उपनिरीक्षक सुशील कुमार ने टीम के साथ छापेमारी की। पुलिस ने घेरकर तीन लोगों को पकड़ा। आरोपी सरोजनीनगर निवासी संदीप यादव, वाराणसी रोहनिया निवासी रोहित प्रजापति और जौनपुर सराये ख्वाज निवासी अमित यादव को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर ने बताया कि कैफे में चल रहे हुक्का बार की शिकायत स्थानीय लोगों ने की थी।

छात्रा ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

संवाददाता, सरोजनीनगर

- नहीं मिला सुसाइड नोट, वजह साफ नहीं

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के न्यू नई बस्ती इलाके में बुधवार को हाईस्कूल छात्रा ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मां शाम को काम से लौटी तो बेटी का शव लटका मिला। पुलिस ने कमरे में छानबीन की लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। इंस्पेक्टर राजदेव प्रजापति का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

न्यू नई बस्ती इलाके में उर्मिला बेटे शुभम के साथ रहती हैं। उनके पति बैजनाथ की करीब दो साल पहले मौत हो गयी थी। बेटी अंशिका (17) एक निजी स्कूल में हाईस्कूल की छात्रा थी। मां उर्मिला कुछ दूर स्थित सैनिक सोसायटी कॉलोनी में घरों में चौका बर्तन का काम करती हैं। जबकि शुभम एक निजी कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय का काम करता है। रोजाना की तरह बुधवार को शुभम और मां उर्मिला काम पर चले गए। इस दौरान घर पर अंशिका अकेले थी। शाम करीब 6:30 बजे उर्मिला काम से लौटी तो घर के मेन गेट की अंदर से कुंडी बंद मिली। इस पर उसने टूटी जाली से हाथ डालकर कुंडी खोली और भीतर गयी। कमरे में अंशिका लोहे के पाइप से दुपट्टे के सहारे फांसी पर लटकी मिली। यह देख उर्मिला चींख पड़ी। पुलिस ने अंशिका को नीचे उतारकर सरोजनीनगर सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सहकर्मी से बंदूक के बल पर की छेड़छाड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- धमकाकर ले गया मूवी दिखाने, करने लगा अश्लील हरकत
- पीड़िता ने डॉयल-112 पर दी सूचना, मॉल से आरोपी निदेशक गिरफ्तार
- आलमबाग कोतवाली में पीड़िता ने दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार: निजी कंपनी के निदेशक ने महिला कर्मचारी से बंदूक तानकर अश्लील हरकत की। विरोध कर आरोपी ने किसी को कुछ बताने पर जान से मारने की धमकी दी। हिम्मत जुटा पीड़िता ने डॉयल-112 पर सूचना दी। आलमबाग पुलिस ने मॉल से ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मानकनगर निवासी 21 वर्षीय युवती ने बताया कि शहरी आजीविका केंद्र के माध्यम से पीजीआई के एल्डिको उद्यान स्थित लौजारी गुड्स प्राइवेट लिमिटेड में 13 जून को नौकरी शुरू की। शुरुआत से ही कंपनी निदेशक वीर प्रताप सिंह उसपर गंदी नजर रखता था।

पीड़िता ने बताया कि 19 जुलाई आरोपी ने स्कूटी से घर छोड़ने की बात कही। निदेशक होने के चलते पीड़िता ने हामी भर दी। आरोपी स्कूटी पर पीड़िता को बैठाकर घर पहुंचा। बोला कि कुछ देर आराम कर लो, उसके बाद आफिस चली जाना। इसी दौरान वीर प्रताप सिंह कमरे से बंदूक लेकर आया और बंदूक तानकर उसके साथ अश्लील हरकत की।

विरोध पर धमकाया कि किसी से कुछ बोला तो गोली मार दूंगा। डरी सहमी पीड़िता वहां से भाग गयी। लोकलाज के चलते पीड़िता ने परिवार से कुछ नहीं बताया। 22 जुलाई को आरोपी ने मूवी चलने की बात कहते हुए धमकाते हुए कार में बैठा लिया। शालीमार मॉल में मूवी देखने के बहाने वीर प्रताप सिंह ने अश्लील हरकत की। चुप्पी तोड़ पीड़िता ने बाथरूम जाने के बहाने शाम करीब 4:30 बजे डॉयल-112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी वीर प्रताप सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पीड़िता की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कार में छात्रा से छेड़छाड़ करने वाला प्रॉपर्टी डीलर गिरफ्तार

संवाददाता, सरोजनीनगर

- घटना में प्रयुक्त कार बरामद

अमृत विचार: कोचिंग छोड़ने के बहाने रिटायर्ड सैन्यकर्मी की बेटी से कार में छेड़छाड़ के मामले में मंगलवार देर रात सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने बुधवार को आरोपी प्रॉपर्टी डीलर को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त कार बरामद कर ली है।

इंस्पेक्टर राजदेव प्रजापति ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाले रिटायर्ड सैन्यकर्मी की 20 वर्षीय बेटी मंगलवार 8:30 बजे कोचिंग के लिए जा रही थी। घर से थोड़ी दूर कानपुर रोड पर पहुंचते ही कॉलोनी में रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर टीके सिंह मिला। आरोप है कि टीके सिंह ने कोचिंग तक कार से छोड़ने का झांसा देकर कार में बैठा लिया। कुछ दूर बढ़ते ही आरोपी ने हाथ पकड़कर अश्लील हरकत शुरू कर दी। पीड़िता ने शोर मचाने की बात कही तो आरोपी हनुमान मंदिर के पास छात्रा को उतारकर भाग निकला। परिजन को जानकारी देने के बाद पीड़िता ने पिता संग थाने पहुंचकर तहरीर दी। पुलिस ने देर रात करीब डेढ़ बजे पिता की तहरीर पर छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस ने बुधवार को आरोपी टीके सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मजदूर ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

अमृत विचार, लखनऊ: मदेयगंज स्थित बड़ी पकरिया इलाके में रहने वाले आकाश वर्मा (25) ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह पेशे से मजदूर था। छोटी बहन साधना ने बताया कि कुछ दिनों से भाई काम को लेकर परेशान रहता था। मंगलवार रात घर आने के बाद वह कमरे में चला गया। देर रात जब मां राजेश्वरी उठी तो आंगन के ऊपर पड़े जाल में धोती के सहारे आकाश को लटका देखा। परिजन उसे फंदे से उतार कर ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने आकाश को मृत घोषित कर दिया।

गोमती में डूबने से छात्र की मौत

घटनास्थल पर उमड़ी ग्रामीणों की भीड़। अमृत विचार

अमृत विचार, माल: थाना क्षेत्र के कोलवा स्थित गोमती के राम घाट पर दोपहर कांवरियों के साथ आए हाईस्कूल छात्र शिवा शर्मा (14) की नदी में नहाने के दौरान डूबकर मौत हो गई।

मलिहाबाद के कुशभरी गांव निवासी परमेश्वर ने बताया कि बेटा शिवा गांव के कांवड़ यात्रा के साथ चंद्रिका देवी के निकट कोलवा स्थित रामघाट गोमती नदी से जल भरने गया था। इस दौरान शिवा नहाने के लिए नदी में उतरा तो डूब गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद शव बरामद कर लिया। पिता परमेश्वर के कोई कार्रवाई व पोस्टमार्टम न कराए जाने की बात लिखित में दी तो पुलिस ने सिर्फ पंचनामा भरकर शव को परिजन के हवाले कर दिया।

अपराध | दो साल तक रजिस्ट्री को लेकर की टालमटोल

प्लॉट का झांसा देकर नेवी कप्तान से ऐंठे 20 लाख

संवाददाता, पीजीआई

- रुपये वापस मांगने पर धमकाया, पीजीआई थाने में रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: उन्नाव में प्लॉट दिलाने का झांसा देकर जालसाज ने मर्चेंट नेवी में तैनात कप्तान से 20 लाख रुपये ऐंठ लिए। कोर्ट के आदेश पर पीजीआई पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

वृंदावन योजना के नीलगिरी एंक्लेव निवासी कप्तान कपिल शर्मा ने बताया कि 2022 में उन्नाव में जमीन खरीदने के इच्छुक थे। इसी दौरान दोस्त के माध्यम से उनकी मुलाकात ह्रदेश बुधौलिया निवासी हजरयाना बड़ा बाजार झांसी से हुई। बातचीत के बाद आरोपी ह्रदेश ने उन्हें एक उन्नाव में एक प्लॉट दिखाया। पसंद आने पर पीड़ित से 20 लाख रुपये एडवांस मांगे। जाल में फंसे पीड़ित ने भरोसा कर कई बार में खाते में रुपये दिए। उसके बाद पीड़ित कपिल ने जमीन की रजिस्ट्री के लिए बात की तो आरोपी ने टालमटोल शुरु कर दी।

परेशान होकर पीड़ित ने अक्टूबर 2024 में ह्रदेश को कॉल कर अपने रुपये वापस मांगे। इसपर आरोपी ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। शक होने पर पीड़ित कपिल ने छानबीन की तो पता चला कि ह्रदेश के खिलाफ झांसी में धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हैं। पड़ताल में पता चला कि उक्त प्लॉट किसी और का है। 20 लाख की ठगी का एहसास होने पर पीड़ित कपिल ने थाने और अधिकारियों के पास शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। कोर्ट के आदेश पर पीजीआई पुलिस ने ह्रदेश बुधौलिया के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

प्लॉट का झांसा देकर महिला से ठगे 3.50 लाख

अमृत विचार, लखनऊ : ईएमआई पर प्लॉट बेचने का झांसा देकर जालसाज ने महिला से 3.50 लाख रुपये ठग लिए। मूल रूप से मऊ निवासी मीरा परिवार संग वजीरगंज के जवाहरनगर इलाके में रहती हैं। उन्होंने बताया कि मार्च 2017 में मोहम्मद नदीम से सैथा गांव में 1365 वर्गफीट का एक प्लॉट का एग्रीमेंट किया था। पीड़ित ने एग्रीमेंट के दौरान बयाने के तौर पर 1.64 लाख रुपये चेक व नकद दिए थे। शेष रकम किस्तों में देनी थी। करीब 3.50 लाख रुपये लेने के बाद आरोपी ने प्लॉट न देने की बात कही। बोला कि प्लॉट सीलिंग में चला गया है। पीड़िता ने रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने दूसरा प्लॉट दिलाने की बात कही। छह साल की टालमटोल के बाद पीड़िता ने रुपये वापस मांगे तो आरोपी नदीम ने गाली-गलौज कर धमकाया। वजीरगंज पुलिस ने तहरीर के आधार पर मोहम्मद नदीम निवासी गिरधारी लाल माथुर रोड ठाकुरगंज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

चार युवकों के खाते से उड़ाए 2.07 लाख

अमृत विचार, लखनऊ : जालसाजों ने चार युवकों के खातों से 2.07 लाख रुपये उड़ा लिए। साइबर ठगी के यह मामले गुडंबा, पीजीआई, चिनहट और अलीगंज के हैं। पुलिस चारों मामलों को दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच कर रही है।

जानकीपुरम के कुर्सी रोड सेक्टर-जे निवासी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि 21 जुलाई को उनका मोबाइल हैक हो गया। जिसके बाद खाते से 49,500 रुपये निकल गए। सुरेंद्र ने साइबर सेल में शिकायत के बाद गुडंबा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं, पीजीआई के उतरेठिया स्थित कृष्ण विहार कॉलोनी निवासी प्रदीप विश्वकर्मा का खाता एचडीएफसी बैंक में है। 14 जुलाई को उनके पास एक कॉल आई। फोनकर्ता ने बैंक एजेंट बनकर क्रेडिट कार्ड ऑफर का प्रलोभन देकर 51,900 रुपये गायब कर दिए। पीड़ित प्रदीप ने पीजीआई थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उधर, चिनहट के धावा देवा रोड स्थित राय इंक्लेव निवासी शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि 2 जुलाई को व्हाट्सएप पर एक लिंक आया। लिंक पर क्लिक करते ही खाते से 85,049 रुपये जालसाज ने पार कर दिए।

इसके अलावा मध्य प्रदेश के बड़वानी जिला निवासी विजय पाटिल ने बताया कि दिसंबर माह में लखनऊ यात्रा पर आए थे। इस दौरान वाराणसी में भारत सेवा आश्रम में रूम बुक करने के लिए दिए गए नंबर पर कॉल की। जालसाज ने बातों में फंसाकर 20,560 रुपये निकाल लिए।

सिटी ब्रीफ

लविवि में स्नातक प्रवेश च्वाइस फिलिंग शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीसीए, बीएससी गणित नई शिक्षा नीति और बीएससी जीवविज्ञान पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन च्वाइस फिलिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है। अभ्यर्थी 24 जुलाई को दोपहर 12 बजे से 27 जुलाई तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट www .lkouniv .ac .in पर जाकर एप्लीकेशन फॉर्म नंबर के माध्यम से च्वाइस फिलिंग कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

लविवि स्नातक प्रवेश का रिजल्ट जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2025-26 की स्नातक प्रवेश परीक्षा के अंतर्गत बीवॉक रिन्यूएबल एनर्जी, बीएससी गणित, प्राणी विज्ञान नई शिक्षा नीति पाठ्यक्रमों की पूर्ण मेरिट लिस्ट जारी कर दी है। अभ्यर्थी अपना रिजल्ट विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www. lkouniv .ac .in पर जाकर देख सकते हैं।

दो पालियों में हुई परास्नातक प्रवेश परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन बुधवार को भी किया गया। प्रथम पाली में हॉस्पिटल प्रशासन के 230 आवेदकों में से 162 परीक्षा में शामिल हुए। अप्लाईड अर्थशास्त्र में 293 में 260, पत्रकारिता और मॉस कम्यूनिकेशन में 184 में से 127, एमएड के 743 में से 593, एमवीए एमएफए के 253 में से 180 उपस्थित रहे। जबकि शाम की पाली की परीक्षा में समाज कार्य के 348 आवेदकों में से 289, एमकॉम के 1164 में से 985 उपस्थित रहे।

बीबीएयू :24 नए पाठ्यक्रम से नया अध्याय शुरू

तकनीक, मीडिया, कृषि, स्वास्थ्य, योग और भाषा के नए पाठ्यक्रम हुए आरंभ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: बाबा साहब भीमराव अंबेदकर विश्वविद्यालय ने रोजगारोन्मुख और कौशल आधारित नए पाठ्यक्रमों के आरंभ करने की घोषणा की है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश निर्देशिका भी जारी कर दी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने 24 नवीन पाठ्यक्रमों की शुरुआत की घोषणा की, जो नई शिक्षा नीति पर आधारित शैक्षणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। विश्वविद्यालय द्वारा आरंभ किए गए ये नए पाठ्यक्रम तकनीक, मीडिया, कृषि, स्वास्थ्य, योग और भाषाओं जैसे विविध क्षेत्रों को समेटे हुए हैं।

- कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल ने रोजगार अधारित पाठ्यक्रम किया चालू

इन पाठ्यक्रमों में होगी पढ़ाई

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के अंतर्गत सोशल मीडिया मार्केटिंग, फिल्म एवं थिएटर एक्टिंग एवं एडिटिंग, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, जनसंचार एवं पत्रकारिता में डिजाइन और ग्राफिक्स, मैन्यूस्क्रिप्टोलॉजी, कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस, पोस्ट हार्वेस्ट टैक्नोलॉजी के पाठ्यक्रम शामिल है। सर्टिफिकेट कोर्स के अंतर्गत रेडियो जॉकी व वीडियो जॉकी प्रशिक्षण, बेकरी एवं कन्फेक्शनरी एवं डिप्लोमा, इंटीग्रेटेड, अन्य नवाचारपूर्ण पाठ्यक्रमों के तहत आयुर्वेदिक न्यूट्रीशन एंड वेलनेस, सर्टिफिकेट इन साइबर सिक्योरिटी, एमएससी इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डाटा साइंस, एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग, बीवोक इन हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म आदि संबंधित है।

इन पाठ्यक्रमों को विशेष रूप से उद्योगों की मांग, तकनीकी कौशल और सामाजिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। विश्वविद्यालय ऐसे सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी जोड़े गये हैं जिन्हें विद्यार्थी अपनी नियमित पढ़ाई के साथ भी कर सकते हैं, जिससे उन्हें मल्टीपल स्किल्स मिलें और वे रोजगार के लिए अधिक सक्षम बन सकें।

बीबीएयू केवल डिग्रियां देने वाला संस्थान नहीं, बल्कि एक संपूर्ण व्यक्तित्व विकास का केंद्र बन रहा है। विश्वविद्यालय ऐसे शैक्षणिक वातावरण का निर्माण कर रहा है जिसमें थ्योरी और प्रैक्टिकल का समुचित समावेश हो।

-प्रो. राजकुमार मित्तल, कुलपति, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय

इस तरह करें आवेदन: विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.bbau.ac.in के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन मोड में प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक छात्र-छात्राएं प्रवेश निर्देशिका का अध्ययन कर संबंधित पाठ्यक्रमों में आवेदन कर सकते हैं। यूजी कोर्सेज के लिए सीयूईटी स्कोर आवश्यक है जबकि कई पीजी, डिप्लोमा कोर्सेस के लिए सीधे विश्वविद्यालय स्तर पर आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं।

19 देशों से प्राप्त हुए आवेदन: विश्वविद्यालय में 19 देशों के छात्रों ने आवेदन किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे समय रहते प्रवेश प्रक्रिया में भाग लें और इन नवाचारपूर्ण व कौशल उन्मुख कार्यक्रमों का लाभ उठाएं।

एमएससी और एमकॉम छात्रों को मिले छात्रावास

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- माता-पिता व स्थानीय संरक्षक का आवंटन के समय होना जरूरी

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों में कक्ष आवंटन की प्रक्रिया जारी है जिसके अंतर्गत पिछले वर्ष रह रहे विद्यार्थियों का छात्रावास आवंटन सत्र 2025-26 हेतु किया जा रहा है।

डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. वीके शर्मा ने बताया कि एमएससी तृतीय सेमेस्टर एवं एमकॉम तृतीय सेमेस्टर और बीए पांचवे सेमेस्टर के छात्रों का आवंटन सुभाष हॉस्टल में किया गया है। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने बताया कि एमए तृतीय सेमेस्टर, बीपीएड, एमपीएड व अन्य परास्नातक विद्यार्थियों बीकॉम ऑनर्स तथा बीए तृतीय सेमेस्टर के छात्रों को महमूदाबाद हॉस्टल आवंटित हुआ है। इसी प्रकार निवेदिता छात्रावास में एमबीए, बीकॉम ऑनर्स और स्नातक एवं परास्नातक सेल्फ फाइनेंस की अन्य छात्राओं का पुनः आवंटन किया गया। यह सभी सूचियां विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। हॉस्टल फ़ीस जमा करने की अंतिम तिथि 30 जुलाई है। हॉस्टल में कक्ष आवंटन के समय माता-पिता व स्थानीय संरक्षक को साथ लाना अनिवार्य है।

चंद्रशेखर आजाद को किया नमन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: अमर शहीद क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया। इसी क्रम में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख सेनानी बाल गंगाधर तिलक की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने तिलक छात्रावास स्थित उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया।

भाषा विवि में मनी क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई गई। जयंती के इस अवसर पर कुलपति प्रो. अजय तनेजा की प्रेरणा से इतिहास विभाग में छात्रों के मध्य चंद्रशेखर आजाद का स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका तथा योगदान विषय पर संवाद का आयोजन किया। विषय प्रभारी इतिहास डॉ. पूनम चौधरी ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद उन्नाव के निवासी थे। उन्होंने क्रांतिकारियों के हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोसिएसन संगठन की स्थापना की थी। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष सामाजिक विज्ञान प्रोफेसर चंदना डे, डॉ. लक्ष्मण सिंह, डॉ. राजकुमार सिंह डॉ. मनीष कुमार, अशोक यादव, विशाल, सचिन, रामबहादुर, पिंकी, रीता, अरुणिमा, शालनी, यूसूरा, ज्योति उपस्थित थे।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण करते कुलपति।

यशोधरा महिला छात्रावास में हुआ पौधरोपण

अमृत विचार, लखनऊ : बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के यशोधरा महिला छात्रावास में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. दीपा राज एवं छात्रावास की वार्डन डॉ. संगीता चौहान, डॉ. मंजरी राज और डॉ. प्रीति राय की सक्रिय सहभागिता रही। इस अवसर पर छात्रावास की छात्राओं और शिक्षिकाओं ने मिलकर आम, अमरूद, जामुन और बेल जैसे कई फलदार पौधों का रोपण किया। साथ ही उन्होंने इन पौधों की देखभाल व संरक्षण का संकल्प भी लिया।

वेतनवृद्धि पर शिक्षकों ने जताई प्रसन्नता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में कार्यरत अस्थाई सहायक आचार्यों की वेतनवृद्धि की गई है जिस पर शिक्षकों में प्रसन्नता की लहर है। इस निर्णय के लिए समस्त अस्थायी सहायक आचार्यों ने कुलपति प्रो. अजय तनेजा, कुलसचिव डॉ. महेश कुमार एवं वित्त अधिकारी साजिद आज़मी से भेंट कर सामूहिक रूप से आज धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि शिक्षक विश्वविद्यालय की आत्मा होते हैं। उनकी संतुष्टि और सम्मान हमारी प्राथमिकता है। वित्त अधिकारी साजिद आज़मी ने सभी शिक्षकों से कहा कि यह निर्णय शिक्षकों की सेवाओं को मान्यता देने और उन्हें प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। इस अवसर पर डॉ. राजकुमार, डॉ. विभा सिंह, डॉ. इमरान के साथ-साथ डॉ. आयुष साही, डॉ. चेतना, डॉ. कीर्तिमा आदि शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

कुलपति के साथ विश्वविद्यालय के अस्थायी शिक्षक। अमृत विचार

नेशनल पीजी में बीकॉम की सीटें भरी, 26 को होगा ओरिएंटेशन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बीकाम की समस्त 550 सीटों के सापेक्ष काउन्सलिग उपरान्त समस्त सीटें भर गईं

अमृत विचारः नेशनल पीजी कॉलेज में सत्र 2025-26 में लुआक्सेंट-2025 के अन्तर्गत बीकाम पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु तीसरे दिन की काउन्सलिंग शुरू हुई।

बीकाम पाठ्यक्रम में काउन्सलिंग हेतु नेशनल पीजी कालेज के अतिरिक्त 4 अन्य महाविद्यालय भी शामिल है। जिसमें कॉलेज आफ इन्नोवेटिट मैनेजमेंट एण्ड साइस, माडर्न गर्ल्स कालेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, श्री कृष्ण दत्व एकेडमी और स्टडी हाल कॉलेज हैं। महाविद्यालय द्वारा छात्र-छात्राओं को अपनी काउन्सलिंग हेतु समस्त मूल प्रमाण पत्रों के वेरिफिकेशन के साथ प्रदर्शित कालेजों की सीटों में से अपनी वरीयता के अनुसार कालेज चयन करते हुए बीकाम में प्रवेश दिया जा रहा है। बीकाम की समस्त 550 सीटों के सापेक्ष काउन्सलिग उपरान्त समस्त सीटें भर गयी है। 26 जुलाई को महाविद्यालय में बीकाम प्रथम सेमेस्टर में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का ओरिएन्टेशन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

नेशनल पीजी कॉलेज का स्थापना दिवस आज

अमृत विचार, लखनऊः नेशनल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज का स्थापना दिवस आज 24 जुलाई को मनाया जाएगा। महाविद्यालय की स्थापना 24 जुलाई 1974 को उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री चंद्र भानु गुप्ता द्वारा की गई थी। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। समारोह में समावर्तन संस्कार समारोह के अन्तर्गत स्नातक एवं परास्नातक 2024-25 के सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया जायेगा। इस कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

कुलपति को विदाई देने में शिक्षक दोमत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एक दिन पहले कार्यकारिणी बैठक में हुई थी तीखी बहस
- कुलपति की विदाई को लेकर शुरू हुआ आरोप-प्रत्यारोप का दौर

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (लूटा) में आपस में खींचतान शुरू हो गया है। शिक्षक संघ का एक हिस्सा कुलपति का तीखा विरोध कर रहा है तो दूसरा हिस्सा उनका भव्य विदाई समारोह आयोजन की तैयारी में लग गया है। असंतुष्ट शिक्षकों का आरोप है कि कुलपति ने अपने कार्यकाल में भेदभाव किया है। एक दिन पहले विदाई समारोह आयोजित करने को लेकर हुई बैठक में अध्यक्ष अनित्य गौरव और उपाध्यक्ष अरशद जाफरी में तीखी नोकझोंक के बाद गुटबंदी तेज हो गई है।

लूटा उपाध्यक्ष डॉ. अरशद जाफरी का कहना है कि पक्षपात और भेदभाव करने वाले कुलपति का क्यों विदाई समारोह किया जाए। उनका कहना है कि कार्यकारिणी के अन्य सदस्य भी विदाई समारोह का विरोध कर रहे हैं। हालांकि लूटा अध्यक्ष डॉ. अनित्य गौरव और महामंत्री प्रो. राम मिलन कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय का विदाई समारोह धूमधाम से करना चाहते हैं लेकिन विश्वविद्यालय सूत्रों का कहना है कि दोनों पदाधिकारी आम सहमति नहीं बना पा रहे हैं। विरोध कर रहे पदाधिकारियों का कहना है कि कई विभागों में नियमों के खिलाफ जाकर पदोन्नति की गई है। हिंदी विभाग के एक शिक्षक का आरोप है कि वह 20 वर्षों से सेवारत है लेकिन आज तक उनको एक भी पदोन्नति नहीं मिली है।

लूटा के पूर्व अध्यक्ष विनीत वर्मा ने आरोप लगाया है कि आरक्षित पदों पर एनएफएस करना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह पिछड़े और दलितों के प्रति कुलपति की भेदभाव पूर्ण मानसिकता को प्रदर्शित करता है। इससे पहले भी कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय इस तरह का काम कर चुके हैं। प्रो. मुन्ना सिंह को सरस्वती सम्मान प्राप्त होने के बाद भी 2 वर्ष की सेवा वृद्धि न दिया जाना, इसी वर्ग के कुछ शिक्षकों की सेवाएं कन्फर्म ना करना, आरक्षित वर्ग के पदों पर भर्ती न करना भी इसी मानसिकता का परिचायक है।

भारतीय ज्ञान परम्परा ओलम्पियाड आयोजित कर रहा संस्कृत विवि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- विजेताओं को दिया जाएगा नकद पुरस्कार

अमृत विचार : भारतीय संस्कृति व परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए भारतीय ज्ञान परम्परा ओलम्पियाड 2025 की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय व लिटिल गुरु के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस ओलम्पियाड की पंजीकरण प्रक्रिया पूरी हो चुकी है जिमसें देशभर से 19,600 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। ओलम्पियाड 2025 की ऑनलाइन परीक्षा 11 और 12 अगस्त को आयोजित की गई है।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शोधार्थियों की भागीदारी यह सिद्ध करती है कि युवा वर्ग में भारतीय ज्ञान परम्परा और सांस्कृतिक धरोहर के प्रति गहरी रुचि है। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. मदनमोहन झा ने बताया कि इस ओलम्पियाड का मुख्य उद्देश्य भारतीय ज्ञान परम्परा, संस्कृति एवं परंपराओं की समझ को गहरा करना है। मुख्य समन्वयक डॉ. अमृता कौर ने बताया कि कक्षा 6 से 12 के प्रतिभागियों की ऑनलाइन परीक्षा 11 अगस्त को आयोजित होगी।

गायन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सीएमएस छात्र को

अमृत विचार, लखनऊः सिटी मोन्टेसरी स्कूल अलीगंज प्रथम कैम्पस के कक्षा-8 के छात्र यजुर प्रताप सिंह को उसकी बहुमुखी प्रतिभा एवं संगीत ज्ञान हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस प्रतिभाशाली छात्र ने संस्कृति विभाग, उ.प्र. द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सुगम संगीत प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अर्जित कर यह उपलब्धि अपने नाम की है। संस्थापिका व निदेशिका डॉ. भारती गांधी ने इस प्रतिभाशाली छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

छावनी स्थित एएमसी सेंटर एवं कॉलेज में गार्ड ऑफ ऑनर लेते ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव।

ग्रुप कमांडर ने देखी प्रशिक्षण शिविर की सुविधाएं

अमृत विचार, लखनऊ : 63 यूपी बटालियन एनसीसी यूनिट लखनऊ की ओर से एएमसी सेंटर एवं कॉलेज में 14 से 2 सैन्य संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। लखनऊ एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव ने बुधवार को प्रशिक्षण गतिविधियों का मूल्यांकन किया और सुविधाएं देखीं। कैंप कमांडेंट एवं 63 यूपी बटालियन एनसीसी यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल आरपी सिंह ने ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर का स्वागत किया। कैडेटों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। ब्रिगेडियर ने सीएटीसी और थल सैनिक कैंप दोनों के प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी की और सराहना की। कैडेटों के अनुशासन का अवलोकन किया और उनसे बातचीत की।

पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा हेतु आवेदन शुरू

अमृत विचार, लखनऊः ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा हेतु परीक्षा प्रपत्र भरने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, समस्त शोधार्थियों को निर्धारित तिथि के भीतर आवेदन पत्र भरकर संबंधित विभाग में जमा करना अनिवार्य है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह भी घोषणा की है कि पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा 5 अगस्त से 8 अगस्त के मध्य आयोजित कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त विशेष बैक पेपर परीक्षा की तिथियां भी घोषित कर दी गई हैं। यह परीक्षाएं भी 2 अगस्त से 8 अगस्त के बीच कराई जाएंगी। जिन छात्रों को विशेष बैक में सम्मिलित होना है, वे परीक्षा विभाग से संपर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

62 विदेशी छात्रों को दी गई उपाधियां

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय स्नातक समारोह 2025 का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न देशों के विद्यार्थियों को उपाधियां दी गईं। रंगारंग कार्यक्रम के बीच 62 अंतरराष्ट्रीय छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं, जो कि ओमान, तंज़ानिया, नाइजीरिया, सूडान, नेपाल, गाम्बिया सहित कई देशों से स्नातक और परास्नातक कार्यक्रमों के तहत अध्ययनरत रहे हैं। चांसलर प्रो. सैयद वसीम अख्तर ने विद्यार्थियों को बधाई दी। प्रोचांसलर डॉ. सैयद नदीम अख्तर ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए इंटीग्रल यूनिवर्सिटी को वैश्विक शिक्षा का केंद्र बताया। कुलपति प्रो. जावेद मुसर्रत ने विद्यार्थियों की सीमाओं से परे ज्ञान की खोज और सांस्कृतिक समन्वय की भावना की सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय मामलों के कार्यकारी निदेशक सैयद अदनान अख्तर के भाषण से हुई। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. मोहम्मद हारिस सिद्दीकी ने सभी अतिथियों, संकाय सदस्यों, छात्रों और उनके परिवारजनों का आभार व्यक्त किया। परीक्षा नियंत्रक प्रो. अब्दुल रहमान खान ने स्नातक विद्यार्थियों के नामों की घोषणा की।

कार्यक्रम के अवसर पर मौजूद विदेशी छात्र-छात्राएं व विश्वविद्यालय के पदाधिकारी।

आईटीआई में 15 अभ्यर्थियों को मिला रोजगार

अमृत विचार, लखनऊ : राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज में हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त मैकेनिक मोटर व्हीकल ट्रेड के 15 अभ्यर्थियों का चयन कर उन्हें रोजगार प्रदान किया गया। इस अवसर पर हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के रीजनल हेड अनुराग सिंह ठाकुर एवं ट्रेनिंग मैनेजर विभु सिंह भी उपस्थित रहे। संस्थान के प्रधानाचार्य राजकुमार यादव ने चयनित अभ्यर्थियों को शीघ्र कंपनी में ज्वाइन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर एमए खां, ट्रेनिंग, काउंसलिंग एण्ड प्लेसमेंट ऑफिसर ने उक्त जानकारी दी।

शैलेश कुमार के विरुद्ध कार्यवाही समाप्त, निलंबन आदेश भी वापस

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा अनुभाग-1 द्वारा जारी आदेश के अनुसार शैलेश कुमार शुक्ला, पूर्व कुलसचिव, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के विरुद्ध चल रही अनुशासनिक कार्यवाही को समाप्त कर दिया है और उनका निलंबन आदेश भी समाप्त कर दिया गया है। आरोपों के चलते शासन द्वारा 6 जुलाई 2022 को शुक्ला को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर निदेशक, उच्च शिक्षा कार्यालय प्रयागराज से संबद्ध किया गया था। उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली 1999 के तहत अनुशासनिक कार्यवाही भी प्रारंभ की गई थी। साथ ही आयुक्त, लखनऊ मंडल को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया था। जांच के उपरांत आयुक्त, लखनऊ मंडल द्वारा 26 दिसंबर 2024 को प्रस्तुत जांच रिपोर्ट में पाया गया कि शुक्ला पर लगाए गए चारों आरोप सिद्ध नहीं होते। साथ ही प्रश्न पत्र लीक प्रकरण में भी गृह विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा उपलब्ध कराई गई रिपोर्ट में कोई दोष नहीं पाया गया। इन तथ्यों के आलोक में शासन ने शैलेश कुमार शुक्ला का निलंबन समाप्त करते हुए उनके विरुद्ध की गई अनुशासनिक कार्यवाही को बिना किसी दंड के समाप्त कर दिया है।

इंस्पायर मानक अवार्ड | जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

10 मॉडल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: केंद्र सरकार के विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग और राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में इंस्पायर मानक जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय जुबिली इण्टर कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक, लखनऊ मंडल डॉ. प्रदीप कुमार उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि इंस्पायर मानक योजना बच्चों में वैज्ञानिक चेतना के विकास और दृष्टिकोण विकसित करने के लिए सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी योजनाओं में अग्रणी योजना है। जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ राकेश कुमार ने कहा कि विज्ञान और जीवन दोनों अलग-अलग नहीं है यह दोनों आपस में जुड़े हुए हैं।

छात्र-छात्राओं कि विज्ञान मॉडल देखते अधिकारी। अमृत विचार

प्रतियोगिता में कुल पंजीकृत 141 प्रोजेक्ट में से 80 प्रोजेक्ट को जनपद के विभिन्न बाल वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत किया गया। समापन पर उपशिक्षा निदेशक शिविर कार्यालय विवेक नौटियाल उपस्थित रहे। नौटियाल द्वारा प्रत्येक प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया गया और बाल वैज्ञानिकों से उनके प्रोजेक्ट संबंधी जानकारी प्राप्त की गयी। इस अवसर पर एनआईएफ की तरफ से पर्यवेक्षक के रूप में डॉ. नवनीत एवं डॉ. अभिषेक उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. एचके द्विवेदी, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. राकेश कुमार सिंह, डॉ. दीपक शर्मा, डॉ. रवि श्रीवास्तव, डॉ. अरमान तकवी, डॉ. डी. बी. सिंह और डॉ. श्याम सिंह उपस्थित रहे। सहनिरीक्षक आंग्ल भारतीय विद्यालय मनीषा द्विवेदी, जिला समन्वयक संतोष मिश्र, प्रधानाचार्य राजकीय जुबिली इण्टर कॉलेज आशुतोष सिंह, मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार मौजूद रहे।

गीतम डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने 16वां दीक्षांत समारोह मनाया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थानों में से गीतम डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने अपने हैदराबाद परिसर में भव्यता के साथ अपना 16वां दीक्षांत समारोह मनाया। इंजीनियरिंग, फार्मेसी, वास्तुकला, प्रबंधन, मानविकी, विधि, विज्ञान और पैरामेडिकल विज्ञान सहित विभिन्न विषयों के कुल 6,500 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इस कार्यक्रम ने अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी दर्ज की है। जहां लगभग 250 पीएचडी छात्रों को डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्रदान की गईं। विश्वविद्यालय ने समाज में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए तीन प्रतिष्ठित व्यक्तियों को मानद डॉक्टरेट की उपाधि भी प्रदान की। इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र के पूर्व निदेशक डॉ. बी. वेंकटरमण को परमाणु इंजीनियरिंग और गैरविनाशकारी मूल्यांकन में उनके अग्रणी कार्य और भारत की रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षमताओं को आगे बढ़ाने के लिए मानद डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि से सम्मानित किया गया। प्रसिद्ध सामाजिक उद्यमी और कम लागत वाली सैनिटरी पैड बनाने वाली मशीन के आविष्कारक अरुणाचलम मुरुगनंथम को मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य जागरूकता और ग्रामीण आजीविका पर उनके परिवर्तनकारी प्रभाव के लिए डॉक्टर ऑफ लेटर्स की उपाधि से सम्मानित किया गया।

सिटी ब्रीफ

तीन नए कोरोना मरीज मिले, कुल संख्या 100 के पार

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी में कोरोना के तीन नए मरीज मिले हैं। कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 102 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग लोगों से लक्षण दिखने पर जांच कराने की अपील की है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया जनपद में पिछले 24 घंटे में तीन कोविड धनात्मक रोगी मिले हैं। इनमें 40 वर्षीय महिला और 45 वर्षीय पुरुष निवासी पीजीआई व 75 वर्षीय पुरुष निराला नगर का रहने वाला है। तीनों को लक्षण दिखने पर जांच कराई गई थी। रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर सभी मरीजों को होम आइसोलेशन में रखा गया है। चिकित्सकों की निगरानी में इलाज किया जा रहा है। वर्तमान में एक्टिव केसों की संख्या 8 है।

मालखाने में 15 वर्ष से जमा शराब का हुआ विनष्टीकरण

अमृत विचार, लखनऊ : बीकेटी पुलिस ने 15 साल से आबकारी अधिनियम के तहत पकड़ी गयी शराब का विनष्टीकरण किया। न्यायालय अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट सप्तम के आदेश पर की गई कार्रवाई के दौरान एसीपी बीकेटी अमोल मुर्कुट व इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह मौजूद रहे। जेसीबी की मदद से कई फीट गहरा गड्ढा खुदवाकर हजारों लीटर शराब को ढक कर दिया गया। एसीपी ने बताया कि पिछले 15 साल में मालगृह में जमा 200 मामलों से संबंधित लगभग 10,000 बोतलें अंग्रेजी और देशी शराब शामिल थी। साथ ही करीब एक हजार लीटर कच्ची शराब भी विनष्टीकरण की गई।

सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी गिरफ्तार

रिवर फ्रंट पार्क में मानसिक मंदित किशोरी से किया था गैंगरेप

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

रोहित

सुजल

अमृत विचार : हजरतगंज में 13 साल की मानसिक मंदित दलित किशोरी से रिवर फ्रंट पार्क में सामूहिक दुष्कर्म हुआ था। 100 से अधिक सीसी कैमरों की जांच से पता चला कि रोहित उर्फ रॉकी और सुजल उसे बहला कर सोमवार रात मोटरसाइकिल पर बैठाकर अपने साथ ले गए थे। इसके बाद रिवर फ्रंट पार्क में दोनों ने दुष्कर्म किया था। पीड़िता के भाई ने प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) में दो अन्य युवकों को आरोपी बनाया था। लेकिन पुलिस की जांच में उनकी भूमिका नहीं मिली। पुलिस ने दोनों को क्लीन चिट दे दी है। पुलिस की सक्रियता के चलते दो बेगुनाह जेल जाने से बच गए।

एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि बुधवार को पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया। इसके बाद महिला पुलिस अधिकारी के सामने जांच अधिकारी ने पीड़िता के बयान दर्ज किए। गुरुवार को पुलिस कोर्ट के समक्ष बयान दर्ज कराएगी। मंगलवार देर शाम पीड़िता भाई व परिवार संग हजरतगंज कोतवाली आयी थी। भाई ने बताया था कि सोमवार देर रात किशोरी को तीन युवक बहला फुसलाकर बाइक से ले गए और सामूहिक दुष्कर्म कर छोड़ दिया था। सुबह परिजन उठे तो किशोरी के कपड़ों पर खून के धब्बे थे। पूछने पर उसने इशारे से बताया था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सामूहिक दुष्कर्म, पॉक्सो और एससीएसटी एक्ट की रिपोर्ट दर्ज की थी।

मामला गंभीर होने के चलते डीसीपी मध्य आशीष श्रीवास्तव ने दो टीमों का गठन किया। एक टीम ने नामजद तीनों आरोपियों को मंगलवार रात ही हिरासत में लिया। सुजल के अलावा दोनों अन्य आरोपियों की लोकेशन किशोरी के साथ नहीं मिली। पुलिस ने रूट के सीसी कैमरों की फुटेज खंगाली तो किशोरी सुजल के अलावा रोहित संग बाइक से जाती दिखी। पुलिस ने सुजल से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने रोहित के बारे में बताया। एसीपी ने बताया कि किशोरी मानसिक मंदित है। वह ठीक से बोल नहीं सकती थी। उसके घरवालों ने अंदाजे से लड़कों के नाम गिनाए थे। इस पर उसने इशारे से संकेत दिया था। संकेत में दो निर्दोष युवक नामजद हो गए थे।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में सहयोग देने का लिया संकल्प

अमृत विचार, लखनऊ : माध्यमिक शिक्षा विभाग के बाद 27 जिलों के बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों व उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) के अधिकारियों ने फाइलेरिया उन्मूलन के लिए सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान को पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया है। महानिदेशक बेसिक शिक्षा कार्यालय के अधिकारी सलाहुद्दीन खान ने 10 अगस्त को स्कूल परिसर में दवा खिलाने के निर्देश दिए। इस बार बहराइच, बलरामपुर, गोण्डा, श्रावस्ती, सुलतानपुर, बस्ती, देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर, महराजगंज, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, औरैया, इटावा, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, हरदोई, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, फतेहपुर, कौशांबी, चंदौली, गाजीपुर व मिर्जापुर में एमडीए अभियान चलाया जाएगा।

अस्पताल में बच्चे की मौत के प्रकरण की जांच शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पुरनिया के निजी अस्पताल का मामला
- सीएमओ ने बनाई तीन सदस्यीय जांच समिति

अमृत विचार : पुरनिया बंधा रोड स्थित हर्षा हॉस्पिटल में इलाज के दौरान बच्चे की मौत प्रकरण की जांच शुरू हो गई है। इसके लिए सीएमओ की ओर से तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। समिति बच्चे के परिवारीजनों से संपर्क करने की कोशिश कर रही है। साथ ही अस्पताल से इलाज से संबंधित रिकॉर्ड तलब किए गए हैं।

सीतापुर के मछरेहटा के रहने वाले इंद्रप्रकाश के बेटे हर्षित (3) को आंत में दिक्कत थी। परिजन इलाज के लिए पहले नजदीकी अस्पताल ले गए। वहां से डॉक्टर ने केजीएमयू ट्रॉमा रेफर कर दिया। सोमवार रात वह बच्चे को लेकर ट्रॉमा गए। वहां पर काफी देर इंतजार बाद भी बेड नहीं मिला। आरोप है कि अस्पताल के दलाल ने बेहतर इलाज का झांसा देकर हर्षा हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में पूरी रात डॉक्टर नहीं थे। मैनेजर व दूसरे स्टाफ डॉक्टर से फोन पर दवा पूछकर बच्चे का इलाज करते रहे। इस दौरान बच्चे की हालत बिगड़ गई। सुबह करीब साढ़े चार बजे बच्चे की मौत हो गई। स्टाफ ने घटना को करीब डेढ़ घंटे तक दबाए रखा। सुबह करीब छह बजे परिजनों को बच्चे के मौत की जानकारी दी गई। घटना से नाराज परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा किया। नर्सिंग होम के नोडल अफसर डॉ. एपी सिंह ने बताया कि घटना की जांच के लिए बाल रोग विशेषज्ञ के नेतृत्व में तीन सदस्यीय समिति का गठन कर दिया गया है। बच्चे के परिजनों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। अस्पताल से भी इलाज से संबंधित रिकॉर्ड तलब किए गए हैं। जल्द ही अस्पताल संचालक, इलाज करने वाले चिकित्सकों और परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे। लापरवाही मिलने पर कार्रवाई होगी।

हत्याकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊः इंदिरानगर पुलिस ने मनोज हत्याकांड में एक और आरोपी को खुर्रमनगर सब्जी मंडी के पास से गिरफ्तार कर लिया है। सीतापुर के महमूदाबाद निवासी आरोपी सचिन कुमार गुडंबा के कल्याणपुर आदिल नगर का रहने वाला है। 22 मई को फरीदीनगर शिव विहार कॉलोनी निवासी रमाकांत के बेटे मनोज पर डंडे व रॉड से हमला किया गया था। हमले में उसकी मौत हो गयी थी। जांच में सामने आया था कि आरोपियों ने पुरानी रंजिश में वारदात को अंजाम दिया था। मामले में पुलिस ने तीन दिन पहले सनी कश्यप, सलामू, अनूप कुमार, रंजीत कुमार व रहमत अली को जेल भेजा था।

एचके इंफ्रा की सह निदेशक गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मोहनलालगंज कोतवाली में तीन और मामले दर्ज

अमृत विचार : सैन्यकर्मियों को कम कीमत पर प्लॉट का झांसा देकर करोड़ों की ठगी में शामिल एचके इंफ्राविजन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के डॉयरेक्टर की पत्नी सीमा उपाध्याय को मोहनलालगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मामले में पुलिस कंपनी के मालिक व 25 हजार के इनामी पति प्रमोद कुमार उपाध्याय और सहायक निदेशक मदनराम को पहले ही जेल भेज चुकी है। वहीं, कंपनी और निदेशकों के खिलाफ तीन और रिपोर्ट दर्ज की गयी हैं।

एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि गिरफ्तार डॉयरेक्टर सीमा उपाध्याय मूल रूप से बलिया के बांसडीह की रहने वाली है। यहां बिजनौर थाना क्षेत्र के ओमेक्स सिटी में रह रही थी। पति प्रमोद, देवर विनोद व सहायक मदनराम के साथ मिलकर सैन्य कर्मियों को प्लॉटिंग के फर्जी नक्शे दिखाकर झांसे में लेती थी। उसके बाद आरोपी पीड़ित ने रकम लेकर प्लॉट का बैनामा उनके नाम कर देता था। पीड़ित सैन्यकर्मियों को न तो प्लॉट मिलता था और न रकम मिलती थी। आरोपी सीमा के खिलाफ मोहनलालगंज कोतवाली में छह मामले दर्ज हैं। एसीपी ने बताया कि आरोपी सीमा को इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह व उनकी टीम ने निलमथा इलाके से बुधवार को दबोच लिया। आरोपी विनोद की तलाश में पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

वहीं, कंपनी और निदेशकों के खिलाफ मोहनलालगंज रहने वाले तहसीलदार सिंह 13 लाख रुपये, प्रयागराज निवासी शैलेंद्र सिंह ने 16 लाख रुपये और बिहार निवासी सुनीता देवी ने 11 लाख रुपये ठगी का आरोप लगाया है। तीनों की तहरीर के आधार पर निदेशक प्रमोद उपाध्याय, विनोद उपाध्याय उनके भाई प्रभात, पत्नी सीमा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

नर्सेस को नहीं मिल पा रहा एसीपी का लाभ

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग ने नर्सिंग संवर्ग एसीपी का लाभ दिए जाने के लिए अस्पताल प्रशासन और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों से सेवारत नर्सिंग कर्मियों की प्रमाणित सेवा पुस्तिका और गोपनीय प्रविष्टियां उपलब्ध कराने के दोबारा निर्देश जारी किए हैं। साथ ही खेद भी व्यक्त किया है कि पूर्व में भी मांगे जाने के बावजूद कार्रवाई अग्रसारित नहीं की गयी है। दूसरी तरफ नर्सिंग कर्मियों का कहना है कि विभागीय खामियों दिखाकर साल 2023 के बाद से लाभ नहीं दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग में सेवारत नर्सिंग कर्मियों को नौकरी शुरू करने बाद 10 साल, 16 साल और फिर 26 साल पूरे करने पर एसीपी प्रदान कर वित्तीय लाभ दिया जाता है। राजकीय नर्सेस संघ, उप्र. के महामंत्री अशोक कुमार का कहना है कि नर्सेस का आर्थिक नुकसान हो रहा है। स्वास्थ्य महानिदेशक उप्र. डॉ. रतन पाल सिंह सुमन ने कहा कि सेवा पुस्तिकाएं एवं प्रमाण पत्र मिलते ही नर्सेस को एसीपी का लाभ मिल जाएगा।

मरीजों की जान बचाने में एनस्थीसिया विशेषज्ञों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- केजीएमयू में एमडी छात्रों के लिए कार्यशाला शुरू

अमृत विचार : ऑपरेशन थियेटर (ओटी) में मरीजों की जान बचाने में एनस्थीसिया विशेषज्ञों की अहम जिम्मेदारी है। अब ऑपरेशन से पहले बेहोशी देना ही एनस्थीसिया विशेषज्ञ का काम नहीं है। आईसीयू-वेंटिलेटर पर भर्ती मरीजों की सेहत की निगरानी व इलाज करना भी एनस्थीसिया विशेषज्ञ का काम है। एनस्थीसिया विशेषज्ञों को सभी प्रकार की बीमारियों के इलाज की जानकारी होना जरूरी है। यह सलाह ट्रॉमा सेंटर के सीएमएस व एनस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. प्रेमराज सिंह ने दी। वह बुधवार को केजीएमयू में प्रदेश भर के एमडी छात्रों के लिए शुरू हुए पांच दिवसीय गहन शिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने की।

डॉ. प्रेमराज सिंह ने कहा कि एनस्थीसिया विशेषज्ञों की जिम्मेदारी लगातार बढ़ रही है। आईसीयू-वेंटिलेटर पर भर्ती मरीजों की सेहत की निगरानी से लेकर इलाज तक एनस्थीसिया विशेषज्ञ कर रहे हैं। कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने कहा कि एमडी विद्यार्थियों को पुराने अनुभवों के साथ ही होने वाले नए शोध से भी सीख लेनी चाहिए। आयोजक सचिव डॉ. मनीष सिंह ने कहा कि आधुनिक इलाज की तकनीक व शोध को शामिल कर कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई है। इसमें प्रदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ व्याख्यान हो रहे हैं। उनके अनुभव नए छात्र-छात्राओं को फायदा होगा। मरीजों के हितों को देखते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

चेन छीनकर भाग रहे बदमाश को दबोचा

संवाददाता, सरोजनीनगर

- राहगीरों ने धुनाई कर किया पुलिस के हवाले

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के तपोवनगर इलाके में मंगलवार देर शाम ड्यूटी से पैदल जा रही महिला की चेन बदमाश ने लूट ली। शोर होने पर राहगीरों ने दौड़ाकर लुटेरे को धर दबोचा। बाद में धुनाई कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया।

अवध विहार कॉलोनी में रहने वाले सचिन कनौजिया की पत्नी संगीता कनौजिया एयरपोर्ट पर प्राइवेट जॉब करती हैं। मंगलवार देर शाम करीब 7 बजे संगीता ड्यूटी से पैदल ही घर जा रही थी। रास्ते में तपोवन नगर स्थित शेखमीर शाह बाबा मजार के पास अचानक पीछे से एक युवक ने झपट्टा मारकर सोने की चेन लूट ली। घटना अंजाम देने के बाद लुटेरा भागने लगा। संगीता शोर मचाते हुए पीछे दौड़ी। शोर सुनकर राहगीरों ने लुटेरे को दौड़ाकर पकड़ लिया। आरोपी की धुनाई कर सरोजनीनगर हवाले कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

तीसरी बार अध्यक्ष बने डॉ. केके सिंह

केजीएमयू शिक्षक संघ के छह पदों पर निर्विरोध निर्वाचित हुए पदाधिकारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सिर्फ दो पदों पर ही होगा चुनाव पहली अगस्त को मतदान

अमृत विचार : केजीएमयू शिक्षक संघ के तीसरी बार डॉ. केके सिंह का अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होना तय है। किसी ने उनके विरुद्ध दावेदारी नहीं की है। संघ के छह पदों पर निर्विरोध निर्वाचन होगा। सिर्फ दो पदों पर ही चुनाव होगा।

बुधवार को नामांकन प्रक्रिया पूरी हुई। उसके बाद उपाध्यक्ष (चिकित्सा) और संयुक्त सचिव (चिकित्सा) को छोड़ अन्य सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन का रास्ता साफ हो गया है।

महामंत्री पद पर डॉ. संतोष कुमार और कोषाध्यक्ष पद पर डॉ. भास्कर अग्रवाल भी लगातार तीसरी बार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। शिक्षक संघ के चुनाव की प्रक्रिया पहली अगस्त को प्रस्तावित है। गुरुवार व शुक्रवार को नाम वापस लेने की अंतिम तारीख है। अगर उपाध्यक्ष (चिकित्सा) और संयुक्त सचिव (चिकित्सा) पद के प्रत्याशियों में किसी ने नाम वापस नहीं लिया तो फिर पहली अगस्त को मतदान होगा। रिटर्निंग ऑफीसर डॉ. शैलेंद्र यादव ने बताया कि सभी

डॉ. केके सिंह

पदाधिकारियों का कार्यकाल तीन साल रहेगा।

ये पद निर्विरोध

अध्यक्षः डॉ. केके सिंह, उपाध्यक्ष (दंत चिकित्सा) डॉ. रमेश भारती, सचिव डॉ. संतोष कुमार, संयुक्त सचिव (दंत चिकित्सा) डॉ. रघुवीर दयाल सिंह, डॉ. शुचि त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष डॉ. भास्कर अग्रवाल, संयुक्त कोषाध्यक्ष चिकित्सा डॉ. कुमार राहुल, दंत चिकित्सा डॉ. निशि सिंह का निर्वाविरोध चुना जाएगा।

इन पदों पर होना है मतदान

उपाध्यक्ष (चिकित्सा) के दो पद हैं। इन पर डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. जेडी रावत, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. हैदर अब्बास मैदान में हैं। संयुक्त सचिव (चिकित्सा) के चार पद हैं। इनमें डॉ. अजय कुमार पाल, डॉ. वैभव, डॉ. सुरुचि शुक्ला, डॉ. आयुष शुक्ला, डॉ. शीतल वर्मा उम्मीदवार हैं।

साढ़े चार किलो गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : अलीगंज पुलिस से गांजा की तस्करी करते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से करीब साढ़े चार किलो गांजा व तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की गयी है।

एसीपी अलीगंज धर्मेंद्र रघुवंशी ने बताया कि सेक्टर-ई ईदगाह स्थित कूड़ाघर के पास से स्कूटी सवार दो युवकों को पकड़ा गया। आरोपी अभिषेक मौर्य निवासी सीतापुर हालपता ग्राम बेहटा गुडंबा और अजय कश्यप निवासी लखीमपुरखीरी हालपता पल्टन छावनी मड़ियांव के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

घुटने के दर्द से महज 46 मिनट में दिलाई निजात

केजीएमयू के चिकित्सकों ने पांच सेंटीमीटर का चीरा लगाकर महिला के घुटने का किया प्रत्यारोपण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : सुलतानपुर की 52 वर्षीय महिला बीते दो सालों से घुटने के दर्द से परेशान थी। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के डॉक्टरों ने माइक्रोप्लास्टी तकनीक का इस्तेमाल कर महिला का घुटना (पार्शियल नी रिप्लेसमेंट) बदल कर उसे दर्द से निजात दिलाने में सफलता हासिल की है। सर्जरी करने में डॉक्टरों को महज 46 मिनट का समय लगा है। इतना ही नहीं घुटना प्रत्यारोपण की इस प्रक्रिया में केवल पांच सेंटीमीटर का चीरा लगाया गया, जिसकी वजह से 24 घंटे के भीतर ही मरीज को छुट्टी भी दे दी गई। आयुष्मान योजना के तहत इलाज होने से मरीज को कोई शुल्क भी नहीं देना पड़ा है।

घुटना प्रत्यारोपण के बाद महिला मरीज व सर्जरी करने वाली टीम। ● अमृत विचार

केजीएमयू के हड्डी रोग विभाग के वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. शैलेंद्र सिंह ने बताया, यह तकनीक पारंपरिक पूर्ण घुटना प्रत्यारोपण (टोटल नी रिप्लेसमेंट) के विकल्प के रूप में उभर रही है। यह तकनीक उन रोगियों के लिए यह वरदान है जिनके घुटने को एक सीमित भाग में नुकसान होता है। सर्जरी करने में डॉ. विनीता सिंह, डॉ. मनोज चौरसिया, प्रोफेसर एनेस्थीसिया डॉ. रवींद्र मोहन, एसोसिएट प्रोफेसर ऑर्थो डॉ. दीपक और डॉ. अंकुर मान की प्रमुख भूमिका रही।

क्या है माइक्रोप्लास्टी तकनीक

डॉ. शैलेंद्र सिंह ने बताया कि आधुनिक कंप्यूटर नेविगेशन व मिनिमल इनवेसिव सर्जरी (कम चीरा तकनीक) पर आधारित एक नई सर्जरी विधि है। इसमें सिर्फ घुटने के खराब हिस्से को हटाकर वहां कृत्रिम इम्प्लांट लगाया जाता है, जबकि बाकी संरचना को सुरक्षित रखा जाता है। उन्होंने कहा कि माइक्रोप्लास्टी तकनीक के जरिये मरीज के घुटने को पूरी तरह से बदलने के बजाय केवल उस हिस्से को ठीक करते हैं, जो खराब हुआ होता है। इससे मरीज की रिकवरी तेज होती है और यह जल्दी सामान्य जीवन में लौट सकता है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत पारेषण मण्डल–द्वितीय, उ0प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड, पारेषण भवन, विभूति खण्ड, निकट मंत्री आवास, गोमती नगर, लखनऊ

ई–निविदा सूचना, दिनांक– 24.07.2025, **निविदा संख्या एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण:** 1– ई–निविदा संख्या– वि0पारे0 मं0–द्वि0/ल0/31/2025–26 (निविदा खुलने की तिथि 23–08–2025) : विद्युत पारेषण खण्ड, उन्नाव के अन्तर्गत 132 के0वी0 बाँगरमऊ पर 02 नग 132 के0वी0 बे का निर्माण कार्य (132 के0वी मेन बस एवं ट्रांन्सफर बस के विस्तारीकरण एवं अन्य सम्बन्धित कार्य सहित) निविदा प्रपत्र अनुसार : धरोहर धनराशि रु0 16000/– निविदा प्रपत्र मूल्य रू0 590/– (18 प्रतिशत जी0एस0टी0 सहित), विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएँ वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेगीं। **''राष्ट्र हित में बिजली बचायें'' अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत पारेषण मण्डल– द्वितीय उ0प्र0पा0ट्रा0का0लि0, पारेषण भवन, एस0एल0डी0सी0 कैम्पस, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ– 226010, पत्रांक: 1209/वि0पारे0मं0–द्वि0/ल0/निविदा सं0 31/2025–26 दिनांक: 23.07.2025**

उ.प्र. पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या 24/25/26/ECTC/2025-26: अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु पृथक निविदा दो भागों (पार्ट– I टेक्निकल बिड एवम् पार्ट– II फाइनेंशियल) में आमंत्रित की जाती है। 24– **कार्य का नाम**:– 220 के0वी0 उपकेन्द्र, मल्लावाँ हरदोई पर 132 के0वी0 लाइन ''बे'' का जानपदीय निर्माण कार्य। कार्य की अनुमानित लागत :– रु. 48.92 लाख, कार्यावधि– 02 माह, 25– **कार्य का नाम**:– 132 के0वी0 उपकेन्द्र आँवला बरेली पर बिजनेस प्लान 2024–25 के अन्तर्गत निर्माणाधीन 33/11 के0वी0 उपकेन्द्रों की 33 के0वी0 लाइनों को ऊर्जीकृत करने हेतु 01 अदद् 33 के0वी0 बड़ा गांव ''बे'' के निर्माण से सम्बन्धित जानपदीय कार्य। कार्य की अनुमानित लागत:– रू. 13.87 लाख, कार्यावधि:– 02 माह। 26– कार्य का नाम:– 132 के0वी0 उपकेन्द्र, बिसौली बदाँयू पर बिजनेस प्लान 2024–25 के अन्तर्गत निमाणाधीन 33/11 के0वी0 उपकेन्द्रों की 33 के0वी0 लाइनों को ऊर्जीकृत करने हेतु 01 अदद 33 के0वी0 सराय बरौलिया ''बे'' के निर्माण से सम्बन्धित जानपदीय कार्य।, कार्य की अनुमानित लागत:– रू. 06.29 लाख, कार्यावधि:– 01 माह 15 दिन, उक्त निविदा की Technical Bid एवम् अन्य शर्ते तथा मात्रा बीजक इत्यादि का विस्तृत विवरण www.upptcl.org पर देखा जा सकता है एवम् http://etender.up.nic.in साइट पर देखा एवम् प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दिनांक 22.08.2025 को दोपहर 14:00 बजे तक साइट पर डाला/अपलोड किया जा सकता है तथा दिनांक 23.08.2025 को 15:00 बजे सार्वजनिक रूप से निविदायें खोली जायेगी। **''राष्ट्र हित में बिजली बचाए'' अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत जानपद पारेषण मण्डल, कक्ष सं. 223 से 226, प्रथम तल, पारेषण भवन, उ0प्र0 एस0एल0 डी0सी परिसर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ। संख्या 2353 – वि.जा.पा.मं.(ल.)/निविदा दिनांक: 23.07.2025**

IN THE COURT OF THE HON'BLE III ADDITIONAL DISTRICT JUDGE, SANGAREDDY.
I.A.NO. 156 OF 2025
IN
MVOP NO.85 OF 2023
BETWEEN:-
Ram Babu Singh
... Petitioner/Claimant
AND
Ruqshad & (02) others.
..Respondents/Respondents
To,
Ruqshad S/o Raisuddin, Aged: 23 years, Occ: Driver of Lorry bearing No.MH04GR-1394 R/o Bhidaha Rani Gunj Tq, Pratapgarh, U.P. State. (Respondent No.2)
Whereas the petitioner viz., Ram Babu Singh has filed the above case against you for claiming compensation on the account of injuries received by him in the motor vehicle accident. The court has issued Notices to you, but you have failed to appear before the Court as respondent. As such as per the orders of this Court the petitioner is ordered for steps to publish the notice Amrut Vichar Hindi Daily News Paper, Uttar Pradesh State and R.2
Therefore, this notice is hereby given to you to appear before the III ADDITIONAL DISTRICT COURT, SANGAREDDY either in person or through an advocate, on or before 5-8-2025 failing which the matter will be heard and decided in your absence and ex parte proceedings may be initiated.
BY ORDER OF THE COURT //
R Prabhakar, Advocate, Sangareddy.

सूचना

सूचित हो कि GANIYA SAMIR एवं GANIYA SAMEER दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरी पुत्री के हैं। भविष्य में उसे GANIYA SAMIR पुत्री SAMIR RAHMANI के नाम से जाना व पहचाना जाये। शादाब जहां (SHADAB JAHAN) पत्नी समीर रहमानी, नि.–541–R/1485, रिफा कालोनी, असियामऊ, चौक, लखनऊ–226003

सूचना

सूचित हो कि MADEEHA SAMIR एवं MADEEHA SAMEER दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरी पुत्री के हैं। भविष्य में उसे MADEEHA SAMIR पुत्री SAMIR RAHMANI के नाम से जाना व पहचाना जाये। शादाब जहां (SHADAB JAHAN) पत्नी समीर रहमानी, नि.–541–R/1485, रिफा कालोनी, असियामऊ, चौक, लखनऊ–226003

सूचना

मेरे आधार कार्ड में मेरे पति का नाम समीर रहमानी (SAMIR RAHMANI) दर्ज है, एवं मेरे पासपोर्ट में मेरे पति का समीर रहमानी (SAMEER RAHMANI) अंकित हो गया है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे पति के ही हैं। अतः मेरे पासपोर्ट में संशोधन कर SAMIR RAHMANI लिखा व पढ़ा जाये। शादाब जहां (SHADAB JAHAN) पत्नी समीर रहमानी, नि.–541–R/1485, रिफा कालोनी, असियामऊ, चौक, लखनऊ–226003

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD ADIL AZEEM से बदलकर MOHAMMAD ADIL रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-ALI AKBAR ADD-602/583, RAHMAT NAGAR BEGARIYA ANSHIK NEAR MADARSHA MADUL FIRDAUS, DUBAGGA DIST-LUCKNOW-227107 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम ALAM ARA BEGUM से बदलकर ALAM ARA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-RAFIUDDIN BUDHAN JOT PRANPUR TERHWA NAVABAD DIST-BALRAMPUR-271604(U.P)

सूचना

मै **ज्योति कनौजिया पत्नी अनूप कनौजिया, निवासी बंगाली टोला, तेलीबाग, दिलकुशा, लखनऊ, उत्तर प्रदेश–226002** की निवासिनी हूं। मेरी पुत्री का नाम कुछ जगह जागृति गलत लिखा है। सही नाम जागृति कनौजिया है। भविष्य में उसे जागृति कनौजिया के नाम से ही जाना और पहचाना जाना जाय।

सूचना

मैंने इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2023 में रुक्मणी देवी शिक्षा मन्दिर इंटर कालेज ग्योड़ी (महोबा) से उत्तीर्ण की थी, जिसकी प्रथम टी0सी0 में प्राप्त कर चुकी हूँ। **रश्मि पुत्री वरुण कुमार निवासी – ग्योड़ी (महोबा)**

सूचना

मैं **रमेश कुमार त्रिपाठी, पुत्र रामसुख त्रिपाठी, निवासी न्यू इन्द्रा बस्ती, बूढ़ादेवर, जिला गोंडा,** सूचित करता हूँ कि मेरे पुत्र अभय त्रिपाठी के हाईस्कूल विघालय कोड.70484 वर्ष 2022–2023 अनुक्रमांक.23159949 के अंकपत्र में पिता का नाम RAMESH TRIPATHI छपा है, जबकि वास्तविक नाम RAMESH KUMAR TRIPATHI है।

सूचना

मैने अपना नाम मोहम्मद शान MOHAMMAD SHANN से बदलकर शान मोहम्मद (SHAAN MOHAMAD) रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **शान मोहम्मद पुत्र श्री जुबैर अहमद छीपी दरियाबाद बाराबंकी (उ.प्र.)**

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD SHARIQ ANSARI से बदलकर MOHD SHARIQ ANSARI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHD UMAR ANSARI ADD-131/85 BEGUM PURWA T-P NAGAR DIST-KANPUR NAGAR-208023 (U.P)

सूचना

मैं **प्रीति मेहरा पत्नी सुशील मेहरा पता 118/272 कौशलपुरी गुमटी न 5, आर के नगर कानपुर नगर,** यह घोषणा करती हूँ कि मेरे पुत्र का नाम शुभ मेहरा से ईशान मेहरा हो गया है। हमेशा ईशान मेहरा ही रहेगा।

सूचना

सूचित हो कि मैंने मो0 रानीजोत, बड़गांव गोंडा स्थित आवास में अपना हिस्सा बेंच दिया है एवं मैंने बैंक से जो कर्ज ले रखा है उसकी अदायगी मुझे ही करनी है व समाज में मेरे द्वारा किए गए किसी भी कृत्य से व बैंक क़र्ज़ से मेरे भाई बैरागी पुत्र बुदधू लाल का कोई वास्ता सरोकार नहीं है। **प्रकाश चन्द्र पुत्र बु( ) लाल नि0 मो0 रानीजोत बड़गांव को0 नगर गोंडा वर्तमान पता – गेट नं0 78 नैपालापुर मो0 महमूदपुर सीतापुर**

सूचना

मैं **श्रीमती गुड्डी मिश्रा उम्र 50वर्ष पत्नी श्री राम आसरे मिश्र, निवासी सलेमपुर पतौरा लखनऊ,** यह घोषणा करती हूं कि दिनांक 21–03–2025 को एक बैग रास्ते में कहीं गिर गया है। बैग में मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड व पैन कार्ड के साथ एक भूखण्ड के कागजात (खसरा 785 का मिनजुमला स्थित ग्राम सलेमपुर पतौरा परगना काकोरी लखनऊ) भी था। तलाशने के बावजूद नहीं मिला, एफआईआर दर्ज करायी है।

सूचना

मेरे पति राजेश पुत्र सूबेदार नशे की लत के कारण अपना भला बुरा सोचने में असमर्थ है उनके द्वारा की गयी कृषि भूमि की बिक्री या विक्रय पत्र तहरीर गैरकानूनी व विधि शून्य मानी जायेगी। **श्रीमती राधा देवी पत्नी राजेश कुमार, निवासिनी– ग्राम ककवन, तहसील बिल्हौर जिला– कानपुर नगर**

सूचना

मेरी भारतीय जीवन बीमा निगम की पालिसी संख्या:– 218407415 में मेरा नाम कृष्णा गुप्ता पुत्र सर्वेश कुमार गुप्ता दर्ज है। जबकि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम अथर्व गुप्ता पुत्र सर्वेश कुमार गुप्ता लिखा है। उपरोक्त कृष्णा गुप्ता और अथर्व गुप्ता दोनों मेरे ही नाम हैं। मुझे उपरोक्त दोनों नामों से जाना व पहचाना जाए। **अथर्व गुप्ता पुत्र सर्वेश कुमार गुप्ता निवासी मोहल्ला –सरोजनी नगर लखनऊ रोड, कस्बा – बांगरमऊ, उन्नाव**

सिटी ब्रीफ

भाजपा नकारात्मक लोगों का समूह है

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि आस्था जोड़ने का काम करती है, हम उसके साथ है। सपा सभी धर्मों का सम्मान करती है। हम लोग हर आस्था पर आस्था रखते हैं। भाजपा हर जोड़ने वाली चीज से चिढ़ती है। भाजपा नकारात्मक लोगों का समूह है। बीजेपी भेदभाव करती है। भाजपा नफरत की राजनीति करती है। सपा प्रमुख ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा पीडीए के खिलाफ है। सपा सरकार में बुनकरों और पसमांदा मुसलमानों के लिए जो काम हुए थे, भाजपा सरकार ने सब रोक दिए। समाजवादी पीडीए से सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बिजली की स्थिति बहुत खराब है। भाजपा सरकार ने बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए कोई काम नहीं किया।

अखिलेश।

कैंसर के इलाज में आधुनिक तकनीक के विस्तार पर किया मंथन

बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित हुई अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग कांफ्रेंस

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : कैंसर के इलाज में किस प्रकार से आधुनिक तकनीकों का विस्तार हो रहा है, इस पर मंथन करने के लिए बुधवार को बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग की ओर से एक दिवसीय इंटरनेशनल नर्सिंग कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक उन्नत ऑन्कोलॉजी नर्सिंग में क्रांतिकारी सफलता और प्रेरित नवाचार रहा।

कांफ्रेंस का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीआईयू के कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक अग्रवाल, कुलपति डॉ. लता अग्रवाल और प्रति कुलपति डॉ. किरन अग्रवाल ने दीप प्रज्जवलित कर किया। वहीं, विशिष्ट अतिथियों में रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रजनीश पठानिया व नर्सिंग अधीक्षक पूनम आजाद भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की

रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग की ओर से आयोजित इंटरनेशनल नर्सिंग कॉन्फ्रेंस में उपस्थित अतिथि। ● अमृत विचार

● नर्सिंग कॉलेजों के 500 से अधिक प्रतिनिधियों और छात्रों ने किया प्रतिभाग

शुरूआत मां सरस्वती की वंदना से की गई। कॉन्फ्रेंस में उपस्थित सभी अतिथि वक्ताओं का स्वागत रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रधानाचार्या डॉ. प्रियंका ए मसीह ने किया। डॉ. प्रियंका ने बताया कि कांफ्रेंस में देश विदेश के 18 कॉलेजों के प्रतिनिधि और विद्यार्थियों समेत 500 लोगों ने हिस्सा लिया।

मुख्य अतिथियों ने सोविनियर पुस्तिका का विमोचन किया। हाल ही में कैंसर की सफलता विषय पर आयोजित सत्रों में रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग की एसोसिएट प्रोफेसर प्रिंसिया रोलिटा डीसूजा, बनारस बीएचयू की प्रोफेसर डॉ. सिवाशंकरी सोमासुंदरम, युनाइटेड किंगडम से आईं न्यूरोसांइसेस लर्निंग इनवायरमेंट मैनेजर सोनिया अनूप राज और रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के क्लीनिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. सिद्धार्थ अरोरा व आदि ने उन्नत ऑन्कोलॉजी नर्सिंग में क्रांतिकारी सफलता और प्रेरित नवाचार के बारे में विचार व्यक्त किये। कान्फ्रेंस में रिसर्च पेपर सत्र का आयोजन हुआ। इसमें विभिन्न कॉलेजों के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। वहीं, जजों की भूमिका में दीपमाला कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रधानाचार्य कविता शर्मा, शाहजहांपुर के फ्लोरेंस नाइटेंगल कॉलेज ऑफ नर्सिंग की असिस्टेंट प्रोफेसर जेनिफर सिंह, रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग के एसोसिएट प्रोफेसर मयंक कुमार और एसोसिएट प्रोफेसर पारसराम ने निभाई।

कांफ्रेंस के समापन में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तसलीम खान, रोहिलखंड कॉलेज नर्सिंग की उप-प्रधानाचार्या डॉ. अनीथा पी ने वक्ताओं एवं निर्णायकों को स्मृति चिन्ह एवं सर्टिफिकेट प्रदान किए। कार्यक्रम के आयोजनकर्ता में डॉ. मेहव खानम, दीपक कुमार सैम्पसन शिखा सिंह व संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर शिखा सिंह ने किया। प्रोफेसर डॉ वेल्लादुरई नारायनन, डॉ. लिन्थोईगाम्बी देवी, सानिया देवी, एल प्रियालता, गुंजन सिंह, वैभव सिंह, प्रियंका कश्यप, अश्विनी सिंह, अनीशा सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में आरसीएन का रहा दबदबा

डॉ. प्रियंका ए मसीह ने बताया कि रिसर्च पेपर प्रजेंटेशन (फैकल्टी) में प्रथम स्थान पर रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग की नर्सिंग ट्यूटर महिमा सिंह रहीं। इसी प्रतियोगिता के विद्यार्थी श्रेणी में प्रथम स्थान पर रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग की बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा सिमरन माहेश्वरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रजेंटेशन प्रतियोगिता के (विद्यार्थी वर्ग) में प्रथम स्थान पर बरेली के क्लारा स्वान कॉलेज की छात्रा सिमरन पाठक और द्वितीय स्थान पर रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग की छात्रा बबीता रहीं। इसके साथ ही पोस्टर प्रजेंटेशन (फैकल्टी) में प्रथम स्थान पर रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग की नर्सिंग ट्यूटर अंजू सिंह व द्वितीय स्थान पर मुरादाबाद के टीएमयू नर्सिंग कॉलेज की आरुषी सक्सेना रहीं। विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

इमाम हुसैन की मिसाल नूह की कश्ती जैसी है

अमृत विचार, लखनऊ : कर्बला के शहीदों की याद में दरगाह हजरत अब्बास में मौलाना कल्बे अहमद नकवी ने मजलिस को खिताब किया। उन्होंने कहा कि हजरत रसूले खुदा ने कहा है कि मेरे हुसैन की मिसाल जनाबे नूह की कश्ती जैसी है, जो इसमें सवार हो गया उसको निजात मिल गयी।

मजलिस के बाद अंजुमनों ने नौहाख्वानी और सीनाजनी की। इस मौके पर दरगाह परिसर में ताबूत, हजरत अब्बास का अलम, हजरत अली असगर का झूला और जुलजनाह की जियारत कराई गई। अमीनाबाद स्थित पड़ाइन की मस्जिद में मौलाना मीसम जैदी ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन का किरदार ऐसा था कि हुर यजीद की फौज को छोड़कर इमाम के लश्कर में शामिल हो गए।हसनपुरिया स्थित इमामबाड़ा असगर हुसैन-कमर हुसैन में औन रिज़वी ने मर्सिया पेश किया। डालीगंज स्थित इरादतनगर में काजमी साउंड की ओर से हुई मजलिस को मौलाना आजम सुल्तानपुरी ने खिताब किया।

गोवंश को खिलाया गुड़-चना, देखी गोशालाओं की व्यवस्था

राधा उपवन व कान्हा उपवन गोशाला पहुंचे महापौर और नगर आयुक्त

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बुधवार को जरहारा इंदिरा नगर स्थित राधा उपवन गोशाला और नादरगंज सरोजनी नगर स्थित कान्हा उपवन गोशाला का निरीक्षण किया। दोनों गोशाला में 10 हजार से अधिक गोवंश संरक्षित हैं। महापौर और नगर आयुक्त ने गोवंश को गुण-चना खिलाने के साथ रखरखाव, चारा पानी, चिकित्सा, सफाई तथा सुरक्षा आदि व्यवस्था भी देखी। कान्हा उपवन विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों को भी प्रोत्साहित किया। महापौर ने नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को निःशुल्क स्टेशनरी भी उपलब्ध कराई जाए। नगर आयुक्त ने श्वान बंध्याकरण केंद्र और निर्माणाधीन एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) ट्रेनिंग सेंटर के निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कर प्रशिक्षण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इंदिरा प्रियदर्शिनी वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि राम कुमार वर्मा, अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव, पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा भी साथ रहे।

कान्हा उपवन गोशाला में गाय को गुड़ खिलाते नगर आयुक्त साथ में महापौर।

मोबाइल वेटरनिरी यूनिट को झंडी दिखाते सीडीओ अजय जैन व सीवीओ डॉ. सुरेश कुमार।

पशुओं के टीकाकरण के लिए डॉक्टरों की टीम रवाना

अमृत विचार, लखनऊ : पशुओं को खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) रोग से बचाने के लिए जिले में टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया गया है। बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन ने विकास भवन में हरी झंडी दिखाकर चिकित्सकों की टीमें क्षेत्रों के लिए रवाना की। ये टीमें 45 दिन गांव-गांव जाकर पशुओं का निशुल्क टीकाकरण करेंगी। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश कुमार ने चिकित्सकों को अभियान के तौर-तरीके बताए। उन्होंने बताया कि जिले में 4,50,900 पशुओं का टीकाकरण करने का लक्ष्य है। इसे समय पर पूरा करना है। किसी तरह की शिकायत मिलने पर संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी। नोडल/संयुक्त निदेशक डॉ. एसके राय व पॉलीक्लीनिक अधीक्षक डॉ. आरएस मिश्रा, डॉ. सुनील आदि रहे।

सांप के डसने से दो बच्चों की मौत

संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार। अलग-अलग क्षेत्र में सांप के काटने से 10 वर्षीय व 12 वर्षीय दो बच्चों की मौत हो गई। पहली घटना में मझिला थाने के रामपुर कोड़ा निवासी नन्हेलाल की तीन बेटियों में 10 वर्षीय रामप्रकाश इकलौता बेटा था। मंगलवार की रात वह बड़ी बहनों के साथ घर की छत पर सो रहा था। उसी बीच उसे सांप ने काट लिया। परिजन झाड़-फूंक के लिए उसे थमरवा ले गए। हालत में सुधार न होने पर उसे मेडिकल कालेज ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। इसके अलावा कोतवाली देहात के चरौली निवासी चेतराम का 12 वर्षीय बेटा राहुल सोमवार को घर में काम कर रहा था, तभी उसे सांप ने काट लिया, झाड़-फूंक के दौरान मंगलवार को उसकी मौत हो गई।

बैठक में उपस्थित इंश्योरेंस पेंशनर्स के सदस्य। अमृत विचार

इंश्योरेंस पेंशनर्स की बैठक आयोजित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: भारतीय मजदूर संघ के स्थापना दिवस पर इंश्योरेंस पेंशनर्स की बैठक इंदिरा नगर स्थित अरुण कुमार तिवारी के आवास पर हुई। इसकी शुरुआत श्रमिक गीत से हुई। भारतीय मजदूर संघ की स्थापना, श्रमिकों के हितों के लिए किए गए कार्यों और विशेष रूप से भारतीय जीवन बीमा निगम से जुड़े पेंशनर्स के मुद्दों पर चर्चा की गई। अध्यक्ष सीएन पांडे ने संघ के कार्यों की जानकारी दी। पेंशन, मेडिक्लेम और अन्य समस्याओं के समाधान पर जोर दिया गया। संचालन सचिव डीसी राठौर ने और धन्यवाद प्रस्ताव आरके लाल ने पारित किया।

ट्रक ने बाइक सवार दंपति को मारी टक्कर, पति की गई जान

बाइक समेत युवक को 100 मीटर तक घसीट ले गया ट्रक चालक

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। बाइक सवार दंपति को ट्रक ने टक्कर मार दी, टक्कर लगने से पत्नी उछलकर दूर जा गिरी लेकिन उसका पति बाइक सहित ट्रक में फंस गया, ट्रक चालक करीब 100 मीटर तक दोनों को घसीटते हुए चला गया, जिससे बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक फरार हो गया, पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लिया है। मृतक बाइक सवार की पत्नी को सीएचसी से उसे मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया।

बताया गया है कि पिहानी कोतवाली के गजुआखेड़ा निवासी 33 वर्षीय रत्नेश पुत्र चन्द्रभाल बुधवार की दोपहर अपनी 28 वर्षीय पत्नी अंजू को साथ ले कर बाइक से जहानीखेड़ा जा रहा था। रास्ते में मनिकापुर बाईपास पर भिठुआ मोड़ पर ट्रक ने टक्कर मार दी, टक्कर लगते ही अंजू उछल कर दूर जा गिरी, जबकि रत्नेश और उसकी बाइक

ट्रक के पहिए में फंसी हुई बाइक।

ट्रक के पहिए में फंस गई। ट्रक उन दोनों को घसीटते हुए करीब 100 मीटर दूर तक दौड़ा। उसके बाद ड्राइवर ट्रक छोड़ कर भाग गया। पत्नी अंजू की आंखों के सामने उसके पति रत्नेश की तड़प कर मौत हो गई। वहां पहुंची पुलिस ने शव और ट्रक को अपने कब्ज़े में लेते हुए अंजू को सीएचसी पहुंचाया, जहां से उसे मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

पेड़ से भिड़ी बाइक, युवक की मौत व साथी घायल

हरदोई, अमृत विचार। रिश्तेदारी में जा रहे युवकों की बाइक सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गई। जिससे एक की वहीं पर मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मेडिकल कालेज के डाक्टरों ने उसकी हालत बिगड़ती देख लखनऊ के हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। हरपालपुर थाने के ललुआमऊ निवासी संजय (26) पुत्र रामनिवास मंगलवार को अपने गांव के सुमित (25) पुत्र मिथिलेश के साथ बाइक से रिश्तेदारी में जा रहा था। रास्ते में जोधनपुरवा के पास बाइक पेड़ से टकरा गई। जिसमें संजय की वहीं हो गई। जबकि घायल सतीश को मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, जहां से उसे हायर सेंटर के लिए लखनऊ रेफर कर दिया गया। संजय तीन भाइयों में बड़ा था। उसकी छोटी एक बहन है। परिवार में पत्नी साधना और एक बेटा अनूप है।

गला रेतकर वृद्ध की हत्या, दरवाजे पर पड़ा मिला शव

अमृत विचार, हरदोई : गांव के घर में अकेले रहकर खेती किसानी कर रहे बुजुर्ग की गला रेतकर हत्या कर दी गई। पड़ोसियों ने सुबह दरवाज़े पर उसका शव पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। एएसपी पश्चिमी मार्तण्ड प्रकाश सिंह, सीओ हरपालपुर सत्येंद्र सिंह व लोनार पुलिस हत्या की जांच में जुट गई है।

लोनार थाने के मुग़लापुर मजरा नस्यौली गोपाल निवासी राजकुमार सिंह उर्फ छोटे भइया (60) गांव में अकेला रहता था। उसका भाई कृष्ण कुमार सिंह परिवार के साथ नोएडा में रहता है। बताते हैं कि राजकुमार की शादी नहीं हुई थी, वह अकेला रहकर गांव में खेती-बाड़ी करता था। मंगलवार की रात ग्रामीणों ने उसे अपने घर में ठीक हालत में देखा था। बुधवार की सुबह पड़ोसियों ने देखा कि राजकुमार का लहुलुहान शव उसके दरवाज़े पर पड़ा था। कुछ दूरी पर उसकी चारपाई भी पड़ी थी। ग्रामीणों के अनुसार उसकी गला रेतकर हत्या की गई थी।

लोडर की टक्कर से गई युवक की जान

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

● पिता की गुमटी के बाहर सफाई करते समय हुआ हादसा

अमृत विचार: पिता की गुमटी के बाहर सफाई करते समय तेज रफ्तार लोडर की टक्कर से युवक की मौत हो गई। हादसे की खबर मिलने से परिजन बेहाल हैं। अस्पताल के मेमो पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द किया है।

बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के सिकंदरपुर कर्ण गांव निवासी विनीत कुमार (24) पुत्र विनोद चतुर्वेदी साइकिल से फेरी लगाकर कपड़े बेचता था। पिता विनोद भी गांव के बाहर उन्नाव-लालगंज हाईवे की सर्विस लेन पर गुमटी रखे है। जिसमें वह गमछे व अंडर गारमेंट बेचते हैं। फेरी लगाने के साथ विनीत पिता का भी हाथ बंटाता था। मंगलवार सुबह वह गुमटी के बाहर झाड़ू लगा रहा था तभी एक लोडर ने उसे टक्कर मार दी। इसमें उसके सिर पर गंभीर चोटें आ गईं। परिजन पहले उसे 100 बेड अस्पताल फिर वहां से जिला अस्पताल लाए। लेकिन हालत अधिक गंभीर होने से उसे कानपुर के कल्याणपुर में एक निजी अस्पताल ले जाया गया। देरशाम उसे वहां के डॉक्टर ने लखनऊ ट्रामा सेंटर भेज दिया। परिजन उसे लखनऊ ले जा रहे थे तभी उसे तेज हिचकियां लेते देख परिजन जिला अस्पताल की इमरजेंसी पहुंचे। जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के मेमो पर शव मोर्चरी में रखवाया गया।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बच्चे की मौत

अमृत विचार, उन्नाव : थानाक्षेत्र के गांव हरदासपुर निवासी रामबाबू का 11 वर्षीय बेटा अखिलेश मंगलवार रात नौ बजे दुकान से सामान लेकर घर लौट रहा था। रास्ते में गांव के एक बाइक सवार युवक ने तेज गति से उसे टक्कर मार दी। जिससे अखिलेश गंभीर घायल हो गया। परिजन उसे कानपुर के हैलेट अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वह तीन भाई व दो बहनों में बड़ा था। अखिलेश की मौत से मां माया सहित परिजन रो-रोकर बेहाल हैं। बुधवार को परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि टक्कर मारने वाली बाइक को कब्जे में लिया गया है। उधर, लखनऊ के काकोरी थानाक्षेत्र के पानखेडा गांव निवासी संजय (20) पुत्र दयाराम ने मंगलवार को नई बाइक खरीदी थी। उसी से वह गांव निवासी दोस्त सोनू (18) पुत्र सुदेश कुमार के साथ गंगा स्नान करने कानपुर के बिठूर गया था। जहां से रात 11 बजे लौटते समय बिठूर-लखनऊ मार्ग पर माखी थानाक्षेत्र के चकलवंशी चौराहे पर हरदोई से उन्नाव जा रहे ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर घायल संजय की मौत हो गई।

खनन विभाग के पास दो बाहरी व्यक्ति रिश्वत लेते गिरफ्तार

कार्यालय, संवाददाता उन्नाव

● एंटी करप्शन टीम ने की कार्रवाई वरिष्ठ बाबू हिरासत में

अमृत विचार: एंटी करप्शन टीम ने बुधवार को उन्नाव कलेक्ट्रेट स्थित खनन विभाग कार्यालय के बाहर से 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए दो बाहरी व्यक्तियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। टीम ने इसके बाद जांच-पड़ताल की और विभाग के एक वरिष्ठ बाबू को भी पूछताछ के लिए सदर कोतवाली ले गई।

बात दें कि लखनऊ उत्तरी की 12 सदस्यीय एंटी करप्शन टीम ने खनन विभाग में गंगा एक्सप्रेसवे और लखनऊ-कानपुर की पीएनसी से संबंधित अभिलेखीय कामकाज देखने वाले अमित कुमार और रजनीकांत शर्मा नामक दो व्यक्तियों को एक वाहन स्वामी से 20 हजार रुपये लेते हुए पकड़ा। ये दोनों विभाग के बाहरी कर्मचारी बताए जा रहे हैं, जो गंगा एक्सप्रेसवे और पीएनसी से जुड़ी फाइलों का रखरखाव करते थे। यह मामला तब सामने आया जब लखनऊ के एक वाहन स्वामी की सात खनिज वाहन 16 जुलाई को बारासगवर में ओवरलोडिंग के आरोप में एआरटीओ द्वारा पकड़ी गई थीं। वाहन मालिक ने पेनाल्टी जमा कर दी थी, लेकिन खनन विभाग से आगे रिपोर्ट भेजने के नाम पर अमित और रजनीकांत ने उनसे 20 हजार रुपये की मांग की थी। रिश्वत लेते पकड़े जाने के बाद एंटी करप्शन टीम के आधे सदस्य दोनों आरोपियों को सदर कोतवाली ले गए, जबकि अन्य सदस्यों ने कार्यालय में लगभग एक घंटे तक दस्तावेजों की छानबीन की और मौजूद बाबुओं से बंद कमरे में पूछताछ की। इसके बाद टीम ने विभाग के वरिष्ठ बाबू संतोष कुमार कुशवाहा को भी पूछताछ के लिए अपने साथ ले गए हैं। वहीं विभागीय अधिकारियों के अनुसार संतोष को केवल पूछताछ के लिए ले जाया गया है।

वहीं खनन अधिकारी केबी सिंह ने पुष्टि की है कि पकड़े गए अमित कुमार और रजनीकांत शर्मा दोनों बाहरी व्यक्ति हैं। वहीं एंटी करप्शन टीम के निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि मामले की जांच चल रही है और केस दर्ज होने पर आगे की जानकारी दी जाएगी। इस घटना के बाद खनन विभाग कार्यालय में हड़कंप मच गया।

ये था मामला: लखनऊ निवासी एक वाहन स्वामी के सात वाहन खनिज के लिए चलते हैं। 16 तारीख को बारासगवर में एआरटीओ ने इनकी गाड़ियां ओवर लोडिंग में पकड़ी थी। वाहन पकड़े जाने के बाद वाहन मालिक ने एआरटीओ वाली पेनाल्टी जमा कर दी थी। इसके बाद खनन विभाग से जाने वाली रिपोर्ट के नाम पर बाहरी व्यक्ति अमित व रजनीकांत ने 20 हजार रुपये की मांग की थी। वाहन मालिक से यही दोनों व्यक्तियों को एंटी करप्शन ने रुपये लेते हुए धर लिया और बड़े बाबू को भी अपने साथ ले गई है।

चल रहीं तैयारियां | लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में प्रस्तावित है मुख्यमंत्री का दौरा

सीएम के संभावित दौरे के चलते अफसरों ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

संवाददाता, नवाबगंज उन्नाव

अमृत विचार: चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित दौरे को लेकर चल रही तैयारियों का जायजा लेने जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी बुधवार को सभास्थल पर पहुंचे। जिलाधिकारी, सीडीओ व एसपी ने संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

लखनऊ-कानपुर राजमार्ग स्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में आने वाले दिनों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दौरा प्रस्तावित है। जिसे लेकर यूनिवर्सिटी परिसर में तैयारियां तेज हैं। जिलाधिकारी गौरांग राठी, सीडीओ कृति राज, एसपी दीपक

कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते डीएम, एसपी व अन्य। अमृत विचार

भूकर बुधवार दोपहर संभावित दौरे के चलते यूनिवर्सिटी में चल रही तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने यूनिवर्सिटी परिसर समेत सभास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और जिम्मेदारों को जरूरी निर्देश दिये। इस दौरान एडीएम सुशील कुमार गोंड व अमिताभ यादव, एएसपी अखिलेश सिंह, एसडीएम प्रज्ञा पांडेय, सीओ संतोष सिंह, तहसीलदार अविनाश चौधरी, ईओ अनिल कुमार, विद्युत विभाग से योगेन्द्र कुमार, अनिल त्रिपाठी व सौरभ कुमार, एसडीओ रुद्र प्रताप, जेई विष्णु कुमार, एडीओ मनोज कुमार, रोहित राणा आदि अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

कान्हा गोशाला में पालिकाध्यक्ष संग ईओ ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार : नगर पालिका गंगाघाट द्वारा नेतुआ के पास गगनीखेड़ा में संचालित कान्हा गोशाला में रखे गए गोवंशों की स्थिति का बुधवार को निरीक्षण किया गया। पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडेय और अधिशासी अधिकारी मुकेश मिश्रा ने गौशाला पहुंचकर चारा, पानी, साफ-सफाई और गोवंशों की देखरेख की व्यवस्था को परखा। निरीक्षण के दौरान गौशाला में करीब 333 गोवंश संरक्षित पाए गए। पालिकाध्यक्ष व ईओ ने भंडारण कक्ष का जायजा लिया, जहां भूसे और हरे चारे की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध मिली। दोनों अधिकारियों ने संतोष जताते हुए कर्मचारियों को निर्देश दिए कि गोवंशों को समय से चारा-पानी उपलब्ध कराया जाए और बारिश के दौरान उन्हें शेड के अंदर सुरक्षित रखा जाए। निरीक्षण के समय एक गाय बीमार मिली, जिस पर पालिकाध्यक्ष ने मौके पर मौजूद पशु चिकित्सक डॉ. लाल बहादुर से इलाज की जानकारी ली और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। एसवीएम प्रभारी अनूप शुक्ला सहित अन्य कर्मचारियों को साफ-सफाई व देखभाल को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

गोशाला का निरीक्षण करतीं पालिकाध्यक्ष और ईओ।

अमृत विचार

गुरुवार, 24 जुलाई 2025

"जितना हम दूसरों के साथ अच्छा करते हैं उतना ही हमारा हृदय पवित्र हो जाता है और भगवान उसमें बसता है।"

आर्थिक साझेदारी का अवसर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन यात्रा से पहले उम्मीद जताई कि यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ मुलाकात के दौरान दोनों देशों की आर्थिक साझेदारी को और बढ़ाने का अवसर मिलेगा। वास्तव में भारत और ब्रिटेन के बीच आधुनिक साझेदारी गहरे ऐतिहासिक संबंधों से और मजबूत हुई है। भारत-ब्रिटेन सहयोगात्मक संबंध विभिन्न क्षेत्रों में फैले हुए हैं, जिनमें असैन्य परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, रक्षा, आतंकवाद-निरोध, आर्थिक संबंध, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, शिक्षा और संस्कृति शामिल हैं। यूके यूएनएससीकी स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन करता है। इसके अलावा, यूके, यूरोपीय संघ, जी-8, जी-20 और अन्य वैश्विक संदर्भों में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मध्यस्थ है। दोनों देशों के बीच काफी लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं फिर भी, ब्रिटेन भारत का एक स्थाई साझेदार नहीं बन पाया। इसके विपरीत अमेरिका तथा फ्रांस जैसे देशों के साथ हाल के दिनों में संबंध काफी सामान्य हुआ। यानी दोनों पक्षों की साझेदारी को मजबूत करने की चाहत के बावजूद, भारत-यूके संबंध फ्रांस और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) जैसे अन्य पश्चिमी साझेदारों के साथ संबंधों की तुलना में पिछड़ते रहे। हालांकि, हाल के वर्षों में, यूके के भीतर तीव्र राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद, भारत के साथ संबंध बेहतर हुए है। 2004 में भारत और ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को सामरिक साझेदारी तक उन्नत किया गया, जो एक महत्वपूर्ण कदम था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने 6 मई, 2025 को भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के सफल समापन की औपचारिक घोषणा की। 4 मई 2021 को वर्चुअल मोड में भारत-यूके शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और यूके के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अगले 10 वर्षों के लिए सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एक नई और परिवर्तनकारी भारत-यूके 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' और एक महत्वाकांक्षी भारत यूके रोडमैप 2030 पर सहमति व्यक्त की थी। भारत और ब्रिटेन ने 4 मई 2021 को प्रवासन और गतिशीलता साझेदारी (एमएमपी) समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच कार्यरत पेशेवरों की तीव्र आवाजाही को संबोधित करना है। भारत और ब्रिटेन ने 21 जुलाई 2022 को शैक्षणिक योग्यताओं की पारस्परिक मान्यता पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिससे दोनों देशों के बीच शिक्षा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। ब्रिटेन यूरोप का एक प्रमुख शक्ति-केंद्र है, इसी कारण उसका झुकाव 'हिंद-प्रशांत क्षेत्र' की तरफ भी है। फलतः भारत के साथ उसका सहयोग स्वाभाविक है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभुत्त्व को प्रतिसंतुलित करने तथा क्षेत्रीय संतुलन को बरकरार रखने के लिए भारत को भी व्यापक सहयोग की आवश्यकता है, ऐसे में ब्रिटेन भारत के लिए महत्वपूर्ण सहयोगी साबित हो सकता है। आशा की जा सकती है, प्रधानमंत्री की यह यात्रा दोनों देशों में समृद्धि, विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य में सफल रहेगी।

प्रसंगवश

वी.वी गिरि के इस्तीफे से आया था राजनीति में भूचाल

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में उपराष्ट्रपति का इस्तीफा एक बेहद दुर्लभ और अप्रत्याशित घटना रही है। हाल ही में जगदीप धनखड़ के अचानक दिए गए इस्तीफे ने भी सियासी हलकों में हलचल मचा दी है, लेकिन यह पहली बार नहीं है जब देश के उपराष्ट्रपति ने अपना कार्यकाल अधूरा छोड़ दिया हो। इससे पहले 1969 में, उपराष्ट्रपति वी.वी गिरि ने न केवल अपना पद छोड़ा, बल्कि उनके इस फैसले ने भारतीय राजनीति को ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया जहां से कांग्रेस पार्टी के दो टुकड़े हो गए थे। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को एक नए राजनीतिक अवतार में देखा गया। यह वो वक्त था जब पार्टी के भीतर की टूटन देश के सबसे ऊंचे संवैधानिक पद को भी चीरकर निकल गई थीं।

1967 के आम चुनावों में कांग्रेस पार्टी को जबरदस्त झटका लगा था। देश में आर्थिक सुस्ती, दो युद्धों की मार और लगातार दो प्रधानमंत्रियों की मृत्यु से उपजे अस्थिर माहौल ने पार्टी की जड़ें हिला दी थीं। इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं, लेकिन कांग्रेस के भीतर 'सिंडिकेट' नामक गुट का बोलबाला था, जिसमें के. कामराज, निजलिंगप्पा, एस. निजलिंगप्पा, एस.के. पाटिल जैसे वरिष्ठ नेता शामिल थे। इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री तो बना दिया गया था, लेकिन उन्हें 'गुड़िया' कहकर आंका जाता था। एक ऐसा नेता जिसे वह अपनी मर्ज़ी से चला सके। लेकिन इंदिरा गांधी आखिर नेहरू जी की बेटी थी। वह धीरे-धीरे खुद को सिंडिकेट की छाया से बाहर निकालने लगीं। उन्होंने बैंक राष्ट्रीयकरण जैसे जनपक्षीय फैसलों से जनता के बीच अपनी अलग पहचान बनानी शुरू की जबकि दूसरी ओर सिंडिकेट देश में आर्थिक उदारीकरण और निजी पूंजी को बढ़ावा देने की नीति चाहता था।

आर .के जैन
लेखक

1969 में राष्ट्रपति ज़ाकिर हुसैन के निधन के बाद, उपराष्ट्रपति वी. वी गिरि कार्यवाहक राष्ट्रपति बने। नए राष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई तो कांग्रेस दो धड़ों में बंट गई। सिंडिकेट चाहता था कि नीलम संजीव रेड्डी को राष्ट्रपति बनाया जाए जबकि इंदिरा गांधी का झुकाव वी.वी गिरि की ओर था। वी.वी गिरि को श्रमिक आंदोलन में उनके योगदान और श्रमिकों के अधिकारों के लिए उनकी मजबूत वकालत के लिए जाना जाता था। सिंडिकेट ने पार्टी की ओर से रेड्डी का नाम फाइनल कर दिया था जिस पर इंदिरा ने सहमति तो जताई लेकिन फिर एक चुपचाप बगावत की स्क्रिप्ट तैयार हो गई। इंदिरा गांधी ने राजनिति मे भूचाल लाते हुए वी.वी गिरि को निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने का संकेत दे दिया। गिरि ने 20 जुलाई 1969 को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया, और राष्ट्रपति चुनाव की रेस में कूद पड़े। इंदिरा गांधी ने खुलेआम पार्टी अनुशासन तो नहीं तोड़ा, लेकिन पार्टी सांसदों से 'अंतरात्मा की आवाज' पर मतदान करने की अपील कर दी। जिनके लिए यही इशारा काफी था।

राष्ट्रपति चुनाव बेहद करीबी रहा। लेकिन वी.वी गिरि ने दूसरा वरीयता वोट मिलने के बाद संजीव रेड्डी को हरा दिया। इंदिरा गांधी की रणनीति सफल रही। उन्होंने अपने ही दल के अधिकृत प्रत्याशी को हरवा दिया। तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष निजलिंगप्पा और सिंडिकेट इस हार से तिलमिला उठे। उन्हें यकीन नहीं हुआ कि कांग्रेस जैसी विशाल पार्टी के भीतर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ऐसी बगावत कर दी थी। निजलिंगप्पा ने इंदिरा गांधी को उनकी इस बगावत के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया। इंदिरा गांधी ने भी देर नहीं की। उन्होंने अपने वफादार सांसदों और नेताओं के साथ 'कांग्रेस (आर)' यानी 'रिक्विजिशनिस्ट कांग्रेस' की स्थापना की। सिंडिकेट की कांग्रेस 'कांग्रेस (ओ)' यानी 'ऑर्गनाइजेशन कांग्रेस' बन गई। इंदिरा गांधी की कांग्रेस (आर) को भारी जन समर्थन मिला। आम जनता ने इंदिरा कांग्रेस को ही असली कांग्रेस माना। कांग्रेस के 705 सदस्यीय एआईसीसी में से 446 सदस्य उनके साथ आ गए, वहीं लोकसभा में 220 सांसदों का समर्थन भी उन्हें हासिल हो गया था। इस राजनीतिक जलजले ने भारतीय राजनीति को पूरी तरह बदल दिया था।

नकली वोटर से लोकतंत्र कैसे रहेगा असली

डॉ. रमेश ठाकुर
नई दिल्ली

दरअसल बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया काफी कमजोर और ढीली है। यह काम ज्यादातर लोगों द्वारा खुद फॉर्म भरने और फील्ड वेरिफिकेशन पर निर्भर करता है, जो अक्सर अधूरा या अनियमित होता है।

लोकतांत्रिक देश में चुनाव की पवित्रता उस बुनियादी भरोसे पर टिकी होती है जहां केवल वैध नागरिक वोट डालते हैं। लेकिन जब इस भरोसे की नींव मतदाता सूची ही अविश्वसनीय हो जाए तो पूरा लोकतांत्रिक ढांचा सवालों के घेरे में आ जाता है। बिहार को लेकर हाल ही में सामने आई एक जनसांख्यिकीय रिपोर्ट ने इसी आशंका की चेताया है। रिपोर्ट में यह संकेत मिला है कि राज्य की मतदाता सूची में लाखों ऐसे नाम दर्ज हैं, जिनका कोई जनसांख्यिकीय आधार नहीं है। ये न केवल प्रशासनिक उदासीनता का मामला है, बल्कि संभावित रूप से लोकतंत्र की निष्पक्षता पर गंभीर संकट की चेतावनी भी है।

डॉ. विद्यु शेखर और डॉ. मिलन कुमार द्वारा तैयार की गई 'जनसांख्यिकीय पुनर्निर्माण और मतदाता सूची में फुलावः बिहार में वैध मतदाता आधार का अनुमान' रिपोर्ट, विभिन्न सरकारी स्रोतों जिसमें 2011 की जनगणना, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े, सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम, राज्य आर्थिक सर्वेक्षण और प्रशासन के आधिकारिक आंकड़ों को शामिल किया गया है। इस अध्ययन में इन आंकड़ों के आधार पर बिहार में संभावित वैध मतदाताओं की संख्या का अनुमान लगाया गया है। चुनाव आयोग के अनुसार, 2024 के चुनावों के लिए बिहार में कुल 7.89 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं, लेकिन जनगणना और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित इस शोध का अनुमान है कि वैध मतदाताओं की संख्या केवल 7.12 करोड़ होनी चाहिए। इसका सीधा अर्थ है कि 77 लाख नाम ऐसे हैं, जिन्हें साफ-सुथरी और अद्यतन मतदाता सूची में जगह नहीं मिलनी चाहिए थी। यह फासला न तो सामान्य माना जा सकता है और न ही इसे मात्र तकनीकी चूक करार दिया जा सकता है। 77 लाख का यह अंतर राज्य की कुल मतदाता संख्या का लगभग 10 प्रतिशत है, जो किसी भी चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के लिए पर्याप्त है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह विसंगति राज्य के सभी हिस्सों में समान नहीं है, कुछ जिले तो ऐसे हैं जहां यह अंतर बेहद गंभीर स्तर तक पहुंच गया है। उदाहरण के लिए, दरभंगा में 21.5 प्रतिशत, मधुबनी में 21.4 प्रतिशत, मुज़फ्फरपुर में 11.9 प्रतिशत और राजधानी पटना में 11.2 प्रतिशत अतिरिक्त मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। मात्र तीन जिलों मधुबनी, दरभंगा और मुज़फ्फरपुर में ही लगभग 15 लाख ऐसे मतदाताओं के नाम दर्ज हैं, जिन्हें जनसांख्यिकीय तौर पर मौजूद नहीं होना चाहिए। कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि और मतदाता वृद्धि के आंकड़े एक-दूसरे से बिलकुल मेल नहीं खाते। उदाहरण के तौर पर शेखपुरा जिले की जनसंख्या 2011 से 2024 के बीच 2.22 प्रतिशत घटी है, लेकिन मतदाताओं की संख्या 11.7 प्रतिशत बढ़ गई। इसी तरह सीतामढ़ी की जनसंख्या में 11.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मतदाताओं की संख्या 29.3 प्रतिशत बढ़ गई। ऐसी विसंगतियां किसी स्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन का परिणाम नहीं हो सकतीं। ये आंकड़े या तो प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करते हैं या जानबूझकर किए गए हेरफेर की ओर।

दरअसल बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया काफी कमजोर और ढीली है। यह काम ज्यादातर लोगों द्वारा खुद फॉर्म भरने और फील्ड वेरिफिकेशन पर निर्भर करता है, जो अक्सर अधूरा या अनियमित होता है। कई बार इस तरह की खबरें आती हैं कि कई शहरी और अर्ध-शहरी इलाकों में घर-घर जाकर या तो अधूरी जांच होती है या होती ही नहीं है। इसके अलावा मतदाता सूची को मृत्यु पंजीकरण या प्रवासन से जुड़े सरकारी आंकड़ों से जोड़ने की कोई तात्कालिक व्यवस्था नहीं है। नतीजतन जो लोग गुजर चुके हैं या राज्य से बाहर चले गए हैं, उनके नाम भी वर्षों तक सूची में बने रहते हैं।

मतदाता सूची की इन विसंगतियों का कुछ दलों को सीधा फायदा होता है। बिहार की राजनीति लंबे समय से पहचान आधारित और जातीय वोट बैंक पर टिकी रही है। ऐसे में जब मतदाता सूची में संदिग्ध या फर्जी नाम बने रहते हैं, तो ये पार्टियां इसे अपने लिए 'बैकडोर वोटिंग' और चुनावी धांधली का जरिया बना लेती हैं। जब कभी सूची की सफाई की मांग उठती है, तो इसे "अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने" जैसा भावनात्मक मुद्दा बनाकर दबा दिया जाता है।

इस पूरे मामले का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि फर्जी मतदाताओं की इतनी बड़ी संख्या सीधे चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकती है। 2020 के विधानसभा चुनावों में बिहार की 243 सीटों में से 90 सीटें ऐसी थीं, जहां जीत-हार का अंतर 10,000 से कम वोटों का था। अब अगर हर विधानसभा क्षेत्र में औसतन 25,000 से 50,000 तक फर्जी नाम दर्ज हैं, तो यह निष्पक्ष चुनाव की सोच को ही सवालों के घेरे में डाल देता है। ऐसे में यह पूछना बिल्कुल जायज़ है कि क्या मतदाता सूची में मौजूद ये फर्जी नाम लोकतंत्र की आत्मा को भीतर से खोखला नहीं कर रहे? भले ही यह रिपोर्ट बिहार तक सीमित है, लेकिन इसका संदेश पूरे देश के लिए बेहद अहम है। इस संदर्भ में, चुनाव आयोग द्वारा बिहार में चलाया जा रहा स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन एक महत्वपूर्ण और समयोचित हस्तक्षेप है। इस पहल को केवल आंकड़ों की समीक्षा भर न मानकर, एक लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व की पूर्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। बिहार से उठी यह आवाज़ देशभर में मतदाता सूची की शुचिता और पारदर्शिता की माँग को नई ताक़त देती है, क्योंकि अगर मतदाता ही नकली हो गया, तो फिर लोकतंत्र असली कैसे रह पाएगा?

आमने

बिहार में एसआईआर के खिलाफ विपक्षी सांसदों के विरोध पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, यह मेरी समझ से परे है कि जब सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, तो कम से कम संसद तो चलने दें। विपक्ष हमेशा लोगों को गुमराह करने की कोशिश करता है।

सामने

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, चुनाव आयोग बिहार में वोटबंदी का काम कर रहा है। यह केवल पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की सहमति से ही हो सकता है। हम चाहते हैं कि पीएम मोदी एसआईआर की चर्चा में भाग लें।

धनखड़ का इस्तीफा: भाजपा मौन, विपक्ष मुखर क्यों

राधा रमण
वरिष्ठ लेखक

देश के 72 वर्षों के संसदीय इतिहास में जगदीप धनखड़ पहले सभापति और उपराष्ट्रपति रहे हैं जिनके खिलाफ विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। हालांकि तकनीकी खामियों की वजह से वह खारिज हो गया था।

भले ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वास्थ्य कारणों से दिया गया उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा स्वीकार कर लिया हो और गृह मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी हो लेकिन इस विषय पर भाजपा की चुप्पी और विपक्ष की मुखरता कुछ ऐसे सवालों को जन्म देती है जिसका जवाब आना बाकी है। जगदीप धनखड़ ने सोमवार को देर शाम स्वास्थ्य कारणों से राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा भेज दिया था। अपने इस्तीफे में धनखड़ ने लिखा कि 'चिकित्सकों की सलाह और स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देते हुए मैं संविधान के अनुच्छेद 67 (ए) के तहत तत्काल प्रभाव से उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे रहा हूं। मेरे कार्यकाल के दौरान महामहिम राष्ट्रपति से मिले सहयोग और शानदार कामकाजी संबंधों के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मैं प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री से मिला सहयोग व समर्थन अमूल्य था। उनसे मैंने बहुत कुछ सीखा। संसद के सभी सदस्यों से मुझे जो गर्मजोशी, भरोसा और स्नेह मिला उसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा और मेरी यादों में रहेगा।'

धनखड़ मंगलवार को न तो संसद पहुंचे और न ही विदाई समारोह में भाग लिया। बल्कि यह कहें कि परंपरा के तहत आयोजित किए जाने वाले विदाई समारोह का आयोजन ही नहीं किया गया। 74 वर्षीय जगदीप धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था। उन्होंने 10 जुलाई को एक कार्यक्रम में कहा था कि 'ईश्वर की कृपा रही तो वह 10 अगस्त 2027 को रिटायर हो जाएंगे। इससे पहले इस साल मार्च में उन्हें स्वास्थ्य कारणों से अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। पिछले दिनों उत्तराखंड में एक कार्यक्रम के दौरान भी उन्हें चक्कर आ गया था। लेकिन फिलहाल वह स्वस्थ और पूरी तरह सक्रिय थे। सोमवार को भी वह दिन में संसद आए थे और राज्यसभा की कार्यवाही में बतौर सभापति सम्मिलित थे। दोपहर बाद कार्यमंत्रणा समिति की बैठक बुलाई थी लेकिन संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू और राज्यसभा के नेता सदन जयप्रकाश नड्डा के गैरहाजिर रहने के कारण बैठक मंगलवार दोपहर तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। वह काफी देर तक दोनों नेताओं के बैठक में आने का इंतजार करते रहे। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने यह कहकर चौंका दिया कि वह शाम साढ़े सात बजे तक सभापति के साथ थे और वह पूरी तरह ठीक और खुशमिजाज लग रहे थे। फिर अचानक क्या हो गया कि रात 9 बजे उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। अगर उपराष्ट्रपति का स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो सरकार को उनका बेहतर इलाज कराना चाहिए। वजह स्वास्थ्य नहीं कुछ और है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए।

शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद संजय राउत ने कहा कि जगदीप धनखड़ का इस्तीफा स्वास्थ्य कारणों से नहीं बल्कि सत्ता के शीर्ष से टकराव की वजह से हुआ है। धनखड़ का इस्तीफा उन लोगों की नीयत पर गंभीर सवाल खड़े करता है जिन्होंने उन्हें उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचाया था। विपक्ष के कई सांसदों और नेताओं ने भी धनखड़ के इस्तीफे पर सरकार से सफाई मांगी है।

देश के 72 वर्षों के संसदीय इतिहास में जगदीप धनखड़ पहले सभापति और उपराष्ट्रपति रहे हैं जिनके खिलाफ विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। हालांकि तकनीकी खामियों की वजह से वह खारिज हो गया था। तब विपक्ष ने उनपर पक्षपाती होने और सरकार के रिमोट से चलने का आरोप लगाया था। राजनीति की चाल, चरित्र भी अजीब है।

आज वही विपक्ष जगदीप धनखड़ को ईमानदार, निष्पक्ष, काबिल और विपक्ष को सदन में संरक्षण देने वाला बता रहा है। राज्यसभा में निर्दलीय सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल कहते हैं कि 'जगदीप धनखड़ राष्ट्रवादी और देशभक्त हैं। वह चाहते थे कि विपक्ष और सरकार मिलकर दुनिया में भारत की स्थिति को बेहतर बनाएं। ये उनकी खूबी थी।'

राजस्थान के झुंझुनूं जिलान्तर्गत किठाना गांव में 18 मई 1951 को एक मध्यमवर्गीय जाट परिवार में जन्में जगदीप धनखड़ की विडंबना रही कि वह महज एक बार 1993 से 1998 तक बतौर कांग्रेस विधायक अपना अपना कार्यकाल पूरा कर सके। इससे पहले वह 1989 में जनता दल के टिकट पर झुंझुनूं संसदीय सीट से सांसद बने। इस दौरान प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर की सरकार में वह संसदीय कार्यमंत्री बनाए गए थे। लेकिन सरकार के अल्पमत में आ जाने के कारण देश को मध्यावधि चुनाव में जाना पड़ा। उनका राजनीतिक करियर लगभग 30 वर्षों का है। 30 जुलाई 2019 को तब के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनाया था जिस पद पर वह 18 जुलाई 2022 तक रहे। 11 अगस्त 2022 को वह देश के 14 वें उपराष्ट्रपति निर्वाचित किए गए। पेशे से वकील जगदीप धनखड़ क़ानून के अच्छे ज्ञाता हैं। संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्द जोड़ा जाना उन्हें पसंद नहीं था और सबसे पहले उन्होंने ही इस मसले को उठाया था। न्यायपालिका पर उंगली उठना उन्हें गंवारा नहीं था। तभी तो दिल्ली हाईकोर्ट के तत्कालीन जस्टिस यशवंत वर्मा के घर मिले अधजले नोटों पर उन्होंने पक्ष-विपक्ष दोनों से महाभियोग प्रस्ताव लाने की मांग की थी। सोमवार को विपक्ष के महाभियोग प्रस्ताव को उन्होंने बिना देरी किए स्वीकार कर लिया। कयास तो यह भी है कि धनखड़ की यही जल्दबाजी उनके इस्तीफे का कारण बनी क्योंकि सरकार इसका श्रेय खुद लेना चाहती थी। बहरहाल, इस्तीफे का सच क्या है, यह तो जगदीप धनखड़ ही बताएंगे।

मंथन

पुनर्जन्म का सिद्धांत

मनोज अभिज्ञान
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

यदि मान लें कि हर जीव 84 लाख योनियों से गुजरता है, और अधिकांश योनि जन्म अल्पायु हैं (मछर, कीट इत्यादि), फिर भी लाखों बार जन्म-मरण की प्रक्रिया में सैकड़ों वर्ष लगेंगे। ऐसे में यदि कोई बच्चा पिछले जन्म को याद कर रहा है और वह व्यक्ति केवल 3 या 5 साल पहले मरा था, तो यह संपूर्ण पुनर्जन्म सिद्धांत के गणित के ही खिलाफ़ जाता है।

हिंदू धर्म के अनुसार मानव जीवन 84 लाख योनियों को पार कर के मिलता है। यदि यह क्रम कर्म और आत्मा पर आधारित है, तो पुनर्जन्म की कथाओं में हर बार पिछले जन्म का इंसान ही क्यों याद आता है? मच्छर, कीट, पशु या पक्षी जैसा कोई जीवन क्यों याद नहीं आता? अगर पुनर्जन्म की यादें आत्मा से जुड़ी हैं, तो क्या आत्मा की स्मृति चयनात्मक है? क्या वह जानवरों के रूप में कुछ नहीं सीखती? धार्मिक सिद्धांत कहता है कि आत्मा हर योनि में यात्रा करती है, पर हर उदाहरण उसी मानव रूप का क्यों होता है जो हाल ही में हुआ हो?

यदि मान लें कि हर जीव 84 लाख योनियों से गुजरता है, और अधिकांश योनि जन्म अल्पायु हैं (मच्छर, कीट इत्यादि), फिर भी लाखों बार जन्म-मरण की प्रक्रिया में सैकड़ों वर्ष लगेंगे। ऐसे में यदि कोई बच्चा पिछले जन्म को याद कर रहा है और वह व्यक्ति केवल 3 या 5 साल पहले मरा था, तो यह संपूर्ण पुनर्जन्म सिद्धांत के गणित के ही खिलाफ़ जाता है।

कुछ लोग कहते हैं कि आत्मा को सीधा मनुष्य रूप भी मिल सकता है, पर यह तो नियम को अपवाद से साबित करने जैसा है। पुनर्जन्म का विचार धर्म, भावनाओं और मृत्यु के भय से उपजा हुआ सांत्वना-तंत्र है। मनोविज्ञान और तंत्रिका विज्ञान इन अनुभवों की वैकल्पिक, अधिक संभावित व्याख्याएं प्रस्तुत करते हैं, जिन्हें वैज्ञानिक कसौटी पर परखा जा सकता है। लेकिन धर्म के भीतर जो पुनर्जन्म सिद्धांत है, वह स्वयं अपने ही बनाए नियमों का खंडन करता है-जिससे वह न तो पूर्णतः धार्मिक लगता है, न तार्किक। वह कहीं बीच की एक ऐसी धुंधली अवधारणा बन जाती है, जो भावनात्मक रूप से संतोष देती है, पर तर्क और प्रमाण के स्तर पर खड़ी नहीं होती। इसलिए, पुनर्जन्म की घटनाएं जितनी रहस्यमयी लगती हैं, उतनी ही वे आत्मा के अस्तित्व का प्रमाण बनने में विफल रहती हैं।

सोशल फोरम

सऊदी अरब और अमेरिका के रिश्तों में खटास

सऊदी अरब का अमेरिका से रिश्तों में खटास आनी शुरू हो गई है। खबर महत्वपूर्ण है, जिसे विश्व पटल पर तेजी से बदलते, शक्ति संतुलन के समीकरणों की नजरिए से देखना दिलचस्प होगा। खबर यह है कि सऊदी अरब ने चीन को चीनी मुद्रा (युवान) के बदले कच्चा तेल बेचने का सौदा कर लिया है। यही नहीं वो भारत को भी भारतीय मुद्रा (रुपया) में भी तेल बेचने को राजी है। जबकि 1974 में अमेरिका द्वारा गल्फ कंट्रियों (पश्चिमी एशिया के देश) से हुए एक समझौते के तहत ये सारे गल्फ देश, कच्चा तेल, पेट्रोल, डीजल आदि किसी भी देश को डॉलर के एवज में ही बेचा करते थे। डॉलर के माध्यम से इतनी महत्वपूर्ण खरीद-फरोख्त के चलते ही अमेरिका की पूरे विश्व में बादशाहत चलती आ रही है। प्रश्न यह है कि पश्चिमी एशिया का सबसे बड़ा देश सऊदी अरब, जिसे अमेरिका का सबसे बड़ा मित्र देश माना जाता है, आखिर क्यों अमेरिका के डॉलर को चुनौती देने पर उतारू हो गया है।

विजय सिंह
रुद्रपुर, उत्तराखंड

दरअसल इसके पीछे दो प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। पहला यह कि अमेरिका की दादागिरी और धौंसपट्टी से सारा विश्व प्रभावित हो चला है। जहां तक सऊदी अरब की बात है, शुद्ध रूप से कच्चा तेल पर आश्रित, यह सबसे बड़ा तेल-निर्यातक देश, अमेरिका के प्रतिबंधों के चलते, अपने व्यापार को बुरी तरह प्रभावित होते देख रहा है। सच्चाई यह है कि अमेरिका इस देश से अब तेल नहीं खरीदता है, क्योंकि पिछले वर्षों में उसने टेक्नोलॉजी विकसित कर, चट्टानों को भेदकर, स्वयं तेल निकालना शुरू कर दिया है, और उसे कुछ महंगा होने के बावजूद, अपनी दादागिरी के बलबूते, अन्य देशों को बेच भी रहा है।

दूसरा कारण यह है कि ग्रीन एनर्जी की समस्या से निपटने के लिए, स्विटजरलैंड में हुए एक समझौते के अनुपालन में अधिकांश संपन्न देश ग्रीन एनर्जी उत्सर्जक पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने का निर्णय ले लिया है और बैटरी आधारित इलेक्ट्रॉनिक कारों का तेजी से निर्माण कर रहें हैं। इससे भी तेल निर्यातक देशों में बैचेनी देखी जा रही है। ऐसे में विश्व के दो बड़े बाजार चीन और भारत को, उन्हीं की मुद्रा में बेचने का निर्णय लेकर सऊदी अरब ने अमेरिका को खुली चुनौती दे डाली है। सऊदी अरब के इस रुख से, स्वाभाविक है कि अमेरिका तिलमिला रहा होगा। उसने सऊदी अरब पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाकर उसे चेतावनी देने की कोशिश भी की है। परंतु सऊदी अरब अपने निर्णय पर अड़ा हुआ दिखाई दे रहा है। उसकी सोच यह है कि अमेरिका यदि अन्य प्रतिबंध लगाता भी है तो, वह अर्जित चीनी मुद्रा से चीन से सोना खरीद कर, अपने खजाने में वृद्धि कर सकता है और भारतीय मुद्रा से वह भारत से दवा, चावल, गुड़ आदि का व्यापार रुपए सुगमता से करता रहेगा। यही नहीं भविष्य में रुपया हांथ में होने पर, वह भारत के विशाल बाजार में, भारत की कंपनियों में हिस्सेदारी अथवा शेयर आदि में इनवेस्मेंट भी सुगमता से कर सकता है।

सऊदी अरब देख रहा है कि किस प्रकार से जी-20 समूह के देशों, विशेष रूप से रूस, चीन, भारत और ब्राजील, पर भड़का अमेरिका, उनपर भी 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने के बावजूद, अतिरिक्त 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दे रहा है, परंतु ये सारे देश उसकी दादागिरी के आगे झुकने को तैयार नही है, और आपस में हांथ मिलाकर, अमेरिका की दादागिरी, उसके डॉलर की ताकत को धूमिल करने की दिशा में अग्रसर हो चले हैं। इस सारे प्रकरण में अमेरिका का अगला रुख क्या होगा, यह अगले चंद दिनों में देखने को मिल सकता है, क्योंकि सऊदी अरब के इस कदम का प्रभाव, अन्य तेल उत्पादक गल्फ देशों के अतिरिक्त, वेंजुवेला जैसे देश पर भी, जो कि पहले से ही अमेरिका के प्रतिबंधों के चलते तबाही के कागार पर पहुंच चुका है, पड़ने का खतरा अमेरिका के लिए उत्पन्न हो गया है।

-फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharlucknow@gmail.com आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

लखनऊ विश्वविद्यालय में हुआ शोध

गर्भ संस्कार से सशक्त हुआ मां-भ्रूण संबंध

लखनऊ विश्वविद्यालय में हुए इस शोध कार्य का निर्देशन किया प्रोफेसर अर्चना शुक्ला ने, जो महिला अध्ययन विभाग की पूर्व समन्वयक तथा मनोविज्ञान विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष रही हैं। प्रो. शुक्ला एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और शोध निर्देशिका हैं, जिन्होंने सदैव समाज के संवेदनशील और आवश्यक मुद्दों पर शोध को प्रोत्साहित किया है। उनके मार्गदर्शन में क्रोध प्रबंधन, विलंब प्रवृत्ति (Procrastination), मानसिक स्वास्थ्य, तथा बौद्धिक रूप से चुनौतीपूर्ण बच्चों के अभिभावकों पर कई महत्वपूर्ण शोध पूरे हो चुके हैं। ऐसे ही संवेदनशील और मानवीय मुद्दों में से एक विषय पर, 'गर्भ संस्कार' पर आधारित शोध कार्य वर्ष 2024 में उनके निर्देशन में पूर्ण हुआ, जिसके लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

कुलपति और मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष से पुरस्कृत होती शोध छात्रा।

शोध का विषय था

"गर्भवती महिलाओं में गर्भ संस्कार आधारित प्रीनेटल एजुकेशन के माध्यम से मातृ-भ्रूण संबंध को सशक्त करने का एक अध्ययन"। इस शोध में कुल 135 गर्भवती महिलाओं को सम्मिलित किया गया, जिनमें से वे महिलाएं चुनी गईं जिनका मातृ-भ्रूण संबंध स्कोर (मैटरनल फेटल एचैटमेंट) कम था। इन्हें तीन चरणों में विभाजित इंटरवेंशन प्रोग्राम से गुजारा गया पूर्व-मूल्यांकन, गर्भ संस्कार आधारित हस्तक्षेप, और पश्चात-मूल्यांकन।

यह शोध कार्य न केवल शैक्षणिक रूप से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि सामाजिक प्रभाव के दृष्टिकोण से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ। उल्लेखनीय है कि महिला अध्ययन विभाग में 'गर्भ संस्कार' का एक विशेष पाठ्यक्रम माननीय राज्यपाल महोदया की पहल पर प्रारंभ किया गया था, प्रोफेसर अर्चना शुक्ला इस कोर्स की पहली कोऑर्डिनेटर भी रही हैं। प्रोफेसर अर्चना शुक्ला ने इस कोर्स का सिलेबस तैयार किया, गर्भ संस्कार के एक महत्वपूर्ण विषय पर एक पाठ्यपुस्तक (टेक्स्ट बुक) भी लिखी, जिससे इस पारंपरिक ज्ञान को अकादमिक संदर्भ में वैज्ञानिक रूप मिला।

उनके सतत प्रयासों के चलते पाठ्यक्रम की पुस्तकात्मक जानकारी को इस शोध के माध्यम से व्यावहारिक (प्रैक्टिकल) अनुभव में परिवर्तित किया गया जिससे यह सिद्ध हुआ कि गर्भ संस्कार केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि एक सशक्त, व्यवहारिक और वैज्ञानिक पद्धति है, जो मातृत्व और शिशु विकास के लिए अत्यंत उपयोगी है। गर्भ संस्कार की सिद्धांत आधारित समझ को व्यावहारिक अनुभव और ज्ञान में रूपांतरित करने के उद्देश्य से ही इस शोध कार्य की संकल्पना की गई। यह शोध इस बात का उदाहरण है कि कैसे प्रो. शुक्ला के नेतृत्व में भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को आधुनिक मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ते हुए, गर्भवती महिलाओं और उनके अजन्मे शिशुओं के लिए एक उपयोगी और जीवन परिवर्तनकारी हस्तक्षेप विकसित किया गया।

आधुनिक दौर में जहां तकनीक और तनाव दोनों तेजी से बढ़ रहे हैं, वहीं एक भारतीय पारंपरिक पद्धति - गर्भ संस्कार को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित करने वाला एक महत्वपूर्ण शोध लखनऊ विश्वविद्यालय में सामने आया है। यह शोध डॉ. प्रज्ञा वर्मा, एक लाइसेंस प्राप्त क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट द्वारा पूर्ण किया गया, जिन्होंने अपना एमफिल इन क्लीनिकल साइकोलॉजी किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ से किया है और वर्तमान में लखनऊ विश्वविद्यालय से पीएचडी की डिग्री प्रोफेसर अर्चना शुक्ला, (पूर्व समन्वयक, महिला अध्ययन संस्थान एवं विभागाध्यक्ष) के निर्देशन में प्राप्त की है।

गर्भ संस्कार की गतिविधियाँ क्या होती हैं?

गर्भ संस्कार में वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रमाणित कई क्रियाएं सम्मिलित होती हैं, जिनमें शामिल हैं :-

- सकारात्मक संगीत (म्यूजिक थेरेपी) जैसे वेद मंत्र, राग संगीत और शिशु के लिए मधुर ध्वनियाँ
- मंत्रोच्चारण और ध्यान (मेडिटेशन) जो मां को मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान करते हैं
- सकारात्मक संवाद और भावनात्मक जुड़ाव, जैसे गर्भस्थ शिशु से प्रेमपूर्वक बात करना
- प्रेरणादायक कहानियाँ और नैतिक शिक्षाएं, जो भ्रूण के मानसिक विकास को प्रभावित करती है।
- स्वस्थ आहार, योग और प्राणायाम, जिससे मां और बच्चे दोनों को शारीरिक मजबूती मिलती है
- इन क्रियाओं का उद्देश्य न केवल गर्भवती महिला को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखना है, बल्कि उसके मानसिक, भावनात्मक और आत्मिक स्वास्थ्य को भी सशक्त बनाना है।

शोध के दौरान चुनौतियां और अनुभव

डॉ. प्रज्ञा वर्मा ने बताया, शुरुआत में कई चिकित्सकों ने अपने मरीजों को इस शोध में शामिल होने की अनुमति नहीं दी। परिवार के सदस्यों जैसे पति, सास, मां को - समझाना और कई बार गर्भवती महिलाओं को भी प्रेरित करना कठिन रहा। लेकिन मैंने हार नहीं मानी। परिणामस्वरूप, जब महिलाओं ने गर्भ संस्कार के सत्रों में भाग लेना शुरू किया, तो उन्हें न केवल मानसिक राहत मिली बल्कि भ्रूण से भावनात्मक जुड़ाव, बेहतर नींद, कम चिंता, और आत्मिक संतुलन भी महसूस हुआ। एक प्रतिभागी महिला ने कहा, "मैम, आपने जो सिखाया वो जीवनभर साथ रहेगा सिर्फ गर्भावस्था के लिए नहीं, यह जीवन का दर्शन है।"

आज के समाज में गर्भ संस्कार की प्रासंगिकता

- आज की जीवनशैली में तनाव, डिप्रेशन और पारिवारिक दूरी जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में गर्भ संस्कार का महत्व और भी बढ़ गया है। यह न केवल आने वाले बच्चे के मानसिक विकास की नींव रखता है, बल्कि मां को भी एक समर्थ, आत्मनिर्भर और संतुलित व्यक्तित्व के रूप में उभारता है। यह शोध इस बात का प्रमाण है कि गर्भ संस्कार कोई काल्पनिक परंपरा नहीं, बल्कि वैज्ञानिक आधार पर टिकी हुईं एक संपूर्ण जीवनशैली प्रणाली है, जो मां और शिशु दोनों के लिए वरदान सिद्ध हो सकती है।
- डॉ. प्रज्ञा वर्मा का यह अध्ययन भारत में प्रीनेटल मानसिक स्वास्थ्य और पारंपरिक ज्ञान के एकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल नीति निर्माताओं और स्वास्थ्य संस्थानों के लिए दिशा दिखाता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत नींव भी प्रदान करता है। पीएच.डी. उपाधि प्राप्त करने के बाद, डॉ. प्रज्ञा वर्मा अब स्वयं का एक मानसिक स्वास्थ्य और जीवनशैली केंद्र द हीलिंग माइंड संचालित कर रही हैं। यहां गर्भवती महिलाएं नियमित रूप से परामर्श और गर्भ संस्कार सत्रों के लिए आती हैं, ताकि वे अपनी गर्भावस्था को एक सकारात्मक, आत्मिक और यादगार अनुभव के रूप में जी सकें। उनकी विशेषज्ञता और शोध आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से, महिलाएं न केवल अपने शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान दे रही हैं, बल्कि गर्भस्थ शिशु से भावनात्मक जुड़ाव, मानसिक शांति और समग्र सुखद मातृत्व का अनुभव भी कर रही हैं। यह केंद्र धीरे-धीरे गर्भ संस्कार आधारित संपूर्ण गर्भावस्था देखभाल का एक विश्वसनीय स्थान बनता जा रहा है, जहाँ आधुनिक मनोविज्ञान और भारतीय सांस्कृतिक ज्ञान का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

प्रस्तुति: डॉ. प्रज्ञा वर्मा, रिसर्च स्कॉलर
मनोविज्ञान विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय

जॉब अलर्ट

ईपीएफओ

- **पद :** सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता एवं अन्य
- **पद स्थापन तिथि : 21-07-2025**
- **कुल रिक्तियां : 111**
- **संक्षिप्त जानकारी :** कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने प्रतिनियुक्ति के आधार पर सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता एवं अन्य पदों की भर्ती के लिए एक अधिसूचना जारी की है। योग्य उम्मीदवार जो रिक्तियों के विवरण में रुचि रखते हैं और सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, वे अधिसूचना पढ़ सकते हैं और आवेदन कर सकते हैं।

इंटेलिजेंस ब्यूरो

- **पद :** ACIO II/एग्जीक्यूटिव के **3717** पदों के लिए आवेदन आमंत्रित। कोई भी स्नातक डिग्री धारक उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन **19-07-2025** से शुरू होकर **10-08-2025** तक चलेगा। उम्मीदवार IB की वेबसाइट mha.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

डीआरडीओ

- **पद :** आरएसी वैज्ञानिक-बी
- **पद स्थापन तिथि :** 21-05-2025
- **कुल रिक्तियां :** 152
- **संक्षिप्त जानकारी :** डीआरडीओ भर्ती एवं मूल्यांकन केंद्र (डीआरडीओ आरएसी) ने वैज्ञानिक-बी के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु एक अधिसूचना जारी की है। योग्य उम्मीदवार जो रिक्तियों के विवरण में रुचि रखते हैं और सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, वे अधिसूचना पढ़कर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 31-07-2025 है।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स

- **पद :** भेल कारीगर
- **पद स्थापन तिथि :** 08-07-2025
- **कुल रिक्तियां :** 515
- **संक्षिप्त जानकारी :** भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स (भेल) ने कारीगर पदों की भर्ती के लिए एक अधिसूचना जारी की है। योग्य उम्मीदवार जो रिक्तियों के विवरण में रुचि रखते हैं और सभीपात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, वे अधिसूचना पढ़ सकते हैं और आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन 16-07-2025 से शुरू होकर 12-08-2025 तक मान्य है।

बैंक ऑफ बड़ौदा

- **पद :** स्थानीय बैंक अधिकारी
- **पद स्थापन तिथि :** 04-07-2025
- **कुल रिक्तियां :** 2500 बैंक नौकरियां
- **संक्षिप्त जानकारी :** बैंक ऑफ बड़ौदा ने स्थानीय बैंक अधिकारी के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु एक अधिसूचना जारी की है। योग्य उम्मीदवार जो रिक्तियों के विवरण में रुचि रखते हैं और सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, वे अधिसूचना पढ़ सकते हैं और आवेदन कर सकते हैं। अंतिम तिथि 03-08-2025 है।

देश-विदेश में ख्याति प्राप्त

हिंदू महाविद्यालय

अपने स्थापना काल से शिक्षा के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता के लिए प्रतिबद्ध हिंदू कॉलेज (हिंदू महाविद्यालय) की ख्याति प्रदेश ही नहीं देश विदेश तक है। हिंदू महाविद्यालय से पढ़ाई कर शिक्षा, राजनीति व अन्य क्षेत्रों में ऊंचा मुकाम हासिल करने वालों में आजादी के लिए जनमानस में क्रांति की अलख जगाने वाले महान कवि दुष्यंत कुमार भी शामिल हैं। महानगर के प्राचीन शिक्षण संस्था के रूप में प्रतिष्ठित इस महाविद्यालय की ख्याति दूर तक है।

हिंदू महाविद्यालय आजादी से 36 वर्ष पहले अंग्रेजों के शासनकाल 1911 में एक मिडिल स्कूल के रूप में स्थापित किया गया था। स्थापना के चार वर्ष बाद हाई स्कूल की मान्यता मिली। 26 वर्ष बाद यह इंटर कॉलेज में बदल गया। 1949-50 में यह कॉलेज हिंदू महाविद्यालय के रूप में स्थापित हो गया। उस समय महाविद्यालय आगरा विश्वविद्यालय से संबद्ध था।

महानगर के बीचोबीच स्टेशन रोड बुध बाजार में हिंदू महाविद्यालय स्थित है। महाविद्यालय में स्नातक की पढ़ाई कर चुके पुराने विद्यार्थियों के अनुसार यहां पढ़ाई का एक अलग ही माहौल था। पहले इसका क्षेत्र अधिक था। प्रोफेसर कॉलेज न आने वाले विद्यार्थियों के घर भी शिकायत करने पहुंच जाते थे। महाविद्यालय से आईपीएस, पीसीएस, प्रोफेसर, प्रवक्ता बनने वालों के अलावा राजनीति के क्षेत्र में भी यहां के कई विद्यार्थियों ने मुकाम हासिल किया है। महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यव्रत सिंह रावत कहते हैं कि यहां बाहर से आकर शिक्षा ग्रहण करने में विद्यार्थियों को आसानी होती है। क्योंकि महाविद्यालय मुरादाबाद रेलवे स्टेशन से 0.5 किमी और बस स्टेशन से सिर्फ 0.8 किलोमीटर दूर है। कॉलेज हिंदू एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित है। 114 वर्ष पहले हिंदू कॉलेज की स्थापना 1911 में एक मिडिल स्कूल के रूप में हुई थी। 1916 में हाईस्कूल में अपग्रेड हुआ और 1937 में इसे इंटरमीडिएट कॉलेज में बदल गया।

वर्ष 1949 और 1950 में क्रमशः डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज की मान्यता मिल गई। वर्ष 1960 तक बीएससी, एमएससी (गणित), वाणिज्य और बीएड की कक्षाएं संचालित होने लगीं। इस महाविद्यालय से पढ़ने वाले विद्यार्थी देश विदेश तक बड़े ओहदे पर प्रतिष्ठित हैं। इस महाविद्यालय से देश के महान कवि दुष्यंत कुमार ने शिक्षा ग्रहण की है। वहीं आईएएस, पीसीएस के अलावा राजनीति के क्षेत्र में भी यहां के विद्यार्थी समाज में अपनी सेवा दे रहे हैं। विधान परिषद सदस्य डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, वर्तमान में अमरोहा के नौगावां सादात क्षेत्र से विधायक समरपाल सिंह ने इसी महाविद्यालय से शिक्षा ग्रहण की है।

कवि दुष्यंत कुमार

- देश विदेश में ख्याति प्राप्त हिंदू महाविद्यालय से महान कवि दुष्यंत कुमार ने ग्रहण की थी शिक्षा
- यहां से पढ़ने वाले विद्यार्थी शिक्षा, राजनीति व अन्य क्षेत्रों में हासिल कर चुके हैं ऊंचा मुकाम
- मिडिल स्कूल के रूप में स्थापित हिंदू कॉलेज को 1949 व 1950 में क्रमश : स्नातक और परा स्नातक के रूप में मिली थी मान्यता

उपलब्धियां...

- सभी संकाय सदस्यों के पास पीएचडी की डिग्री है। महाविद्यालय के पुस्तकालय में पुस्तकों का भंडार है।
- विभागों द्वारा 50 से अधिक सेमिनार, सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं। यहां के शिक्षकों के कई शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।
- संकाय सदस्यों को वित्त पोषण एजेंसियों जैसे यूजीसी, सीएसआईआर, डीएसटी आदि से परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं। पूर्व छात्र वर्तमान में भारत और विदेशों में उच्च पदों पर आसीन हैं।
- हिंदू कॉलेज पहले आगरा विश्वविद्यालय और बाद में महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध था। लेकिन वर्तमान में महाविद्यालय गुरु जम्भेश्वर राज्य विश्वविद्यालय मुरादाबाद से संबद्ध है।

विषयवार उपलब्धियां...

- 1961 में स्नातक स्तर पर कला संकाय के पाठ्यक्रम शुरु हुए। बाद के वर्षों में पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर स्तर पर शुरु हुए।
- प्रत्येक छात्र को विषयों के एक विशिष्ट विकल्प के साथ डिग्री की ओर काम करना आवश्यक है।
- एमए/एमएससी कार्यक्रमों (स्नातकोत्तर) की अवधि दो वर्ष है जबकि बीए, बीएससी और बीकॉम की अवधि तीन वर्ष है।

प्रस्तुति: डॉ. आनंद के सिंह, प्रोफेसर एवं प्रभारी रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन, मोहित कुमार, हेमा छात्र हिंदू कॉलेज मुरादाबाद

नई किताबें

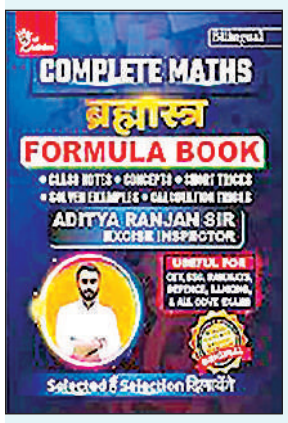

- "ब्रह्मास्त्र कम्प्लीट मैथ्स फॉर्मूला बुक" एक व्यापक मार्गदर्शिका है जिसे छात्रों को परीक्षा के नवीनतम पैटर्न और कठिनाई स्तर से परिचित कराने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह पुस्तक आदित्य रंजन सर और उनकी अनुभवी सामग्री टीम द्वारा एसएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के नए पैटर्न और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। यह पुस्तक उन सभी छात्रों के लिए विस्तृत रूप से तैयार की गई है जो किसी भी सरकारी नौकरी की परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। पुस्तक को नवीनतम पैटर्न के साथ अद्यतन किया गया है। यह पुस्तक छात्रों को परीक्षा की संरचना और प्रारूप को समझने में मदद करेगी। पुस्तक में विभिन्न परीक्षा आयोजन एजेंसियों द्वारा निर्धारित नवीनतम प्रारूप और दिशा निर्देशों के अनुसार बनाए गए कुल 32 अध्याय हैं। प्रत्येक उदाहरण के लिए विस्तृत और स्मार्ट समाधान प्रदान किए गए हैं। यह किताब रू. 220 में अमेजन से ऑनलाइन आप मंगा सकते हैं।

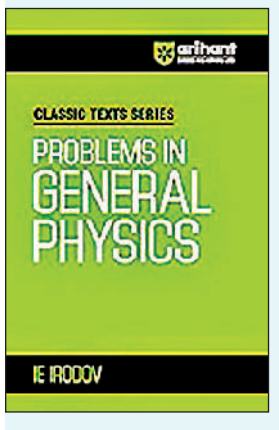

- क्लासिक टेक्स्ट सीरीज़ में सामान्य भौतिकी की समस्याओं पर संपूर्ण प्रारंभिक पाठ्य पुस्तक, भौतिकी के उन्नत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने वाले उच्चशिक्षण संस्थानों के छात्रों के लिए समस्याओं से संकलित है। इस पुस्तक में लगभग 900 समस्याएँ हैं, जिनमें संकेत, प्रमुख सूत्रों का समय बचाने वाला सारांश और उन स्थितियों के लिए व्याख्यात्मक टिप्पणियां शामिल हैं जहाँ गलतफहमी हो सकती है। पुस्तक के अंत में मुख्य भौतिकस्थिरांक और सारणियाँ संक्षेप में दी गई हैं। इसके लेखक आईई इरोडोव हैं। यह किताब रू. 204 में अमेजन से ऑनलाइन आप मंगा सकते हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 24 जुलाई 2025

न्यूज ब्रीफ

मां के पास सो रही बच्ची लापता

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : बदोसरांय थाना क्षेत्र में रविवार की रात मजदूर दंपति की सात माह की बेटी रहस्यमय हालात में लापता हो गई। काफी तलाश के बाद तालाब के पास मासूम की लंगोटी मिली जिससे अनहोनी की आशंका और गहरा गई। मजदूरी कर परिवार पालने वाले ग्राम थानाडीह के निवासी इम्तियाज अली रविवार रात पत्नी रेशमा बानो व बच्चों के साथ सो गए। रेशमा ने बताया कि रात करीब एक बजे जब नींद खुली तो उनकी सात माह की बेटी से गायब थी। कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और जांच की जा रही है। गांव के लोगों और परिजनों से पूछताछ भी जारी है।

दो और फर्जी फर्मों ने लगाया करोड़ों का चूना

बाराबंकी, अमृत विचार : अयोध्या राज्य कर विभाग की विशेष अनुसंधान इकाई को बाराबंकी में दो और फर्जी फर्में मिली हैं। जीएसटी कर चोरी और फर्जी पासऑन के जरिए इन फर्मों ने करोड़ों की राजस्व चपत लगाई है। पहला मामला कस्बा सफेदाबाद में हिन्द अस्पताल के निकट चौहान इंटरप्राइजेज का है। जिसके स्वामी अजीत प्रताप निवासी मऊ दिखाए गए हैं। राज्य कर विभाग के अनुसार जांच में पता चला कि फर्म पते पर मौजूद नहीं थी। जांच में सामने आया कि फर्म ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 7.19 करोड़ की फर्जी आउटवर्ड सप्लाई दिखाकर 1.28 करोड़ तथा 2024-25 में 145.82 करोड़ की फर्जी सप्लाई दर्शाकर 24.92 करोड़ का बोगस आईटीसी पासऑन किया। माती बाजार स्थित एआई इंटरप्राइजेज गुफरान निवासी मेरठ के स्वामित्व वाली इस फर्म की जांच की गई। यह भी अस्तित्वहीन मिली।

पुलिस की धमकी से सहमी किशोरी ने की आत्महत्या

मृतका के परिजनों ने तरबगंज पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

संवाददाता, तरबगंज, गोंडा

मोहिनी। फाइल फोटो

अमृत विचार: पुलिस की धमकी से सहमी 15 वर्षीय किशोरी ने बुधवार की भोर में फंदे से लटकर जान दे दी। मृतका के परिवार वालों का आरोप है कि तरबगंज पुलिस की धमकी से डरी सहमी बेटी ने आत्महत्या कर ली। फिलहाल पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस अधिकारी मामले की जांच की बात कह रहे हैं।

तरबगंज थाना क्षेत्र के सेझिया गांव की रहने वाले सूरज चौहान का शव मंगलवार को आम के पेड़ में फंदे से लटकता पाया गया था। इसी मामले में जांच के लिए मंगलवार की शाम तरबगंज थाने की पुलिस मोहिनी के घर गयी थी। आरोप है कि पुलिस ने मोहिनी और उसके परिवार वालों को धमकाते हुए कहा कि तुमने और तुम्हारे पारिवार के लोगों ने सूरज के साथ मारपीट की थी। इसी के चलते सूरज ने अपनी जान दे दी। सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जायेगा। मोहिनी की मां रीना देवी का आरोप है कि पुलिस की धमकी से मोहिनी बेहद सहम गयी थी। बुधवार की सुबह करीब चार बजे वह खेत की तरफ गयी थी। वापस लौटी तो मोहिनी का शव फंदे से लटक रहा था। बेटी का शव देखकर वह अवाक रह गयी। शोर मचाने पर परिवार व गांव के लोग मौके पर पहुंचे। बेटी का शव देखकर घर में कोहराम मच गया। इसी बीच पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी। रीना देवी ने आरोप लगाते हुए कहा कि रात मे थाने के एक दरोगा चौकीदार के साथ घर आये थे और उनकी लड़की को धमकी दी थी कि तुम्हारे पूरे परिवार के ऊपर मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया जायेगा। इससे बेटी डरी हुई थी और इसी डर के चलते उसने फंदे से लटककर अपनी जा न दे दी। वहीं पुलिस के मुताबिक सूरज का गांव की रहने वाली एक किशोरी मोहिनी से प्रेम प्रसंग था। मंगलवार को सूरज चौहान मोहिनी से मिलने उसके घर गया था जहां उसके साथ मारपीट की गयी था।

इसी के चलते सूरज चौहान ने आत्महत्या कर ली थी। पुलिस इसी जांच के लिए मोहिनी के घर गयी थी। धमकी देने का आरोप निराधार है। प्रभारी निरीक्षक कमलाकांत त्रिपाठी ने बताया कि मोहिनी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। दोनो घटनाओं की जांच हो रही है।

दुष्कर्म के प्रयास में आजीवन कारावास

अयोध्या, अमृत विचार: स्कूल से घर लौट रही दलित किशोरी से दुष्कर्म के प्रयास में युवक को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया गया है। उस पर 40 हजार रुपये जुर्माना भी हुआ है। जुर्माने की पूरी रकम पीड़िता को देने का आदेश हुआ है। यह आदेश विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट प्रथम निरुपमा विक्रम की अदालत से बुधवार को हुआ। विशेष लोक अभियोजक विनोद उपाध्याय और वीरेंद्र कुमार मौर्य ने बताया कि घटना 2 अक्टूबर 2023 की है। बीकापुर के एक गांव की रहने वाली 11 वर्षीय स्कूल से घर आ रही थी। रास्ते में रज्जबअली निवासी सीका कोतवाली बीकापुर ने उसे पड़कर उसके साथ अश्लील हरकत की और दुष्कर्म का प्रयास किया।

रायबरेली में एविएटर में हारे 1.3 लाख, नहर में कूदकर दे दी जान

संवाददाता, महराजगंज, रायबरेली

अमृत विचार। ऑनलाइन गेम की कीमत अब लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ रही है। क्षेत्र के असनी निवासी एक युवक ने ऑनलाइन एविएटर गेम में 1.3 लाख रुपये गंवाने के बाद मंगलवार को नहर में कूदकर जान दे दी। असनी निवासी विक्रांत (21) पुत्र लखपत प्रसाद मोबाइल में एविएटर गेम्स पर ऑनलाइन सट्टेबाजी करता था। कुछ दिनों में ही उसने करीब एक लाख 30 हजार रुपये इस गेम में गंवा दिए। मंगलवार की सुबह दस बजे वह घर से साइकिल बनवाने की बात कह कर निकला था, वापस न आने पर परिजनों ने तलाश की। दोपहर करीब एक बजे उसकी साइकिल, फोन और चप्पल नेवाजगंज पुल पर रखे मिले। आसपास जानवर चरा रहे लोगों ने बताया कि एक युवक ने साइकिल खड़ी कर नहर में छलांग लगा दी है। जानकारी होने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कर दी। सफलता न मिलने पर बुधवार को पुनः तलाश की जा रही थी, तभी करीब तीन बजे खुदायगंज के पास शारदा नहर से गोताखोरों को उसका शव मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसके बड़े भाई विनोद ने बताया कि उसका छोटा भाई विक्रांत न्यू स्टैंडर्ड सलेथू में बीएससी सेंकेड वर्ष का छात्र था। ऑनलाइन गेम में रुपए दांव पर लगाता था। कई बार मना करने पर भी नहीं माना और धीरे-धीरे उसे गेम की लत लग गई। इसमें वह करीब 1.3 लाख रुपए हार गया था। इससे वह निराश था। वह कुछ बता भी नहीं रहा था। घरवालों की डांट के डर से उसने नहर में छलांग लगा दी। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि ऑनलाइन सट्टेबाजी की लत में छात्र ने लाखों रुपए डुबो दिए थे।

6 लेन का हो अयोध्या-गोरखपुर हाईवे

अयोध्या कार्यालय

- सांसद ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री को सौंपा प्रस्ताव पत्र

केन्द्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को मांग पत्र देते सांसद अवधेश प्रसाद।

अमृत विचार। सांसद अवधेश प्रसाद ने मंगलवार को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर अयोध्या-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-29 को छह लेन करने की मांग की। अपने संसदीय क्षेत्र की आठ सड़कों का जनहित में चौडीकरण करने के लिए प्रस्ताव पत्र दिया। सांसद के अनुसार केंद्रीय मंत्री ने सड़कों का निर्माण कराने का आश्वासन दिया है।

सांसद के अनुसार रायबरेली-अयोध्या मार्ग को राज्य मार्ग से संबंध करते प्रभात नगर से शाहगंज हैरिंग्टनगंज होते हुए अलीगंज तक सड़क का निर्माण, मिल्कीपुर से मानीगंज से रुदौली होते हुए भेलसर राष्ट्रीय राज्य मार्ग तक फोर लेन निर्माण, मिल्कीपुर पेट्रोलपंप से हैरिंग्टनगंज से खजुरहट होते हुए प्रयागराज जाने वाले मार्ग को राज्य मार्ग में शामिल कर इसे फोर लेन बनाने की मांग की। राष्ट्रीय राजमार्ग-27 से ड्योढ़ी होते हुए घोड़वल, इमामगंज सड़क को टू लेन बनाने की मांग की। इसके अलावा सुचितागंज बाजार से नवाबगंज तक फोर लेन, जर्जर पड़ी ढेमवा घाट पुल रोड का पुनः निर्माण करने, सुल्तानपुर-अयोध्या राजमार्ग को फोरलेन बनाने व अयोध्या से मसौधा केएम शुगर मिल के बगल से जाने वाली सड़क जो मसौधा से सरियावां होते हुए सोहावल बाजार जाती है, इसका भी चौड़ीकरण करते हुए फोरलेन बनाई जाए।

15 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

कानपुर, अमृत विचार। शहर के नामी 15 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। स्कूलों को धमकी भरा ई-मेल आने से पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस टीम के साथ बीडीएस (बम डिस्पोजल स्क्वॉयड) और फील्ड यूनिट, खोजी कुत्ता ने सभी स्कूलों जांच-पड़ताल की। क्लासरूम, स्कूल परिसर व आसपास के दायरे में तलाशी ली। स्कूल प्रशासन ने भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। बच्चों के आने-जाने पर खास निगरानी की जा रही है। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था आशुतोष कुमार ने बताया कि शहर के करीब 15 नामी स्कूलों को धमकी भरा ई-मेल स्कूल प्रशासन को मिला है। इसकी शिकायत संबंधित थाना पुलिस से हुई है।

बिहार को रेलवे क्षेत्र में ऐतिहासिक लाभ

नई दिल्ली, अमृत विचार: केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज लोकसभा में बिहार में रेलवे के तहत हो रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार को रेलवे क्षेत्र में ऐतिहासिक लाभ प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया कि बिहार में 11 वर्ष पूर्व राज्य के लिए रेलवे बजट मात्र 1132 करोड़ था, उसे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने बढ़ाकर 10,000 करोड़ कर दिया है। यह नौ गुना वृद्धि बिहार की आकांक्षाओं और जरूरतों के प्रति केंद्र सरकार की गहन प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, आखिरकार इन परियोजनाओं की शुरुआत भी एनडीए सरकार ने की थी और समापन भी एनडीए सरकार ने किया है। इससे स्पष्ट है कि बिहार की जनता के साथ न्याय केवल एनडीए ही कर सकती है। लोकसभा में चर्चा के दौरान शिवहर–सीतामढ़ी परियोजना पर बोलते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। बागमती नदी पर बनने वाला पुल, जो देकुली धाम शिवहर को जोड़ेगा, उसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

चाचा के बयान दर्ज, 25 तस्वीरें पेश

संवाददाता, कानपुर

कुशाग्र हत्याकांड

अमृत विचार : रायपुरवा थाना के चर्चित कुशाग्र हत्याकांड में सुनवाई जारी है। डीजीसी दिलीप अवस्थी ने बताया कि बुधवार से एडीजे 11 सुभाष सिंह की कोर्ट में पांचवीं गवाही चाचा सुमित कनोडिया की शुरू हुई। सुमित ने कोर्ट को बताया कि घटना के दिन रचिता ने उससे माफी मांगते हुए कहा था कि उससे गलती हो गई। फिरौती के कारण हमने कुशाग्र की हत्या कर दी। इस दौरान विवेचक की ओर से हत्यारोपी प्रभात के घर व कुशाग्र के अपार्टमेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे से ली गई 25 तस्वीरें कोर्ट में पेश की गईं, जिसे सुमित ने पहचाना। मामले की अगली सुनवाई 25 जुलाई को होगी।

कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया के बेटे कुशाग्र की 30 अक्तूबर 2023 को बेरहमी से अपहरण करके हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, प्रभात शुक्ला और शिवा गुप्ता को दोषी मानकर उनको जेल भेजा था। तीनों को शनिवार को जेल से लाकर एडीजे 11 की कोर्ट में पेश किया गया। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि चाचा सुमित कनोडिया की गवाही शुरू हुई। उन्होंने 30 अक्तूबर 2023 को हुई घटना को क्रमवार बताया। सुमित कनोडिया ने अपने बयान में कोर्ट को बताया कि जब घटना के बाद प्रभात के घर पुलिस के साथ पहुंचे तो रचिता ने कई लोगों के सामने स्वीकार किया हम तीन लोगों से बड़ी गलती हो गई है। हम तीन लोगों ने फिरौती की लालच में कुशाग्र का अपहरण करके हत्या कर दी है। गवाह सुमित ने बताया कि प्रभात के घर में लगे सीसीटीवी और अपार्टमेंट के सामने लगे सीसीटीवी को अपनी आंखों से देखा था। विवेचक की ओर से विवेचना के दौरान पत्रावली में लगाए गए सीसीटीवी फुटेज के 25 फोटो को खींचकर लगाया गया था। उनको देखकर गवाह सुमित कनोडिया ने प्रभात के घर में कुशाग्र के जाने, वापस प्रभात के आने, रचिता के उपस्थिति रहने, शिवा के अपार्टमेंट में पत्र डाले जाने इन सब घटनाओं को फोटो देखकर पहचाना। गवाह सुमित ने कहा कि फोटोग्राफ में दिख रहे तीनों आरोपी सामने खड़े है। मै उनकी पहचान रचिता, प्रभात और शिव के रूप में करता हूं।

विवाद के बाद पति पर चाकू से हमला

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : खाना लाने में देरी को लेकर हुए विवाद के बाद नाराज पत्नी ने पति पर चाकू से हमला कर दिया। घायल पति ने कोतवाली पहुंचकर घटना बताई, पुलिस ने उसे उपचार के लिए भेज दिया। फैय्याजपुरा निवासी गुड्डू मंगलवार की रात घर पहुंचा और पत्नी शमीम बानो से खाना लाने के लिए कहा। खाना लाने में देरी होने पर दोनों में विवाद होने लगा। आरोप है कि इस दौरान शमीम बानो ने चाकू से गुड्डू के सिर पर हमला कर दिया। घायल अवस्था में गुड्डू कोतवाली पहुंचा। इस संबंध में कोतवाल संजीत कुमार सोनकर ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

कांवड़ियों की बस में लगी आग, रखे थे 15 सिलेंडर

अयोध्या कार्यालय

- बैकुंठ धाम के पास हुई घटना
- समय रहते सिलेंडर निकाल लेने से टला बड़ा हादसा

बस में लगी आग को बुझाता दमकलकर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कोतवाली अयोध्या अंतर्गत गोरखपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैकुंठ धाम के पास खड़ी कांवड़ियों की एक बस में बुधवार सुबह करीब 5:30 बजे अचानक आग लग गई। घटना के समय बस में चालक व पांच कांवड़ियों सो रहे थे। बस के अंदर 15 भरे सिलेंडर रखे थे। पुलिस व दमकल कर्मियों ने आग के बीच किसी तरह 12 छोटे व तीन बड़े सिलेंडर समय रहते बाहर निकालकर बड़ा हादसा होने से बचा लिया।

गोरखपुर के कैंपियरगंज क्षेत्र से 52 कांवड़ यात्रियों को लेकर निकली बस बुधवार भोर में अयोध्या पहुंची। सभी करीब 4:30 बजे सरयू स्नान कर नागेश्वरनाथ मंदिर पर जलाभिषेक करने चले गए। बस में चालक हरिप्रसाद यादव (32) निवासी रामकोट रेवती थाना मुंडेरवा, बस्ती के साथ तीन बच्चे व दो बुजुर्ग सो रहे थे। सुबह करीब 5:30 बजे बस में से अचानक धुआं निकलने लगा, जलने की बदबू आने पर चालक की आंख खुल गई। उसने सो रहे पांचों कांवड़ियों को बाहर निकाला। इसके बाद वह बैटरी में लगी आग को बुझाने का प्रयास किया, उसकी मदद के लिए वहां तैनात पुलिसकर्मी भी आए लेकिन सफलता नहीं मिली। तब तक लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया। बस धू धू कर जलने लगा। यह देख पुलिस के बगल में खड़ी बसों को दूर कराया व दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना के पांच मिनट

रामसनेहीघाट में शिक्षक ने पांचवीं के छात्र को पीटा

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : कम्पोजिट विद्यालय के एक शिक्षक ने कक्षा पांच के छात्र की बैडमिंटन के रैकेट से पिटाई करने के साथ ही हाथ-पैर भी चलाए। पिटाई से घायल छात्र की मां ने पुलिस से शिकायत की है। बीईओ व पुलिस जांच में जुट गई है।

कुशफर की रचना तिवारी ने बताया कि उनके दो बच्चे कम्पोजिट विद्यालय में कक्षा 5 में पढ़ते हैं। दोपहर करीब एक बजे उनकी बेटी तेजस्वी रोते हुए घर आई और बताया कि शिक्षक राघवेंद्र सिंह ने उसके भाई शुभांकर तिवारी को इतना पीटा कि वह बेहोश हो गया। जब रचना विद्यालय पहुंचीं, तो उन्होंने देखा कि उनका बेटा बेहोश पड़ा था और शिक्षक विद्यालय से फरार हो चुके थे। कुछ देर बाद बच्चा होश में आया। शिकायत के अनुसार राघवेंद्र सिंह रोजाना शराब के नशे में विद्यालय आते हैं। इस बार भी वे नशे की हालत में थे और उन्होंने बच्चे को बैडमिंटन के रैकेट से इतना मारा कि रैकेट टूट गया। इसके अलावा लात-घूसों से भी पिटाई की।

बाराबंकी: स्कूलों में 5 बच्चों की बिगड़ी तबीयत

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

- प्राथमिक उपचार के बाद दो बच्चे लखनऊ किये गये रेफर

लखपेड़ाबाग स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में बीमार बच्चों का इलाज करते चिकित्सक। ● अमृत विचार

अमृत विचार : स्कूल जाते ही तबीयत बिगड़ जाने की घटनाओं का सिलसिला जारी है। बुधवार को तीन स्कूलों में पांच छात्र छात्राओं की हालत अचानक बिगड़ गई। सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। डाक्टरों ने दो बच्चों को लखनऊ रेफर कर दिया है।

लखपेड़ाबाग स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में बुधवार को हाईस्कूल के छात्र आदित्य और कक्षा 9 की छात्रा अंशिका अचानक क्लास में बेहोश हो गए। लंच के बाद आदित्य को सीने में तेज दर्द हुआ और वह गिर पड़ा। थोड़ी देर बाद अंशिका भी अचेत हो गई। स्कूल प्रशासन ने दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक जांच के बाद उनकी हालत गंभीर बताई गई और बेहतर इलाज के लिए उन्हें लखनऊ रेफर किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। गौरतलब है कि इसी विद्यालय की कक्षा 11 की छात्रा नंदिनी वर्मा की बीते शुक्रवार को अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई थी। रामसनेहीघाट प्रतिनिधि के अनुसार, सुमेरगंज स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में भी दो छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। रंजना यादव पुत्री बाबूलाल निवासी महुलारा और अंशिका त्रिपाठी पुत्री प्रदीप कुमार निवासी बहराइच को सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत हुई। स्कूल प्रशासन ने उन्हें तत्काल सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को सामान्य हालत में घर भेज दिया। सूरतगंज प्रतिनिधि के अनुसार, बरैया स्थित बीआरजी पब्लिक इंटर कॉलेज के कक्षा छह के छात्र राघव मिश्रा पुत्र रामकुमार मिश्रा निवासी रूहेरा को अचानक क्लास में पेट दर्द होने लगा। जानकारी मिलते ही प्रधानाचार्य संजय कुमार वर्मा ने उसे सीएचसी सूरतगंज भिजवाया, जहां डॉक्टर वीपी सिंह ने उपचार कर छात्र को करीब दो घंटे बाद घर भेज दिया।

देवा में निकाली गयी कलश यात्रा

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : श्रावण मास के पावन अवसर पर बुधवार को कस्बा देवा में भगवान शिव की आराधना के लिए भव्य कलश यात्रा निकाली गई। हनुमान मंदिर से प्रारंभ हुई यह यात्रा देवा–फतेहपुर मार्ग होते हुए सिद्धेश्वर महादेव मंदिर पर संपन्न हुई।

मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा और स्वागत कर श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया गया। यात्रा का नेतृत्व बृज किशोर सोनी, आकाश शुक्ला, आशीष सोनी, विष्णु सोनी और मनु सोनी सहित कई स्थानीय युवाओं ने किया। नागरिकों ने भी आयोजन में भाग लिया।

आयोजन | कमिश्नर ने अमर शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद की जयन्ती पर माल्यार्पण किया

प्रदर्शनी में रखी गई आजाद की बमतुल बुखारा

संवाददाता, प्रयागराज

शहीद चन्द्रशेखर आजाद को पुष्पांजलि अर्पित करते कमिश्नर विजय विश्वास पंत।

इलाहाबाद संग्रहालय में रखी गई चन्द्रशेखर आजाद की पिस्तौल।

अमृत विचार। इलाहाबाद संग्रहालय में आज अमर शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद की जयन्ती के अवसर पर उनकी संग्रहालय स्थित प्रतिमा पर कमिश्नर विजय विश्वास पंत सहित बड़ी संख्या में लोगों ने माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित किया। इस दौरान शहीद चन्द्रशेखर आजाद की कॉल्ट पिस्तौल जो कि इलाहाबाद संग्रहालय में संरक्षित उनकी आखिरी निशानी है, का एक दिन के लिए प्रदर्शन संग्रहालय के केन्द्रीय कक्ष में जनसामान्य के लिए किया गया।

प्रदर्शनी का शुभारंभ कमिश्नर ने किया। उन्होंने अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद के भारतीय स्वतंत्रता में योगदान का भावास्मरण करते हुए कहा कि आजाद जी की यादें प्रयागराज तथा आजाद उद्यान से जुड़ी हुई हैं। इसी आजाद उद्यान में स्थित इलाहाबाद राष्ट्रीय संग्रहालय में आज अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के जन्मदिवस पर आकर उनकी प्रिय पिस्तौल बमतुल बुखारा का अनावरण करना मेरे लिए गौरव तथा सौभाग्य का विषय है। उन्होंने निदेशक इलाहाबाद संग्रहालय राजेश प्रसाद तथा संग्रहालय प्रशासन को इस महत्वपूर्ण तथा सुंदर आयोजन के लिए बधाई दी। निदेशक राजेश प्रसाद ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की पिस्तौल यहां पर संरक्षित है, यह संग्रहालय के लिए सौभाग्य का विषय है जिससे देश के नागरिकों तथा प्रयागराज वासियों की भावनाएं भी जुड़ी हुई हैं जिसका सम्मान करते हुए आज उनकी जयंती पर पिस्तौल को दर्शनार्थ प्रदर्शित किया गया है।

निदेशक राजेश प्रसाद ने मुख्य अतिथि सहित विशिष्ट अतिथियों प्रो योगेश्वर तिवारी इविवि तथा वीरेंद्र पाठक वरिष्ठ पत्रकार का स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ सन्जू मिश्रा, सहायक संग्रहाध्यक्ष तथा संयोजन सहयोग डॉ सुशील शुक्ल ने किया।

राज्यमंत्री डॉ. अरुण ने त्रिवेणी के पौधे रोपे

बाराबंकी, अमृत विचार : वृक्षारोपण महाअभियान 2025 के तहत ग्राम रसौली में उत्तर प्रदेश के पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने त्रिवेणी (पीपल, बरगद, नीम) का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर जनप्रतिनिधियों, वन विभाग के अधिकारियों, छात्र-छात्राओं और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भी पौधरोपण में सहभागिता की। राज्यमंत्री ने 22 जुलाई 2025 को जन्मे नवजातों के पांच अभिभावकों को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट व सागौन का पौधा देकर पौधरोपण के प्रति प्रेरित किया। साथ ही टीआरसी लॉ कॉलेज व रॉयल ब्लू स्कूल के विद्यार्थियों को सहजन पौधे वितरित किए गए।

फैक्ट्री में आग से लाखों की क्षति

संवाददाता, निन्दूरा, बाराबंकी

आग लगने के बाद फैक्ट्री से निकलता धुएं का गुबार। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कुर्सी थाना क्षेत्र के औद्योगिक इलाके में बुधवार दोपहर एक प्लास्टिक फैक्ट्री में दोपहर वेल्डिंग कार्य के दौरान अचानक आग लग गई, जिसने कुछ ही मिनटों में पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। फैक्ट्री में प्लास्टिक, केमिकल और डीजल का भारी स्टॉक होने के चलते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। अग्निकांड की घटना में लाखों के नुकसान का अनुमान है।

उमरा इंडस्ट्रियल एरिया में जैन प्लास्टिक फैक्ट्री बनी हुई है। जहां प्लास्टिक के उत्पाद बनाए जाते हैं। दोपहर करीब 12 बजे के बाद यहां अचानक आग लग गई। कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। लपटें आसमान तक उठने लगीं और चारों ओर धुआं फैल गया। धुएं का गुबार इतना घना था कि दिन में ही अंधकार जैसा माहौल बन गया। आग लगने के कुछ समय बाद फैक्ट्री की तीन मंजिला टिन शेड इमारत भरभराकर गिर गई। फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की करीब 12 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं। आग बुझाने के दौरान एक अग्निशमन कर्मचारी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है।

पुराने वाहनों पर एनजीटी ने लगाया प्रतिबंध

मानसून सत्र

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने राज्यसभा में कहा- सरकारी नीति के तहत 15 साल पुराने वाहनों पर प्रतिबंध नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को बताया कि पुराने डीजल और पेट्रोल वाहनों के उपयोग पर प्रतिबंध सरकार ने नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा लगाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की वाहन कबाड़ नीति (व्हीकल स्क्रैपिंग पॉलिसी) के तहत 15 साल पुराने वाहनों के चलने पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

गडकरी ने राज्यसभा को बताया कि एनजीटी के 7 अप्रैल, 2015 के आदेश और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 10 साल से पुराने डीजल और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों के चलने पर रोक लगाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य परिवहन विभागों को इन आदेशों को लागू करने का निर्देश दिया है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने स्वैच्छिक वाहन बेड़ा आधुनिकीकरण कार्यक्रम (वी-वीएमपी) अथवा वाहन स्क्रैपिंग नीति तैयार की है, जिसका उद्देश्य पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाना है। दिल्ली-एनसीआर के बाहर के निजी वाहनों की वैधता स्वचालित परीक्षण केंद्रों (एटीएस) द्वारा जारी फिटनेस प्रमाणपत्र पर निर्भर करेगी। हालांकि, सरकारों के नाम पर पंजीकृत वाहनों के लिए अधिकतम वैधता सीमा 15 वर्ष से अधिक होगी। गडकरी ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर अब तक 13,795 'ब्लैक स्पॉट' यानी दुर्घटना जोखिम वाली जगहों की पहचान की गई है। 'ब्लैक स्पॉट' की मरम्मत एक निरंतर प्रक्रिया है और तत्काल आधार पर अल्पकालिक सुधार किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से 11,866 'ब्लैक स्पॉट' पर अल्पकालिक सुधार कार्य किए गए हैं, जबकि 5,324 स्थानों पर दीर्घकालिक सुधार कार्य संपन्न हो चुका है। गडकरी ने बताया कि देहरादून-दिल्ली एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे परियोजना की अनुमानित लागत 11,868.6 करोड़ है और इसे अक्टूबर तक पूरा किए जाने का लक्ष्य है।

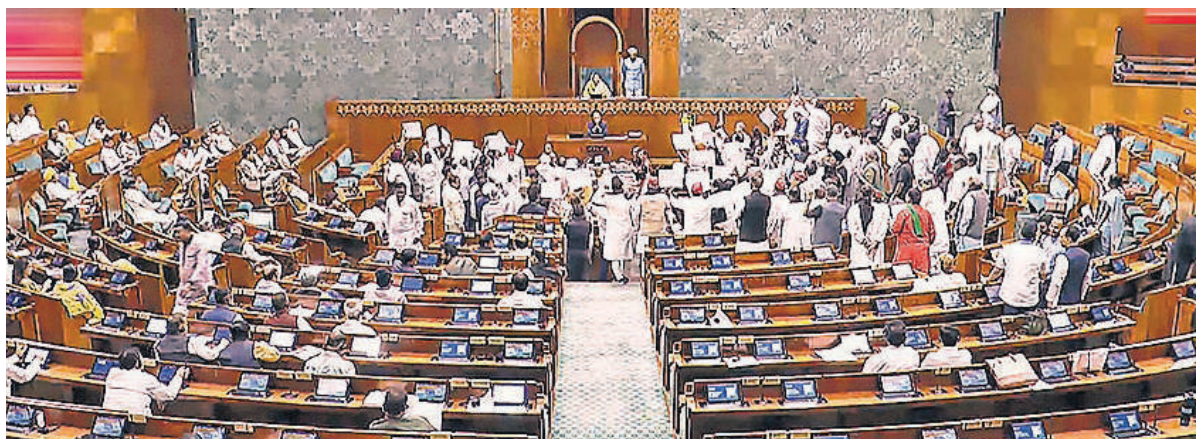

संसद सत्र के दौरान बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों ने लोकसभा में विरोध प्रदर्शन करते हुए।

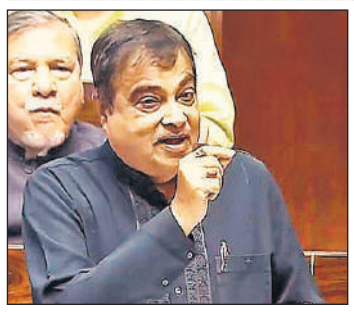

एनएच निर्माण की रफ्तार घटी, औसतन 29 किमी प्रतिदिन

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की औसत गति घटकर 29 किलोमीटर प्रतिदिन रह गई। राज्यसभा में बुधवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि 2023-24 में राजमार्गों का प्रतिदिन औसतन 34 किलोमीटर निर्माण हुआ था, जबकि 2020-21 में राजमार्गों के निर्माण की अब तक की सबसे तेज रफ्तार 37 किलोमीटर प्रतिदिन दर्ज की गई थी। 2024-25 में कुल 10,660 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया, 2023-24 में 12,349 किलोमीटर, और 2022-23 में 10,331 किलोमीटर राजमार्ग बनाए गए। गडकरी ने कहा कि एक्सेस-कंट्रोल्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर (एचएससी) और एक्सप्रेसवे सहित सभी राजमार्ग विकास परियोजनाएं प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) के सिद्धांतों के अनुसार तैयार की जाती हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना में विज्ञापन पर केवल दो फीसदी ही खर्च

■ नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को स्पष्ट किया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत विज्ञापन पर केवल दो प्रतिशत खर्च हुआ है, न कि 80 प्रतिशत जैसा कि पहले कुछ खबरों में दावा किया गया था। राज्यसभा को ठाकुर ने बताया कि 2020-21 से 2024 25 के बीच योजना पर कुल 335 .37 करोड़ खर्च हुए, जिनमें 7 .02 करोड़ रुपये मीडिया प्रचार पर खर्च किए गए।

सीएपीएफ में 72,689 पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी

■ नई दिल्ली। सीएपीएफ और असम राइफल्स में एक जनवरी, 2025 तक कुल 1.09 लाख पद रिक्त थे, जबकि 72,689 पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी साझा की। उन्होंने सीएपीएफ में स्वीकृत पदों, कुल क्षमता और रिक्तियों से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत किए।

पांच वर्ष से कम आयु के करीब 37 फीसदी बच्चे कुपोषण का शिकार

नई दिल्ली, एजेंसी

• प्रदेश में ठिगने बच्चों की दर सबसे अधिक 48.83 प्रतिशत

केंद्र सरकार के पोषण ट्रैकर के तहत पंजीकृत, पांच वर्ष से कम उम्र के लगभग 37.07 प्रतिशत बच्चे ठिगने पाए गए हैं, जबकि 15.93 प्रतिशत का वजन कम और 5.46 प्रतिशत बच्चे अत्यधिक दुबले पतले पाए गए हैं। राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 'वेस्टेड' वह स्थिति होती है जब कोई व्यक्ति, विशेष रूप से बच्चा, उसकी लंबाई की तुलना में अत्यधिक दुबला होता है। मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में ठिगने बच्चों की दर सबसे अधिक 48.83 प्रतिशत दर्ज की गई है। इसके बाद झारखंड (43.26 प्रतिशत), बिहार (42.68 प्रतिशत) और मध्यप्रदेश (42.09 प्रतिशत) का स्थान है। ठाकुर ने बताया कि जून 2025 तक छह वर्ष तक की उम्र के करीब 8.61 करोड़ बच्चे पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत हैं, जो पिछले वर्ष के 8.91 करोड़ के मुकाबले थोड़ी गिरावट को दर्शाता है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि लगभग दो लाख आंगनवाड़ी केंद्रों को 'सक्षम आंगनवाड़ी' के तौर पर उन्नयन करने की योजना पर काम चल रहा है, जहां आधुनिक बुनियादी ढांचे और डिजिटल लर्निंग टूल्स उपलब्ध कराए जाएंगे।

रेलवे ने 2023-24 में यात्रियों को किराए पर 45 % दी सब्सिडी

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने बुधवार को संसद में बताया कि भारतीय रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में यात्रियों के किराए पर 45 प्रतिशत सब्सिडी दी है, जो 60,466 करोड़ रुपये है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल में हुई रेल किराया वृद्धि पर कई सांसदों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेलवे 720 करोड़ से ज़्यादा यात्रियों को किफ़ायती परिवहन सेवा प्रदान करता है और इसके किराये दुनिया में सबसे कम हैं, यहां तक कि पड़ोसी देशों की तुलना में भी। वैष्णव ने लोकसभा में विभिन्न प्रश्नों के लिखित उत्तर में बताया, वित्त वर्ष 2023-24 में लोगों की यात्रा पर दी गयी कुल सब्सिडी 60,466 करोड़ रुपये (अनंतिम) है। यह किराए पर 45 प्रतिशत सब्सिडी के बराबर है। उन्होंने बताया कि पांच साल से अधिक समय के बाद रेल किरायों को इस साल एक जुलाई से तर्कसंगत बनाया गया है। किराये में वृद्धि बहुत कम है, प्रीमियम श्रेणियों के लिए यह आधे पैसे प्रति किलोमीटर से लेकर दो पैसे प्रति किलोमीटर तक है।

रेलवे सांसदों को ऑनलाइन टिकट बुक करने में मदद के लिए बना रहा सॉफ्टवेयर

नई दिल्ली। सरकार ने लोकसभा में कहा कि रेल मंत्रालय ने एक सॉफ्टवेयर विकसित करने की पहल की है, जिससे सांसदों को ऑनलाइन आरक्षित टिकट बुक करने में मदद मिलेगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कांग्रेस सदस्य एमके राघवन के सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। राघवन ने सवाल किया था कि क्या लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों के लिए समर्पित ऑनलाइन रेलवे टिकट बुकिंग पोर्टल शुरू करने की सरकार की कोई योजना है।

राष्ट्रपति ने कश्मीरी पंडितों से जुड़ा निजी विधेयक पेश करने की सिफारिश की

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास से संबंधित एक निजी विधेयक को राज्यसभा में विचार के लिए पेश करने की सिफारिश की है। कांग्रेस सदस्य विवेक तन्खा ने दो फरवरी, 2024 को कश्मीरी पंडित (आश्रय, पुनर्वास और पुनर्स्थापन) विधेयक, 2022 राज्यसभा में पेश किया था, लेकिन वित्तीय निहितार्थों के कारण इसे राष्ट्रपति की सिफारिश प्राप्त करनी पड़ी।

तन्खा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, संसद में पहली बार, माननीय राष्ट्रपति ने कश्मीरी पंडित (आश्रय, पुनर्वास और पुनर्स्थापन) विधेयक, 2022 नामक निजी विधेयक को सदन में विचार के लिए पेश करने की अनुशंसा की है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, अगर इस पर चर्चा होती है और इसे मंजूरी मिलती है तो यह न्याय के लिए कश्मीरी पंडितों की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।

2020 से अब तक 1.25 करोड़ शिकायतों का किया गया निवारण

नई दिल्ली। सरकार ने लोकसभा को बताया कि 2020 से अब तक 1.25 करोड़ से ज्यादा शिकायतों का निवारण किया जा चुका है। कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि केंद्र ने पिछले साल 23 अगस्त को जनता की शिकायतों के निपटारे के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी किए थे। इन दिशानिर्देशों में शिकायतों के समाधान की अधिकतम सीमा को 30 दिन से घटाकर 21 दिन करने का प्रावधान है। अब तक केंद्रीय लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली पोर्टल पर 1.25 करोड़ से ज्यादा शिकायतों का निवारण किया जा चुका है।

संसद परिसर में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ मौजूद सपा मुखिया अखिलेश यादव। दाएं : सत्र में भाग लेने जातीं सांसद हेमा मालिनी।

राहुल बोले- प्रधानमंत्री ट्रंप के दावे पर खामोश, दाल में कुछ काला है

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऑपरेशन सिंदूर रुकवाने का दावा 25 बार किया है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोई बयान नहीं दे रहे, जिससे स्पष्ट है कि दाल में कुछ काला है। राहुल ने यह आरोप भी लगाया कि मोदी सरकार ने विदेश नीति की धज्जियां उड़ा दी हैं और पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के दौरान किसी देश ने भारत का समर्थन नहीं किया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, पूरी दुनिया जानती है कि ट्रंप ने युद्धविराम करवाया है... हम रक्षा से जुड़ी समस्याओं, रक्षा उद्योग और ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में चर्चा करना चाहते हैं। हालात अच्छे नहीं है, पूरा देश जानता है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा, जो अपने आप को देशभक्त कहते हैं वो भाग खड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री एक बयान नहीं दे पा रहे हैं।

4.7 लाख से अधिक नकली एनसीईआरटी किताबें जब्त: जयंत

नई दिल्ली, एजेंसी

• केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने राज्यसभा में दी जानकारी

देश भर में एनसीईआरटी की 4.71 लाख से अधिक नकली किताबें वर्ष 2024 और 2025 के दौरान जब्त की गई हैं। यह जानकारी केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने बुधवार को राज्यसभा को दी। जयंत चौधरी ने एक प्रश्न के लिखित जवाब में बताया, एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों की पायरेसी की घटनाएं देश के विभिन्न हिस्सों से सामने आई हैं।

वर्ष 2024 और 2025 के दौरान विभिन्न राज्यों में छापों के दौरान एनसीईआरटी की लगभग 4.71 लाख नकली पुस्तकें जब्त की गईं। पायरेसी का मुख्य कारण असामाजिक तत्वों द्वारा इसका व्यावसायिक दोहन है। मंत्री ने कहा कि एनसीईआरटी का मुख्य उद्देश्य छात्रों तक गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें बेहद सस्ती दरों पर पहुंचाना है और यह कार्य 'न लाभ, न हानि' के सिद्धांत पर आधारित है। शिक्षा राज्य मंत्री ने बताया कि बीते एक वर्ष में एनसीईआरटी ने देशभर में 29 स्थानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी नकली किताबें छापने वाले, गैरकानूनी एनसीईआरटी वॉटरमार्क पेपर के उत्पादक आदि के परिसरों पर की गई और इनसे संबंधित मशीनरी को जब्त किया गया। इस दौरान 20 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की सामग्री जब्त की गई।

उन्होंने कहा, पायरेसी की जड़ पर प्रहार करने के लिए एनसीईआरटी ने कई सक्रिय कदम उठाए हैं, जिनमें एनसीईआरटी किताबों की कीमतों में 20 प्रतिशत की कटौती, समय पर किताबों की छपाई, बेहतर कागज और प्रिंटिंग गुणवत्ता, आधुनिक मशीनों का उपयोग, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए ऑनलाइन बिक्री को बढ़ावा देना आदि शामिल हैं।

नेशनल ब्रीफ

महिला मुक्केबाज ने 600 किमी की कांवड़ यात्रा की

शिमला। हिमाचल की राज्यस्तरीय महिला मुक्केबाज ने 600 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा पूरी कर इतिहास रच दिया है। उन्होंने गोमुख से अपने गांव तक गंगाजल ले जाकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंडी जिले के डेरडू गांव की 21 वर्षीय कृतिका ने सावन में लगातार दूसरे वर्ष यह कठिन यात्रा की। पिछले साल उन्होंने हरिद्वार से हिमाचल के सुंदरनगर तक की यात्रा की थी।

100वें स्वदेशी जहाज की आपूर्ति की सराहना

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने नौसेना को हाल में स्वदेशी डिजाइन वाले 100वें जहाज की आपूर्ति की बुधवार को सराहना करते हुए इसे न केवल संख्या के लिहाज से बड़ी उपलब्धि बताया, बल्कि इसे समुद्री आत्मनिर्भरता, तकनीकी उत्कृष्टता और रणनीतिक दूरदर्शिता की दिशा में भारत की यात्रा का एक प्रतीकात्मक प्रमाण भी करार दिया।

गाजियाबाद में अवैध दूतावास का भंडाफोड़, फर्जी राजदूत गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी

उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की नोएडा इकाई ने गाजियाबाद में एक अवैध दूतावास का भंडाफोड़ कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि आरोपी की पहचान गाजियाबाद के कविनगर निवासी हर्षवर्धन जैन के रूप में हुई है।

अपर पुलिस महानिदेशक अमिताभ यश ने बताया कि हर्षवर्धन, कविनगर में किराए पर मकान लेकर अवैध रूप से पश्चिम आर्कटिक का दूतावास संचालित कर रहा था और वह खुद को पश्चिम आर्कटिक, सेबोर्गा, पुलविया, लोडोनिया का राजदूत बताता था। वह कई फर्जी नंबर प्लेट लगी गाड़ियों का इस्तेमाल करता था।

एसटीएफ ने कहा कि लोगों को गुमराह करने के लिए हर्षवर्धन प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ अपनी तस्वीरों का भी इस्तेमाल करता था। इन तस्वीरों को उसने छेड़छाड़ कर तैयार किया था। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि जैन का मुख्य काम कंपनियों और व्यक्तियों को बाहर के देशों में काम दिलाने के नाम पर दलाली करना और शेल कंपनियों के माध्यम से हवाला गिरोह संचालित करना था।

एसटीएफ की कार्रवाई

• दूसरे देशों में काम दिलाने की करता था दलाली, चलाता था हवाला गिरोह

लग्जरी गाड़ियां और कैश बरामद

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट वाली चार गाड़ियां, दो देशों के 12 राजनयिक पासपोर्ट, विदेश मंत्रालय की मुहर लगे कूटरचित दस्तावेज, कूटरचित दो पैन कार्ड, विभिन्न देशों और कंपनियों की 34 मुहरें, दो कूटरचित प्रेस कार्ड, 44 .70 लाख रुपये, कई देशों की विदेशी मुद्राएं और कंपनियों के दस्तावेज और 18 डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट बरामद किए हैं। थाना कविनगर में मुकदमा दर्ज किया गया है।

वनों की कटाई से नहीं हो सकता सतत विकास : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई करते हुए सतत विकास की जरूरत बतायी, लेकिन सलाह दी कि यह बुलडोजर से वनों की कटाई से नहीं होगा। सीजेआईबीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन तथा जॉयमाल्या बागची की पीठ तेलंगाना के कांचा गाचीबोवली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई कर रही थी।

सीजेआई ने कहा, मैं सतत विकास का समर्थक हूं, लेकिन इसका अभिप्राय यह नहीं कि आप रातोंरात 30 बुलडोजर की मदद से पूरे जंगल को साफ कर दें। न्यायमित्र अधिवक्ता के. परमेश्वर ने पीठ को बताया कि कई निजी पक्ष राज्य के हलफनामे पर जवाब देना चाहते हैं। पीठ ने अगली सुनवाई 13 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी।

यूट्यूब पर वीडियो देखकर बरेली की फरजाना ने पति को उतारा मौत के घाट

• पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मोबाइल फोन की हिस्ट्री ने खोला राज

नई दिल्ली, अमृत विचार नेटवर्क

बाहरी दिल्ली के निहाल विहार इलाके में एक महिला ने अपने पति की हत्या के लिए यूट्यूब पर कई वीडियो खंगाले इसकी जानकारी पुलिस की जांच में सामने आई। महिला ने पति की मारने के लिए पहले नशे की दवा दी और बाद में चाकू घोंपकर हत्या कर दी। उसने इसे आत्महत्या करार देने का प्रयास किया पर मोबाइल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से सभी राज खोल दिए। पुलिस ने शाहिद उर्फ इरफान (32) की हत्या में उसकी पत्नी फरजाना खान (25) को गिरफ्तार कर लिया है।

बताया जा रहा है कि फरजाना का बरेली निवासी चचेरे देवर से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पति को रास्ते से हटाने के लिए बरेली निवासी फरजाना ने रविवार को दिन में ही शाहिद के पेट में चाकू से तीन वार कर उसकी हत्या कर दी और परिजनों को बताया कि कर्जे से परेशान शाहिद ने खुद पेट में चाकू मार लिया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि रविवार शाम 4.15 बजे संजय गांधी अस्पताल से निहाल विहार थाना पुलिस को युवक की मौत की सूचना मिली थी। मृतक का भाई जफर हुसैन उसे अस्पताल ले आया था। मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों ने हत्या की पुष्टि की। रविवार को पुलिस शाहिद के घर पहुंची जहां फरजाना घर की धुलाई करती मिली थी। पुलिस को उसके मोबाइल फोन की हिस्ट्री से पता चला कि फरजाना ने यूट्यूब पर हत्या करने के तरीके का वीडियो देखा था और गूगल पर भी इसको सर्च किया था।

महिला का था चचेरे देवर संग प्रेम प्रसंग

2022 में बरेली की फरजाना की शादी मोहम्मद शाहिद उर्फ इरफान से हुई थी। वह भी बरेली का था। शाहिद परिवार के साथ आरजेडएच-ब्लॉक, निहाल विहार, दिल्ली में रहता था। शादी के बाद फरजाना दिल्ली आ गई। फरजाना को वेल्डर पति कभी अच्छा नहीं लगा। उसका बरेली के ही चचेरे देवर से प्रेम प्रसंग चल रहा था। हत्याकांड में चचेरे देवर का रोल है या नहीं इसकी पड़ताल चल रही है। पुलिस फरजाना की कॉल हिस्ट्री निकाल रही है। इसके अलावा उसकी व्हाट्सएप चैट भी खंगाली जा रही है।

विमान में आग, मेडे कॉल के बाद उड़ान रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

• अहमदाबाद एयरपोर्ट पर हुई घटना, दीव जा रहा था प्लेन

अहमदाबाद से दीव जा रही इंडिगो की फ्लाइट के इंजन में टेकऑफ के दौरान अचानक आग लग गई। विमान में 50 यात्री और चालक दल के सदस्यों को मिलाकर करीब 60 लोग सवार थे। आग लगने की जानकारी मिलते ही पायलट ने एटीसी को मेडे की कॉल दी और प्लेन को टेकऑफ करने से रोक दिया। यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया।

सूत्रों ने बताया कि तय कार्यक्रम के अनुसार अहमदाबाद से दीव के लिए उड़ान सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से सुबह लगभग 11:15 मिनट पर रवाना होनी थी। विमान रवाना होने के चरण में था, तभी अचानक पायलट को इंजन में आग लगने की जानकारी हुई तो फ्लाइट को रनवे पर रोकने का निर्णय लिया। इंडिगो ने एक बयान में कहा कि 23 जुलाई को अहमदाबाद से दीव जा रहे इंडिगो के विमान एटीआर76 उड़ान भरने से ठीक पहले तकनीकी खराबी का संकेत मिला। मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए पायलट ने अधिकारियों को सूचित किया और विमान को वापस पार्किंग क्षेत्र में ले गए।सूत्रों के मुताबिक, प्लेन में एटीसी के क्लीयरेंस मिलने के बाद रवने पर रोल करना शुरू ही किया था। जिसके बाद प्लेन टेकऑफ कर जाता है। लेकिन तभी फ्लाइट के इंजन में आग लग गई और पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को मेडे की कॉल दी।

इसके बाद फ्लाइट को खाली कराया गया। एयरलाइन ने ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है और उन्हें दूसरी फ्लाइट से रवाना करने या फुल रिफंड देने की पेशकश की है।

प्रक्रिया भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए अब तक 16 चुनाव हुए

उपराष्ट्रपति चुनाव : सिर्फ 4 बार निर्विरोध निर्वाचित हुए उम्मीदवार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए अब तक 16 चुनाव हुए हैं और केवल चार बार ही उम्मीदवार निर्विरोध जीत सके जबकि दो चुनावों में बहुकोणीय मुकाबला देखने को मिला। सर्वपल्ली राधाकृष्णन 1952 से 1962 तक दो बार उपराष्ट्रपति रहे और वह दोनों बार चुनावों में निर्विरोध विजयी रहे।

1952 के चुनाव में, आंध्र प्रदेश के जनाब शेख खादिर हुसैन ने नामांकन दाखिल किया था लेकिन उनका नामांकन पत्र खारिज कर दिया गया, जिससे राधाकृष्णन एकमात्र उम्मीदवार रह गए। वर्ष 1979 में प्रसिद्ध न्यायविद और भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश मोहम्मद हिदायतुल्लाह निर्विरोध उपराष्ट्रपति चुने गए। हिदायतुल्लाह को प्रधान न्यायाधीश, उपराष्ट्रपति और कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करने का अनूठा गौरव प्राप्त है। प्रधान न्यायाधीश के रूप में, हिदायतुल्लाह ने 1969 में एक महीने तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में काम किया, जब वी.वी. गिरि ने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए कार्यवाहक राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। तीन मई, 1969 को तत्कालीन राष्ट्रपति जाकिर हुसैन के निधन के बाद, गिरि ने कार्यवाहक राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला। 1987 में महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल शंकर दयाल शर्मा ने उपराष्ट्रपति का चुनाव निर्विरोध जीता। नौवें उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 27 लोगों ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे लेकिन निर्वाचन अधिकारी ने केवल शर्मा के आवेदन को ही वैध पाया। 1992 में के.आर. नारायणन को 701 मतों में से 700 मत मिले। उनके प्रतिद्वंद्वी काका जोगिंदर सिंह को, जिन्हें 'धरती पकड़' के नाम से भी जाना जाता था, को केवल एक वोट मिला।

उपराष्ट्रपति चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला सिर्फ 2007 में देखा गया जब संप्रग उम्मीदवार एम. हामिद अंसारी का मुकाबला राजग प्रत्याशी नजमा हेपतुल्लाह और तीसरे मोर्चे के उम्मीदवार रशीद मसूद से था। उस चुनाव में कुल 790 मतदाताओं में से 762 ने अपने मत डाले, जिनमें से 10 अवैध पाए गए। वैध 752 मतों में से अंसारी को 455, हेपतुल्ला को 222 और मसूद को 75 मत मिले।

इस्तीफे की घोषणा से पहले अचानक राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे धनखड़

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ इस्तीफा देने से पहले सोमवार को अचानक राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे। धनखड़ ने सोमवार रात करीब नौ बजे राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें अपना इस्तीफा सौंपा। सूत्रों ने बताया कि आधे घंटे बाद उन्होंने अपना त्यागपत्र सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सार्वजनिक कर दिया। धनखड़ ने अपने पत्र में कहा, स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और चिकित्सकीय सलाह का पालन करने के लिए मैं संविधान के अनुच्छेद 67(ए) के अनुसार तत्काल प्रभाव से भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देता हूं। वहीं धनखड़ ने अपना सामान पैक करना शुरू कर दिया है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,726.64	25,219.90
बढ़त	539.83	159
प्रतिशत में	0.66	0.63

सोना 1,01,020 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,18,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 24 जुलाई 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

मिंत्रा के खिलाफ फेमा के तहत मामला दर्ज

नई दिल्ली। ईडी ने ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट समर्थित 'फैशन एवं लाइफस्टाइल' मंच मिंत्रा, संबंधित कंपनियों और निदेशकों के खिलाफ 1,654 करोड़ रुपये से अधिक के एफडीआई उल्लंघन में फेमा के तहत मामला दर्ज किया है। वित्तीय अपराध जांच एजेंसी ईडी ने बुधवार को बताया कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) की धारा 16(3) के तहत शिकायत दर्ज की गई है। एजेंसी को विश्वसनीय जानकारी मिली थी कि मिंत्रा ब्रांड नाम वाली मिंत्रा डिजायन्स प्राइवेट लिमिटेड व इसकी संबंधित कंपनियां थोक कैश एंड कैरी की आड़ में बहु-ब्रांड खुदरा कारोबार कर रही हैं। यह प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से संबंधित मौजूदा दिशानिर्देशों का कथित उल्लंघन है।

लक्ष्मी का आईपीओ 29 को, 150-158 का शेयर

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस लिमिटेड का 254 करोड़ का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 29 जुलाई को खुलेगा। कंपनी ने बुधवार को इसके लिए मूल्य दायरा 150-158 रुपये प्रति शेयर तय किया। कंपनी ने बताया कि आईपीओ 31 जुलाई को बंद होगा। जयपुर की कंपनी का आईपीओ 1.84 करोड़ इक्विटी शेयरों के नए निर्गम और प्रवर्तकों द्वारा 56.38 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है।

यूपीआई से लेनदेन पर नोटिस से व्यापारी नाराज

बेंगलुरु। एकीकृत भुगतान मंच यूपीआई से हुए लेनदेन को आधार बनाकर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की मांग के 6,000 नोटिस जारी होने पर कर्नाटक के व्यापारियों ने चिंता जताई है। हालांकि शीर्ष कर अधिकारी ने इस कदम को कानून के दायरे में बताया है। व्यापारी संगठनों ने यूपीआई लेनदेन के आधार पर जीएसटी भुगतान की मांग करने वाले नोटिस भेजे जाने पर हड़ताल का आह्वान भी किया है। वाणिज्यिक कर विभाग की संयुक्त आयुक्त मीरा सुरेश पंडित ने कहा कि व्यापारियों के भेजे गए नोटिस अंतिम कर मांग नहीं हैं और नोटिस पाने वाले व्यापारियों को सहयोगी दस्तावेजों के साथ इनका जवाब देने का अधिकार है।

डीपीआईआईटी से मारुति का समझौता

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने वाहन विनिर्माण और परिवहन क्षेत्र में प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान विकसित करने को स्टार्टअप को प्रोत्साहित के लिए उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) से समझौता किया है। कंपनी ने बुधवार को कहा कि स्टार्टअप इंडिया के तहत डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप को मारुति के कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

शेयर बाजार में बढ़ रहा महिलाओं का रुझान

- उप्र में महिला निवेशकों की कुल निवेश हिस्सेदारी 33% पहुंची

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश की महिलाएं ज्वेलरी में निवेश से आगे बढ़कर अब म्यूचुअल फंड में निवेश कर देश के साथ कदमताल कर रही हैं। एम्फी-क्रिसिल फैक्टबुक के अनुसार उत्तर प्रदेश में महिला निवेशकों का कुल निवेश (एयूएम) हिस्सेदारी 33% तक है, जो देश के औसत के बराबर है।

देश में पिछले माह तक कुल 5.34 करोड़ यूनिक निवेशक थे, जिनमें 27 फीसदी 1.41 करोड़ महिलाएं थीं। दरअसल साक्षरता दर में बढ़ोतरी और वर्कप्लेस में महिलाओं की भागीदारी देश की आर्थिकी में उनका योगदान तेजी से बढ़ा रही है। इसके चलते शेयर बाजार में भी महिला निवेशक बढ़ रही हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक देश में 11 करोड़ निजी निवेशकों में महिलाओं की हिस्सेदारी 2.60 करोड़ है। कुछ सालों में डीमैट खातों की संख्या में तेजी आई है। मार्च 2021 में जहां कुल खाते 3.33 करोड़ थे, वहीं 2025 में बढ़कर 16 करोड़ हो गए हैं। हालांकि, इसमें पुरुष खाताधारकों की संख्या अब भी महिलाओं से ज्यादा है, लेकिन महिलाओं की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। महिलाओं के डीमैट खाते 3 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाले हैं। आर्थिक विशेषज्ञ राजीव सिंह के अनुसार मोबाइल एप्स और आसान ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से अब डीमैट खाता खोलना सरल हो गया है। इससे महिलाएं और छोटे शहरों या कस्बों के लोग भी अब बड़ी तादाद में शेयर बाजार की तरफ आकर्षित हो रहे हैं।

> महिलाओं द्वारा सिप में निवेश 2019 से 2024 के बीच 320 फीसदी बढ़ा है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वे अनुशासित निवेश को प्राथमिकता दे रही हैं।
> — राजीव सिंह, आर्थिक सलाहकार

इन कारणों से बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

आर्थिक सशक्तीकरण : उत्तर प्रदेश में महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर में वृद्धि हुई है, जिससे महिलाओं के पास निवेश योग्य पूंजी बढ़ी है।
वित्तीय जागरूकता : सरकार, एनजीओ और म्यूचुअल फंड कंपनियों द्वारा वित्तीय साक्षरता अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है।
डिजिटल सुविधा और निवेश प्लेटफॉर्म : ऑनलाइन निवेश प्लेटफार्मों की बढ़ती उपलब्धता ने महिलाओं को निवेश की ओर आकर्षित किया है।
लंबी अवधि की सोच : करीब 25 फीसदी महिला निवेशक अब पांच साल से अधिक समय तक अपना निवेश बनाए रखती हैं।

कैसे फंड्स में महिलाओं का निवेश

महिलाओं का 65 फीसदी निवेश इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में है, जो जोखिम सहने की उनकी क्षमता को दर्शाता है।हाइब्रिड फंड्स में 20 फीसदी का निवेश है, जो संतुलित जोखिम रणनीति को दर्शाता है।

प्रतिस्पर्धा की नई दिशा स्टार्टअप कंपनियां

स्टार्टअप कंपनियां आज वैश्विक अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा हैं। नवाचार, प्रौद्योगिकी व उद्यमशीलता की शक्ति से ये न केवल रोजगार व विकास के अवसर सृजित करती हैं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आर्थिक सहयोग और प्रतिस्पर्धा को नई दिशा देती हैं। डिजिटल युग में स्टार्टअप्स तकनीकी क्रांति, ई-कॉमर्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। वैश्विक निवेशकों का झुकाव भी इनकी ओर बढ़ा है, जिससे ये स्पष्ट है कि स्टार्टअप वैश्विक अर्थव्यवस्था के भविष्य की रीढ़ हैं।

वैश्विक आर्थिक योगदान

स्टार्टअप कंपनियां अब पारंपरिक व्यापारिक ढांचे को चुनौती दे रही हैं। अमेरिका, चीन, भारत, यूरोप सहित कई देशों में यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स (1 बिलियन डॉलर से अधिक वाले) वैश्विक अर्थव्यवस्था में अरबों डॉलर का योगदान कर रहे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, क्लाउड सेवाएं, एआई व ब्लॉकचेन जैसे तकनीकी नवाचार से ये कंपनियां नए आयाम दे रही हैं।

रोजगार सृजन

स्टार्टअप्स रोजगार का बड़ा स्रोत बनकर उभरे हैं। पारंपरिक कंपनियों की तुलना में ये अधिक लचीले और नवाचारपूर्ण वातावरण देते हैं। वैश्विक युवा वर्ग अब नौकरी ढूंढने की बजाय खुद उद्यमिता की ओर अग्रसर हो रहा है।

निवेश और पूंजी प्रवाह

वैश्विक निवेशक, विशेषकर वेंचर कैपिटल और प्राइवेट इक्विटी फर्में, स्टार्टअप्स में भारी निवेश कर रही हैं। 2020 के बाद, महामारी काल में डिजिटल सेवाओं की मांग में वृद्धि ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और विस्तार

स्टार्टअप्स सीमाओं से परे जाकर तेजी से वैश्विक बाजारों में प्रवेश कर रहे हैं। भारतीय स्टार्टअप्स आज अमेरिका, यूरोप, सिंगापुर और मिडिल ईस्ट में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इससे न केवल विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ रहा है बल्कि ब्रांड इंडिया की छवि भी सशक्त हो रही है।

शुल्क नीति के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर

आरबीआई लेख : भू-राजनीतिक तनाव से वैश्विक व्यापक आर्थिक परिवेश बना हुआ है अस्थिर

- दरों में कटौती का लाभ ऋण बाजारों तक पहुंचाने को नकदी भी अधिशेष की स्थिति में रही

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को अपने बुलेटिन में कहा कि भू-राजनीतिक तनाव और शुल्क नीति से जुड़ी अनिश्चितताओं के बीच जून-जुलाई के दौरान भारत की आर्थिक गतिविधियां स्थिर रहीं। जुलाई बुलेटिन में अर्थव्यवस्था की स्थिति पर लेख में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव और शुल्क नीति की अनिश्चितताओं के बीच जून और जुलाई में अबतक वैश्विक व्यापक आर्थिक परिवेश अस्थिर बना हुआ है।

लेख के मुताबिक, खरीफ कृषि सत्र की बेहतर संभावनाओं, सेवा क्षेत्र में मजबूत रफ्तार जारी रहने और औद्योगिक गतिविधियों में मामूली वृद्धि के साथ घरेलू आर्थिक गतिविधियां स्थिर रहीं। इसमें कहा गया है कि खाद्य कीमतों में गिरावट से जून में लगातार पांचवें महीने मुख्य खुदरा मुद्रास्फीति चार प्रतिशत से नीचे रही। इसके अलावा, नीतिगत दरों में कटौती का लाभ ऋण बाजारों तक तेजी से पहुंचाने के लिए प्रणालीगत नकदी भी अधिशेष की स्थिति में रही।

लेख में कहा गया है कि पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और विदेशी ऋण से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मध्यम अनुपात के कारण बाह्य क्षेत्र लचीला बना हुआ है। हालांकि, आरबीआई ने कहा कि लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और उसके विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

जुझारू व्यापार साझेदारियों से भारत के लिए रणनीतिक अवसर उपलब्ध

मुंबई। बढ़ती अनिश्चितताओं और भू-आर्थिक विखंडन के बीच अधिक जुझारू व्यापार साझेदारियां बनाने से भारत के लिए वैश्विक मूल्य शृंखला के साथ एकीकरण गहरा करने का रणनीतिक अवसर मिलता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के जुलाई माह के बुलेटिन में कहा गया कि भारत गुरुवार को ब्रिटेन के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी इस व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के लिए लंदन गए हैं। वहीं, अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए भी भारत इस समय बात कर रहा है। लेख के मुताबिक, खरीफ कृषि सत्र की बेहतर संभावनाओं, सेवा क्षेत्र में मजबूत रफ्तार जारी रहने और औद्योगिक गतिविधियों में मामूली वृद्धि के साथ घरेलू आर्थिक गतिविधियां स्थिर रहीं। एक अगस्त, 2025 से नई आयात शुल्क दरें लागू होने से पहले व्यापार सौदों को अंतिम रूप देने के लिए गहन बातचीत चल रही है, और ध्यान फिर से अमेरिकी व्यापार नीतियों और वैश्विक स्तर पर उनके प्रभावों पर केंद्रित है। औसत व्यापार शुल्क दरें 1930 के दशक के बाद से अभूतपूर्व स्तर को छूने वाली हैं। वैश्विक व्यापार प्रवाह और आपूर्ति शृंखलाओं का विकसित होता स्वरूप अब भी स्थिर नहीं है। ये अनिश्चितताएं वैश्विक आर्थिक संभावनाओं के लिए काफी प्रतिकूल हैं। लेख में कहा गया है कि पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और विदेशी ऋण से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मध्यम अनुपात के कारण बाह्य क्षेत्र लचीला बना हुआ है। हालांकि, आरबीआई ने कहा कि लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और उसके विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

आरबीआई ने कारवार अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कर्नाटक स्थित कारवार अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है क्योंकि उसके पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावना नहीं है। इससे, बैंक 23 जुलाई, 2025 को कारोबार बंद होने से बैंकिंग गतिविधि बंद कर देगा। आरबीआई ने बुधवार को कहा कि 'सहकारी समितियों के पंजीयक, कर्नाटक' से बैंक को बंद करने और बैंक के लिए एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने का भी अनुरोध किया गया है। परिसमापन पर, प्रत्येक जमाकर्ता 'जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम' (डीआईसीजीसी) से पांच लाख रुपये की मौद्रिक सीमा तक अपनी जमा राशि की जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने का हकदार होगा। आरबीआई ने कहा कि बैंक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, 92.9 प्रतिशत जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी जमा की पूरी राशि प्राप्त करने के हकदार हैं। डीआईसीजीसी 30 जून, 2025 तक कुल बीमित जमाराशियों में से 37.79 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुका है। आरबीआई ने कहा कि सहकारी समिति के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं।

इंडिया ने वृद्धि दर अनुमान को घटाकर किया 6.3%

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर बुधवार को 6.3% कर दिया। एजेंसी ने अमेरिकी शुल्क से अनिश्चितता व कमजोर निवेश माहौल का हवाला दिया। इंडिया ने अपने मध्य-वर्षीय आर्थिक परिदृश्य में 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी की वृद्धि दर 6.3% रहने का अनुमान लगाया है जो उसके दिसंबर के 6.6% के अनुमान से कम है।

एजेंसी के मुख्य अर्थशास्त्री एवं सार्वजनिक वित्त प्रमुख देवेंद्र पंत ने कहा, प्रमुख प्रतिकूल परिस्थितियों में अमेरिका के सभी देशों पर एकतरफा शुल्क वृद्धि से अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य और अपेक्षा से कमजोर निवेश वातावरण शामिल हैं। वहीं अनुकूल परिस्थितियों में मौद्रिक सहजता, अपेक्षा से अधिक तेजी से मुद्रास्फीति में गिरावट और 2025 में सामान्य से अधिक वर्षा का अनुमान शामिल है। भारतीय अर्थव्यवस्था 2024-25 में 6.5% की दर से बढ़ी थी। इससे पहले एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भी व्यापार अनिश्चितता और अमेरिका के उच्च शुल्क का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को 6.7 से घटाकर 6.5% किया। आर्थिक समीक्षा में 2025-26 के लिए जीडीपी की वृद्धि दर 6.3 से 6.8%के बीच रहने का अनुमान है, जबकि आरबीआई ने वृद्धि अनुमान को पहले के 6.7 के से घटाकर 6.5% कर दिया है।

एडीबी ने भी घटाया अनुमान, किया 6.5%

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने व्यापार अनिश्चितता और अमेरिका के उच्च शुल्क को लेकर चिंताओं के बीच 2025-26 के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को 6.7 से घटाकर बुधवार को 6.5% कर दिया। जुलाई के एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) में अप्रैल 2025 की तुलना में गिरावट के बावजूद भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से है। भारतीय निर्यात पर अतिरिक्त शुल्क के प्रत्यक्ष प्रभाव के अलावा बढ़ी हुई नीतिगत अनिश्चितता निवेश प्रवाह को प्रभावित कर सकती है। इसके बावजूद आर्थिक गतिविधियां मजबूत हैं और ग्रामीण मांग में सुधार से घरेलू खपत में वृद्धि की उम्मीद है।

जापान को विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने का न्योता

वर्ल्ड एक्सपो-ओसाका

- प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने किया प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। जापान में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो-2025 में उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल में शामिल वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने जापान और जर्मनी के निवेशकों के साथ राउंडटेबल सम्मेलन में निवेश से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर संवाद किया। प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश की औद्योगिक, तकनीकी एवं निवेश क्षमताओं की विस्तार से जानकारी दी तथा निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा एवं पर्यटन क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश की प्रगति को रेखांकित किया। जापान के साथ सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। इस मौके पर आईटीपीओ द्वारा प्रतिनिधिमंडल का औपचारिक स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस यात्रा के दौरान, सुरेश खन्ना ने हानवा समूह को उत्तर प्रदेश में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया और राज्य के मज़बूत बुनियादी ढांचे, प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों और भविष्य के लिए तैयार कुशल कार्यबल पर प्रकाश डाला। उन्होंने समूह से राज्य से प्रतिभाओं को नियुक्त करने और युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्थानीय कौशल निर्माण पहलों में योगदान देने का भी आग्रह किया।

सुरेश खन्ना के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने जापानी वाणिज्य दूतावास से मुलाकात की।

जापान की कंपनी नोएडा में लगाएगी ईवी कंपोनेंट प्लांट

वैश्विक ऑटोमोटिव इनोवेशन लीडर डेंसो कार्पोरेशन गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) में मोटर जनरेटर निर्माण इकाई स्थापित करने को 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह महत्वपूर्ण घोषणा आयची, जापान में डेंसो प्रबंधन व यूपी सरकार सरकार के प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई एक रणनीतिक बैठक के बाद हुई। बैठक में प्रमुख सचिव (अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास) आलोक कुमार व इन्वेस्ट यूपी के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

शोध सेवाओं से जुड़े लोगों एक वर्ष में ले लें प्रमाणपत्रः सेबी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को कहा कि शोध सेवाओं से जुड़े लोगों को एक वर्ष में राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (एनआईएसएम) से प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि यह एक वर्ष का समय इस परिपत्र की तिथि से लागू होगा। परिपत्र के अनुसार, संस्थागत निवेशकों को सबसे महत्वपूर्ण नियम और शर्तों (एमआईटीसी) सहित नियमों और शर्तों पर हस्ताक्षर के साथ सहमति देने की जरूरत नहीं है। हालांकि, अनुसंधान विश्लेषक (आरए)/अनुसंधान संस्थाएं अब भी इन शर्तों को उनके साथ साझा करेंगी।

श्रम से चमकती धातु

त्रिपुरा के अगरतला के बाहरी इलाके में एल्युमीनियम के बर्तन बनाने का कारखाने है, जो अपनी चमक के लिए जाना जाता है, इस धातु के बर्तन को श्रमिक अपनी कड़ी मेहनत से चमकाते है, जिससे यह बाजार में अलग ही दिखाई देता है। एजेंसी

स्पाइसजेट के खिलाफ केएएल कलानिधि की याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

- शेयर हस्तांतरण विवाद में 1,300 करोड़ से अधिक के हर्जाने की मांगा पर हुई शीर्ष सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने केएएल एयरवेज और मीडिया दिग्गज कलानिधि मारन की उस याचिका को बुधवार को खारिज कर दिया, जिसमें स्पाइसजेट के साथ लंबे समय से जारी शेयर हस्तांतरण विवाद में 1,300 करोड़ रुपये से अधिक का हर्जाना मांगा गया था।

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा व एएस चंदुरकर की पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के 23 मई के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें देर पर उनकी याचिका खारिज हुई थी। केएएल एयरवेज और कलानिधि मारन ने मध्यस्थता कार्यवाही के दौरान 1,300 करोड़ रुपये से अधिक के हर्जाने की मांग की थी। मारन और केएएल एयरवेज स्पाइसजेट के पूर्व प्रवर्तक हैं।

हाईकोर्ट ने कहा था कि पूर्व प्रवर्तक ने अपनी अपीलें दायर करने व दोबारा दायर करने में देरी करके सोचा-समझा जुआ खेला। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने पिछले साल 17 मई को एकल न्यायाधीश के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें कलानिधि मारन को 579 करोड़ ब्याज के साथ लौटाने का स्पाइसजेट और उसके प्रवर्तक अजय सिंह को निर्देश दिया गया था। यह मामला 2015 का है जब सिंह ने विमानन कंपनी के बंद रहने के बाद मारन से वापस खरीद लिया था।

उम्मीद

जिले में पांच साल से लगातार घट रहे सरसों के तेल के कारखाने, जिले में मौजूद 30 कारखाने कर रहे 450 करोड़ का सालाना कारोबार

सरसों की आपूर्ति कम होने से बंद हो गए बरेली के 40 तेल कारखाने

- तेल का मूल्य बढ़ने का प्रमुख कारण भी सरसों का घटता उत्पादन है

अंकित चौहान, बरेली

अमृत विचार। एक दशक पहले तक जनपद में सरसों की पैदावार अच्छी खासी थी। इसका फायदा तेल उत्पादन करने वाले कारखानों को भी मिलता था, लेकिन सरसों की पैदावार में लगातार कमी दर्ज होती गई, इसका असर स्थानीय तेल उत्पादन कारखानों पर पड़ा। धीरे-धीरे ब्रांडेड कंपनियों ने बाजार पर सिक्का जमाया तो स्थानीय तेल कारखाने बंद होते गए। इसका असर तेल के दामों पर भी पड़ रहा है। यही कारण है कि दाम हर साल बढ़ते जा रहे हैं। अब राजस्थान से सरसों मंगाकर जिले के कारखानों में तेल का उत्पादन किया जा रहा है।

तेल कारोबारी पीयूष खंडेलवाल के अनुसार कुछ समय पहले तक जिले में 70 से ज्यादा तेल कारखाने थे और इनका सालाना टर्नओवर एक हजार करोड़ रुपये के करीब था, लेकिन अब कारखानों की संख्या घटकर 30 रह गई और सालाना टर्नओवर भी घटकर 500 करोड़ रुपये से कम रह गया। वह कहते हैं कि उत्पादन कम होने का असर तेल के दामों पर पड़ रहा है।

राजस्थान सरसों उत्पादन का हब

शहर के श्यामगंज और माधोबाड़ी में तेल निर्माण इकाइयों की संख्या सर्वाधिक हैं। जिले में रोज 30 से 40 टन सरसों की खपत हो रही है। यहां के कारोबारी बताते हैं कि बरेली मंडल में सरसों का सबसे अधिक उत्पादन देवचरा, बल्लिया और बदायूं में होता है। यहां से ही कारोबारी सरसों की खरीद कर तेल निर्मित कर सप्लाई कर रहे हैं, लेकिन सरसों उत्पादन का हब राजस्थान है। पूरे देश में 80 फीसदी तक सरसों की आपूर्ति यहां से होती है। बरेली मंडल भी इसमें शामिल है।

पैदावार बढ़ेगी, आपूर्ति घटेगी, सस्ते होंगे दाम

पीयूष खंडेलवाल कहते हैं कि वर्तमान में सरसों के तेल का प्रति लीटर मूल्य 170 रुपये है, लेकिन कारखाने में निर्मित नॉन ब्रांडेड तेल की कीमत प्रति लीटर 160 है। जिले में सरसों की पैदावार में लगातार कमी आ रही है। इसके चलते बाहरी राज्यों से सरसों की खरीद करनी पड़ रही है, जिससे दाम बढ़ना लाजमी हैं। सरकार को चाहिए कि सरसों उत्पादन करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करे। अगर उत्पादन बढ़ेगा तो इसका असर उत्पादन पर पड़ेगा और तेल की कीमतों में कमी आएगी।

> ब्रांडेड तेल की खपत बढ़ने व सरसों का उत्पादन कम होने से कारोबार प्रभावित होने के साथ ही तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है। अन्य राज्यों से सरसों की खरीद की जा रही है।
> – उमेश कुमार

हर साल प्रदेश स्तर पर तेल कारोबारियों की बैठक में जिले में सरसों की खपत का जो भी अनुमान लगाया जाता है, वह लगातार घट रहा है। इसका असर कारोबार के साथ ही ग्राहकों की जेब पर भी पड़ रहा है, इसलिए जरूरी है कि सरकार किसानों को प्रोत्साहन दे। –गिरीश अग्रवाल

जलभराव

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बुधवार सुबह झमाझम बारिश हुई। नोएडा में सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं। कई मुख्य सड़कों पर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्कूलों के मैदान और मुख्य गेट तक घुटनों तक पानी जमा हो गया। एजेंसी

कहानी बन जाएगा मिग-21

जंग जिताने वाला पहला सुपरसोनिक बन गया उड़ता ताबूत

मिग-21 भारत का पहला सुपरसोनिक फाइटर जेट था, जिसे 1963 में भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था। यह विमान सोवियत संघ (अब रूस) द्वारा बनाया गया था और भारत ने कुल 874 मिग-21 जेट्स खरीदे थे, जिनमें से लगभग 660 भारत में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा बनाए गए थे। भारतीय वायुसेना को सबसे लंबे समय तक साथ देने वाले मिलिट्री एयरक्राफ्ट मिग-21 अब अंतिम सफर की तैयारी में है। इंडियन एयर फोर्स अपने इस लड़ाकू विमान को इस साल रिटायरमेंट देने जा रही है। इस रूसी फाइटर जेट ने करीब 62 साल देश की सेवा की है और भारत में कई सेवाओं में रिटायरमेंट की उम्र भी यही है। 19 सितंबर को चंडीगढ़ में इसे विदाई देने के लिए एक औपचारिक समारोह का आयोजन होगा। इस फाइटर जेट ने 1965 से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक हर जंग में भारत की जीत में योगदान दिया है।

एयर फोर्स को इस तरह मिला मिग-21

- मिग-21 को 1963 में इंडियन एयर फोर्स में शामिल किया गया था। यह वो दौर था, जब भारत के जेहन में चीन के साथ युद्ध में हार की टीस बहुत गंभीर थी। उस समय भारतीय वायु सेना को ताकतवर फाइटर जेट की अभूतपूर्व आवश्यकता थी। उस समय रूसी मिग-21 दुनिया के बेहतरीन एडवांस इंटरसेप्टर एयरक्राफ्ट में से एक था। यह लड़ाकू विमान जितना ही छोटा था, उतना ही तेज और फुर्तीला भी। सिंगल इंजन वाला यह सिंगल-सीटर फाइटर जेट ध्वनि की गति से दोगुनी रफ्तार से उड़ सकता था।

मुख्य उपलब्धियां

- 1965 का भारत-पाक युद्ध : मिग-21 ने पहली बार जंग में हिस्सा लिया और पाकिस्तानी विमानों को टक्कर दी।
- 1971 का युद्ध : मिग-21 ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) की आजादी में अहम भूमिका निभाई और पाकिस्तानी ठिकानों पर सटीक हमले किए।
- 1999 का कारगिल युद्ध : दुर्गम इलाकों में टारगेट हिट कर सेना को रणनीतिक बढ़त दिलाई।
- 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक : मिग-21 ने पाकिस्तानी F-16 को मार गिराया और वैश्विक सुर्खियों में आया।

समस्याएं

- **दुर्घटनाएं :** पिछले 60 सालों में 400 से ज्यादा मिग-21 क्रैश हुए, जिनमें 170 से ज्यादा पायलटों की जान गई। इस वजह से इसे 'फ्लाइंग कॉफिन' या 'उड़ता ताबूत' कहा गया।
- **पुराना होना :** मिग-21 का डिज़ाइन पुराना हो गया था और इसकी रखरखाव की दिक्कतें बढ़ गई थीं।

इसलिए मिली 'उड़ता ताबूत' वाली बदनामी

इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है कि 6 दशकों से भी ज्यादा समय तक देश को अनेकों लड़ाइयां जिताने में मददगार बनने वाले फाइटर जेट को लगातार हादसों की वजह से काफी बदनामी हाथ लगी है। यह ऐसी बड़ी बदनामी है कि इसे 'उड़ता ताबूत' या अंग्रेजी में 'फ्लाइंग कॉफिन' कहा जाने लगा। इसका कारण ये है कि अपने सेवा काल में इसे 400 से ज्यादा बार एयर क्रैश का सामना करना पड़ा है। इन हवाई हादसों में 170 से अधिक पायलटों की जान चली गई। इसे सुरक्षित बनाने के लिए कई बार अपग्रेड किया गया, लेकिन दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं लिया।

वर्ल्ड ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय छात्र पर नस्लीय हमला

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड शहर में कथित नस्लीय हमले में घायल हुए भारतीय छात्र चरणप्रीत सिंह को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। '9न्यूज' की खबर के अनुसार, 23 वर्षीय सिंह पर शनिवार को किंटोर एवेन्यू स्थित एक पार्किंग स्थल में पार्किंग विवाद को लेकर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। खबर के अनुसार सिंह ने आरोप लगाया कि कुछ लोग उनके वाहन के पास आये और नस्लीय गालियां दीं तथा उनके साथ मारपीट की जिससे वह बेहोश हो गये।

बांध निर्माण से भारत पर नहीं पड़ेगा असर : चीन

बीजिंग। चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध निर्माण कार्य शुरू करने के फैसले का बचाव करते हुए भारत और बांग्लादेश जैसे निचले तटवर्ती देशों पर इसके प्रभाव को लेकर जारी चिंताओं को खारिज किया। ऐसा माना जा रहा है कि भारत ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े जल विद्युत बांध के निर्माण पर कड़ी नजर रख रहा है। चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग ने अरुणाचल प्रदेश सेक्टर में एलएसी के पास स्थित न्यिंगची शहर में यारलुंग जांगबो नदी के निचले हिस्से में बांध का निर्माण शुरू किए जाने की घोषणा की।

गाजा पर इजराइली हमलों में 21 की मौत

दीर अल बलाह। गाजा पर मंगलवार देर रात और बुधवार तड़के हुए इजराइली हमलों में कम से कम 21 लोग मारे गए हैं। हमलों में जान गंवाने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। इजराइल की सैन्य कार्रवाई के बीच क्षेत्र में करीब 20 लाख लोग भुखमरी के कगार पर हैं।

आतंक व अंतर्राष्ट्रीय शांति के मुद्दे पर पाकिस्तान का दोहरा चरित्र निंदनीय

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि ने पड़ोसी देश को आड़े हाथों लिया

- **कहा- आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को गंभीर कीमत चुकाने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए**

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने पाकिस्तान की अध्यक्षता में हुई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की एक बैठक में अपने पड़ोसी को कट्टरता में डूबा लगातार कर्ज लेने वाला देश करार देते हुए कहा कि सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को गंभीर कीमत चुकाने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए। साथ ही आतंकवाद व अंतर्राष्ट्रीय शांति के मुद्दे पर पाकिस्तान का दोहरे चरित्र की निंदा की।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा, हम अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के विषय पर चर्चा कर रहे हैं, ऐसे में यह समझना जरूरी है कि कुछ बुनियादी सिद्धांतों का सार्वभौमिक रूप से सम्मान किया जाना चाहिए जिनमें से एक है आतंकवाद जिसे को कतई बर्दाश्त नहीं करना। हरीश ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बहुपक्षवाद और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को बढ़ावा देना' विषय पर आयोजित उच्च-स्तरीय खुली चर्चा में अपने राष्ट्र की ओर से बयान दिया। पाकिस्तान 15 देशों की सदस्यता वाली सुरक्षा परिषद का जुलाई के लिए अध्यक्ष है। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इसहाक डार ने इस खुली चर्चा की अध्यक्षता की, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भी संबोधित किया। डार ने पाकिस्तान की ओर से परिषद को संबोधित करते हुए जम्मू कश्मीर के साथ-साथ सिंधु जल संधि का मुद्दा भी उठाया।

पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत ने फैसला किया कि 1960 की सिंधु जल संधि तब तक निलंबित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से अपना समर्थन देना नहीं छोड़ देता। तुर्किये ने भी इस खुली चर्चा में अपने बयान में जम्मू कश्मीर का जिक्र किया। हरीश ने डार की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, एक ओर भारत है जो एक परिपक्व लोकतंत्र, एक उभरती अर्थव्यवस्था और एक बहुलवादी एवं समावेशी समाज है। दूसरी ओर पाकिस्तान है, जो कट्टरता और आतंकवाद में डूबा हुआ है और आईएमएफ (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष) से लगातार कर्ज ले रहा है। इस साल मई में आईएमएफ ने विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) के तहत पाकिस्तान को लगभग एक अरब डॉलर प्रदान करने की मंजूरी दी थी, जिससे इस व्यवस्था के तहत कुल प्रदान की गई राशि लगभग 2.1 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत का पक्ष रखते पी हरीश।

भारत की प्रतिक्रिया केंद्रित एवं संतुलित थी

हरीश ने इस बात पर जोर दिया कि उन देशों को गंभीर कीमत चुकानी चाहिए जो सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देकर अंतर्राष्ट्रीय संबंधों एवं अच्छे पड़ोसी की भावना का उल्लंघन करते हैं। भारतीय राजदूत ने कहा, परिषद के किसी भी सदस्य के लिए यह उचित नहीं है कि वह ऐसे आचरण में लिप्त रहते हुए उपदेश दे जो अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 25 अप्रैल के बयान के अनुरूप है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के बयान में इसके सदस्य देशों ने आतंकवाद के इस निंदनीय कृत्य के अपराधियों, इसके आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने तथा उन्हें न्याय के कठघरे में लाने की आवश्यकता पर बल दिया था। हरीश ने कहा कि भारत की प्रतिक्रिया केंद्रित एवं संतुलित थी और तनाव बढ़ाने वाली नहीं थी। उन्होंने कहा, अपने प्राथमिक उद्देश्यों की प्राप्ति के बाद पाकिस्तान के अनुरोध पर सैन्य गतिविधियों को सीधे तौर पर रोक दिया गया।

जलवायु परिवर्तन से निपटने पर सुनाया ऐतिहासिक फैसला

द हेग। संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने बुधवार को जलवायु परिवर्तन से निपटने पर एक ऐतिहासिक निर्णय में कहा कि स्वच्छ, स्वस्थ और टिकाऊ पर्यावरण एक मानवाधिकार है। अदालत ने जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रों के दायित्वों और ऐसा न करने पर उनके द्वारा सामना किए जाने वाले परिणामों से जुड़े एक ऐतिहासिक मुकदमे में फैसला सुनाया है।

लगभग 500 पन्नों के इस गैर-बाध्यकारी परामर्श को अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कानून में एक संभावित मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। यह निर्णय घरेलू मुकदमों और निवेश समझौतों जैसे कानूनी उपायों सहित अन्य कानूनी कार्रवाइयों का आधार बन सकता है। संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से ग्रह की रक्षा करने में विफलता अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो सकती है। इस मुकदमे का नेतृत्व प्रशांत द्वीपीय देश वानुअतु द्वारा किया जा रहा है तथा इसे 130 से अधिक देशों का समर्थन प्राप्त है। संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देश, जिनमें अमेरिका और चीन जैसे प्रमुख ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक देश भी शामिल हैं, इस न्यायालय में पक्षकार हैं। न्यायालय के बाहर जलवायु कार्यकर्ता भी एकत्रित हुए हैं। फैसला सुनने के लिए न्यायालय कक्ष, जिसे ग्रेट हॉल ऑफ जस्टिस कहा जाता है, खचाखच भरा हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी लंदन पहुंचे, मुक्त व्यापार समझौते पर करेंगे हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी

अपनी चार दिवसीय विदेश यात्रा के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार देर शाम लंदन पहुंच गए। यहां वह ब्रिटेन के साथ होने वाले मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। दो दिवसीय ब्रिटेन की यात्रा के बाद वह मालदीव की यात्रा पर रवाना होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे इन दोनों देशों के साथ भारत के संबंध प्रगाढ़ होंगे।

अपने प्रस्थान वक्तव्य में उन्होंने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी है जिसमें हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग है, जिसमें व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा, शिक्षा, अनुसंधान, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संबंध शामिल हैं।

मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के साथ बैठक के दौरान, हमें अपनी आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने का अवसर मिलेगा, जिसका उद्देश्य दोनों देशों में समृद्धि, विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है। इस यात्रा के दौरान वह महाराजा चार्ल्स तृतीय से भी मिलेंगे। इसके बाद, मोदी मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के निमंत्रण पर इस द्वीप देश की यात्रा करेंगे। इसे मुइज्जू के शासनकाल में दोनों देशों के बीच संबंधों में ठहराव आने के बाद एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। मोदी मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, इस वर्ष दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ भी है। मैं राष्ट्रपति मुइज्जू और अन्य राजनीतिक नेतृत्व के साथ अपनी बैठकों के लिए उत्सुक हूं, ताकि व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के हमारे संयुक्त दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया जा सके तथा हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता के लिए हमारा सहयोग मजबूत हो। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस यात्रा के ठोस परिणाम निकलेंगे, लोगों को लाभ होगा और भारत की पड़ोसी प्रथम नीति को बढ़ावा मिलेगा।

- **व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा, शिक्षा, अनुसंधान, स्वास्थ्य पर प्रधानमंत्री स्टर्मर से करेंगे चर्चा**

भारत ने विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों के गलत शव मिलने संबंधी दावा किया खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने ब्रिटिश मीडिया की उस खबर को बुधवार को खारिज किया जिसमें दावा किया गया है कि ब्रिटेन में शोक संतप्त दो परिवारों को अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले उनके प्रियजनों के गलत शव मिले थे।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि सभी शवों को बहुत ही पेशेवर तरीके से उनके परिजनों को सौंपा गया था और उनकी गरिमा का पूरा ध्यान रखा गया था। लंदन जाने वाला एअर इंडिया का एक विमान 12 जून को अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड के भीतर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 53 ब्रिटिश नागरिक भी मारे गए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने खबर देखी है और जब से ये चिंताएं एवं मुद्दे हमारे संज्ञान में लाए गए हैं, हम ब्रिटेन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

ब्रिटिश समाचार पत्र ने दो नागरिकों के शव सौपने में गड़बड़ी की बात उठाई थी

ब्रिटिश समाचार पत्र ने दो परिवारों के हवाले से अपनी खबर में दावा किया कि दुर्घटना में मारे गए ब्रिटिश नागरिकों के शव सौंपने में भयानक रूप से गड़बड़ी की गई। इसमें आरोप लगाया गया कि शोकसंतप्त परिवारों को फिर से गहरा दुख झेलना पड़ रहा है, क्योंकि उनके प्रियजनों के अवशेषों को घर भेजने से पहले उनकी गलत पहचान की गई। खबर में दावा किया गया है कि एक मृतक के रिश्तेदारों को अंतिम संस्कार कार्यक्रम रद्द करना पड़ा(

पांच वर्ष बाद चीनी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा किया शुरू

बीजिंग, एजेंसी

भारत ने इस सप्ताह से चीनी नागरिकों को फिर से पर्यटक वीजा जारी करने की घोषणा की है। यह कदम गलवान घाटी में सैन्य झड़प के बाद प्रभावित हुए द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के प्रयासों के तहत उठाया गया है।

भारत ने 2020 में मुख्य तौर पर कोविड-19 महामारी के कारण चीनी नागरिकों को पर्यटक वीजा जारी करना स्थगित कर दिया था, लेकिन पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद के मद्देनजर ये प्रतिबंध जारी रहे। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि चीनी नागरिक गुरुवार से पर्यटक वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं। एक अधिसूचना में वीजा के लिए आवेदन करने की आवश्यक प्रक्रियाओं के साथ ही बीजिंग, शंघाई और ग्वांगझू में संबंधित भारतीय वीजा आवेदन केंद्रों पर जमा किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेज के बारे में भी जानकारी दी गई है। भारत द्वारा फिर से पर्यटन वीजा जारी करने के फैसले का चीन के विदेश मंत्रालय ने स्वागत किया।

भारत-पाकिस्तान के बीच टकराव के परमाणु युद्ध में तब्दील होने की आशंका थी : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक बार फिर दावा किया कि भारत एवं पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के दौरान पांच विमानों को गिराया गया और उन्होंने इस युद्ध को रुकवाया। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष परमाणु युद्ध में तब्दील हो सकता था।

उन्होंने व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, हमने भारत और पाकिस्तान तथा कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा के बीच युद्ध रुकवाए। ट्रंप ने भारत एवं पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव का जिक्र करते हुए कहा, उन्होंने पांच विमान मार गिराए। मैंने उन्हें फोन किया और कहा, सुनो, अब और व्यापार नहीं। अगर आप ऐसा करेंगे तो इससे आपका कोई भला नहीं होगा। वे दोनों शक्तिशाली परमाणु संपन्न देश हैं और कौन जानता है कि इसका क्या नतीजा होता।

कहा- अब चीन की यात्रा बहुत दूर की बात नहीं

वाशिंगटन। ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि चीन की यात्रा अब संभवत बहुत दूर की बात नहीं है, जिससे यह संकेत मिलता है कि विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेता व्यापारिक तनाव ठंडा पड़ने के बाद संबंधों को फिर से बेहतर बनाने के लिए जल्द ही मुलाकात कर सकते हैं। ट्रंप ने यह बात व्हाइट हाउस में फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर से मुलाकात के दौरान की। इस दौरान ट्रंप ने फिलीपीन के साथ बेहतरीन सैन्य संबंधों की प्रशंसा की।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 24 जुलाई, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अमावस्या, 25 जुलाई 12.40 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

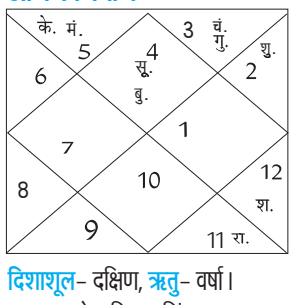

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर। ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-पुनर्वसु 16.43 तक तत्पश्चात पुष्य।

मेष — आज कार्यक्षेत्र में पदोन्नति होने के योग बन रहे हैं। मित्रों के साथ आपके रिश्ते और मजबूत होंगे। बच्चों की गलतियों को अनदेखा न करें। प्रेम संबंधों में तनाव की आशंका है। शाम के समय लोग आपके कार्यों में गलतियां निकाल सकते हैं।

वृष — आज दिन की शुरुआत थोड़ी सुस्त रहेगी। घुटनों में दर्द उभर सकता है। कार्यक्षेत्र में बार-बार रणनीति बदलना आपके लिए घातक हो सकता है। जब तक आपके काम पूरे न हों तब तक उससे पीछे न हटें। कानूनी मामले आपके पक्ष में रहेंगे।

मिथुन — आज दांपत्य संबंधों में प्रेम और समर्पण का भाव बढ़ेगा। परिजनों के साथ किसी मनोरंजक ट्रिप के लिए जाने की योजना बना सकते हैं। आज आपका अटका हुआ धन वापस मिल सकता है। यात्राओं के लिए दिन बहुत शुभ है।

कर्क — आज धन की स्थिति कमजोर रहने वाली है। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। प्रेमीजन से किसी कारणवश झगड़ा हो सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई में कुछ लापरवाही कर सकते हैं। अजनबियों से अधिक संबंध न रखें। शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय रहेंगे।

सिंह — आज व्यवसाय में बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों को बड़े अनुबंध मिलने की संभावना बन रही है। कार्यक्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। करियर को लेकर उलझनें दूर होंगी। सहकर्मियों के साथ मित्रवत संबंध मजबूत होंगे।

कन्या — आज आपके सहकर्मी आपकी अत्यधिक प्रशंसा करेंगे। शत्रु आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं। विदेशी कंपनियों में नौकरी कर रहे लोगों को उच्च पद मिल सकता है। पैर दर्द और घुटनों में दर्द की शिकायत हो सकती है। दूसरों से अधिक अपेक्षा न करें।

तुला — आज सामाजिक कार्यों में आपकी भूमिका बढ़ेगी। बच्चों के लिए खरीदारी कर सकते हैं। शेयर मार्केट और अन्य माध्यमों पर निवेश करना लाभकारी होगा। आपको परिजनों की चिंता हो सकती है। आपके आसपास का वातावरण बहुत सकारात्मक रहेगा।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अधूरे पड़े कार्यों को निपटाने में लगे रहेंगे। कारोबार में आ रही समस्याओं का हल हो जायेगा। अपनी जीवनशैली में परिवर्तन ला सकते हैं। किसी के प्रति मन में ईर्ष्या का भाव न आने दें। विरोधी आपके आगे नतमस्तक रहेंगे।

धनु — आज पिता के स्वास्थ्य की कुछ चिंता हो सकती है। विद्यार्थियों को शिक्षा में बेहतरीन परिणाम प्राप्त होंगे। रिश्तों में तनाव कम होगा। सरकारी कार्य किसी कारणवश लंबित हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी आपसे नाराज हो सकते हैं।

मकर — आज किसी कारण अधिकारी आपसे नाराज हो सकते हैं। बातचीत के दौरान शब्दों की मर्यादा का ध्यान रखें। खानपान में असंतुलन के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। हाथ-पैरों में शिथिलता रहेगी। शाम के समय किसी अच्छी खबर से आपका मन प्रसन्न हो जायेगा।

कुंभ — आज पारिवारिक वातावरण थोड़ा भावुक रहेगा। कानूनी मामलों में आप विजयी हो सकते हैं। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दांपत्य संबंध में मजबूती आयेगी। कारोबार में विस्तार करने के मौके मिलेंगे। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में आपके काम की प्रशंसा होगी। दूसरों के मामलों में प्रतिक्रिया न दें। बिजनेस में पार्टनर्स के साथ तालमेल की कमी हो सकती है। बेवजह के खर्चों पर नियंत्रण करने का प्रयास करें। आपके कार्य समय पर पूर्ण नहीं होंगे।

सुडोकू-48

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	6		9		1			
9		3		2			5	
				7		3		
5			8			7		
		4						1
		2			6			5
				6				9
	1			8		4	7	
			4		7		1	

सुडोकू - 47 का हल

7	6	1	9	5	4	2	8	3
2	3	9	6	1	8	5	7	4
4	5	8	3	2	7	1	9	6
5	9	7	1	4	6	3	2	8
1	8	6	7	3	2	4	5	9
3	4	2	8	9	5	6	1	7
9	7	5	4	6	1	8	3	2
8	1	4	2	7	3	9	6	5
6	2	3	5	8	9	7	4	1

जब मैं अभ्यास कर रही थी तो सोच रही थी कि हे भगवान, मुझे नहीं पता कि मैं अब भी अच्छी खिलाड़ी हूं या नहीं। मैं सोच रही थी कि मुझे अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। इसलिए यह पूरा दिमाग का खेल है।
–वीनस विलियम्स

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार, 24 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

स्पोर्ट्स हाईलाइट

कबड्डी खिलाड़ी को डूबने से बचाया

हरिद्वार : अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी और अर्जुन पुरस्कार विजेता दीपक हुड्डा को हर की पौड़ी में गंगा नदी में डूबने से बचा लिया गया। पुलिस ने बताया कि हुड्डा नहाते समय नदी की तेज धाराओं में बह गए थे लेकिन प्रांतीय सशस्त्र पुलिस की 40वीं बटालियन और उत्तराखंड जल पुलिस के गोताखोर घाट पर शोर सुनकर तुरंत उनके बचाव के लिए आ गए। जल पुलिस के गोताखोर राफ्ट लेकर नदी में कूद पड़े और डूब रहे कबड्डी खिलाड़ी को कुछ ही मिनटों में सुरक्षित बाहर निकाल लिया। गंगा की तेज धाराओं के बावजूद राहत दल ने साहस और समझदारी दिखाते हुए अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी की जान बचाई।

मेहता और आडवाणी क्वार्टर फाइनल में

मनामा (बहरीन) : भारत के दूसरे वरीय आदित्य मेहता ने पाकिस्तान के अहसान रमजान के खिलाफ जोरदार वापसी करते हुए बुधवार को यहां आईबीएसएफ विश्व 6 रेड स्नूकर चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। बेस्ट ऑफ सेवन फ्रेम के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मेहता 2-3 से पिछड़ रहे थे लेकिन उन्होंने अगले दो फ्रेम जीतकर मुकाबला 4-3 से अपने नाम किया। मेहता क्वार्टर फाइनल में हमवतन मनन चंद्रा से भिड़ेंगे जिन्होंने कतर के अहमद सैफ को 4-2 से हराया। गत चैंपियन कमल चावला को हालांकि 3-2 की बढ़त बनाने के बावजूद राउंड ऑफ 32 मुकाबले में हांगकांग चीन के फुंग क्वोक वेई के खिलाफ 3-4 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

नेहा ने पेशेवर गोल्फ टूर पर बढ़त बनाई

कोलार (कर्नाटक) : नेहा त्रिपाठी ने पहले दौर में तीन अंडर 69 के स्कोर से बुधवार को यहां महिला पेशेवर गोल्फ टूर के 10वें चरण में एक शॉट की बढ़त बना ली। पिछले हफ्ते नौवें चरण में उप विजेता रही नेहा ने पांच बर्डी की लेकिन वह दो बोगी भी कर गईं जिससे उनका स्कोर तीन अंडर रहा। नेहा ने दुर्गा निट्टूर (70) पर एक शॉट की बढ़त बना रखी है। नेहा और दुर्गा के अलावा सिर्फ रिद्धिमा दिलावरी ही पार या इससे बेहतर का स्कोर बना सकीं। अंतिम चार होल में दो बर्डी की मदद से पार 72 का स्कोर बनाकर तीसरे स्थान पर हैं।

वेस्टइंडीज को ऑस्ट्रेलिया ने हराया

किंगस्टन : एडम जम्पा (3 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद जॉश इंग्लिश नाबाद (78) और कैमरन ग्रीन (56) की तूफानी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 28 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है। 173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम 15 .2 ओवर में दो विकेट के नुकसान लक्ष्य हासिल कर लिया।

भारत के स्टंप तक चार विकेट पर 264 रन, जडेजा-शॉर्दूल नाबाद लौटे

चौथे टेस्ट मैच का पहला दिन : कप्तान शुभमन गिल को स्टोक्स ने पगबाधा आउट कर दिया

मैनचेस्टर, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (58 रन) के अर्धशतक के बाद साई सुदर्शन (61 रन) ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए पचासा जड़ा जिससे भारत ने बुधवार को यहां चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन स्टंप तक चार विकेट पर 264 रन बना लिए। दिन का खेल समाप्त होने तक रविंद्र जडेजा और शारदुल ठाकुर 19-19 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स द्वारा पहले गेंदबाजी का फैसला करने के बाद, भारत ने जायसवाल और केएल राहुल (46) के साथ पहले विकेट के लिए 94 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत की, जिसके बाद इंग्लैंड ने बीच के सत्रों में महत्वपूर्ण विकेट लेकर वापसी की। जायसवाल, जिन्होंने 96 गेंदों में एक शानदार सिंगल के साथ अपने 50 रन पूरे किए, शानदार फॉर्म में दिखे क्योंकि उन्होंने अपनी 58 रनों की पारी में 10 चौके और एक छक्का लगाया। राहुल के साथ उनकी साझेदारी सुबह के सत्र तक मज़बूत रही, लेकिन लंच के बाद क्रिस वोक्स ने एक ऐसी गेंद फेंकी जो राहुल के बाहरी किनारे को छूती हुई स्लिप में जैक क्रॉली के पास पहुंच गई। इंग्लैंड की वापसी तब तेज हुई जब बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन, जो आठ साल में अपना पहला टेस्ट खेल रहे थे, ने जायसवाल को एक ऐसी गेंद पर आउट किया जो ड्रिफ्ट करती हुई सीधी हुई, जिससे गेंद स्लिप में गई जहाँ हैरी ब्रुक ने कैच पूरा किया। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने पलटवार करने की कोशिश की, लेकिन 12 रन बनाकर बेन स्टोक्स की गेंद पर पगबाधा आउट हो गए। गिल का रिव्यू बेकार साबित हुआ, क्योंकि रीप्ले से पुष्टि हुई कि गेंद ऑफ स्टंप पर लग रही थी। ऋषभ पंत साई सुदर्शन के साथ क्रीज पर आए और दोनों ने चौथे विकेट के लिए 50 रन जोड़कर पारी को संभाला। पंत अपने चिर-परिचित आक्रामक अंदाज में दिखे, उन्होंने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर स्वीप करके चौका और ब्रायडन कार्स की गेंद पर लॉन्ग-ऑन पर छक्का जड़ा। पंत रिवर्स स्वीप एलबीडब्ल्यू रिव्यू से बच गए और बाद में लियाम डॉसन की गेंद पर मिड-ऑफ पर खड़े स्टोक्स चूक गए।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल को आउट करने के बाद जश्न मनाते बेन स्टोक्स (बाएं)। एजेंसी

वोक्स की यॉर्कर पैर पर लगने के बाद ऋषभ पंत हुए 'रिटायर्ड हर्ट'

- भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप करने की कोशिश में 'रिटायर्ड हर्ट' होकर मैदान से बाहर ले जाया गया। पंत दाहिने पैर में चोट लगने के बाद बाहर गए और उस समय 48 गेंद में 37 रन बनाकर खेल रहे थे। पहले उन्हें मैदान पर ही चिकित्सा दी गई, पर उन्हें गोल्फ कार्ट में मैदान से बाहर ले जाया गया। पंत के दाहिने पैर से खून निकलता हुआ दिखा और पैर में काफी सूजन भी थी। उनकी हालिया चोट के बारे में और अधिक जानकारी का इंतजार है। वोक्स की फुल लेंथ गेंद पंत के पैर के अंगूठे पर लगी और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पगबाधा की अपील की। लेकिन रिव्यू के बाद इस अपील को नकार दिया गया।
- **संक्षिप्त स्कोर :** भारत 83 ओवर में 264/4 (जायसवाल 58, केएल राहुल 46, साई सुदर्शन 61, ऋषभ पंत 37 रिटायर्ड हर्ट; लियाम डॉसन 1/45, बी स्टोक्स 2/47, क्रिस वोक्स 1/43)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फुटबॉल को किक मारकर 134वें डूरंड कप का उद्घाटन किया। एजेंसी

डूरंड कप में ईस्ट बंगाल की धमाकेदार शुरुआत

कोलकाता, एजेंसी

- **साउथ यूनाइटेड एफसी को 5-0 से करारी शिकस्त दी**

16 बार की चैंपियन इमामी ईस्ट बंगाल एफसी ने अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत करते हुए डूरंड कप के ग्रुप ए मुकाबले में पदार्पण करने वाली साउथ यूनाइटेड एफसी को 5-0 से करारी शिकस्त दी।

विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले गए इस मुकाबले में ईस्ट बंगाल की ओर से लालचुंगनुंगा, सॉल क्रेस्पो, बिपिन सिंह, दिमित्रियोस डायमंटाकोस और कप्तान नाओरेम महेश सिंह ने गोल किए। डूरंड कप के सभी 43 मुकाबलों का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क (सोनी टेन2 एचडी) पर और सोनीलिव ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। ईस्ट बंगाल के हेड कोच ऑस्कर ब्रुजोन ने 4-2-3-1 फॉर्मेशन में अपनी टीम उतारी जिसमें मार्तंड रैना और मोहम्मद राशिद ने पदार्पण किया। डेविड लालह्लानसंगा ने स्ट्राइकर के रूप में शुरुआत की, जबकि पीवी विष्णु और महेश सिंह ने विंग से समर्थन दिया। मिडफील्ड में सॉल क्रेस्पोऔर एडमंड लालरिंदिका थे। डिफेंस में अनवर अली, लालचुंगनुंगा और मोहम्मद रकीब शामिल थे।

वीनस विलियम्स की शानदार वापसी

वाशिंगटन, एजेंसी

- **नवरातिलोवा के बाद टेनिस में एकल मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनीं**

वीनस विलियम्स पेशेवर टेनिस में टूर-स्तरीय एकल मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला बन गई हैं। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस ने 45 साल की उम्र में अपने कुछ चिर परिचित सर्व और ग्राउंडस्ट्रोक का शानदार नजारा पेश किया और डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने से 22 वर्ष छोटी पीटन स्टर्न्स को 6-3, 6-4 से हराया। वीनस से अधिक उम्र में महिला एकल का मैच केवल मार्टिना नवरातिलोवा ने जीता है। नवरातिलोवा ने आखिरी बार 2004 में 47 वर्ष की उम्र में एकल मैच में जीत हासिल की थी। उन्होंने मैच के बाद कहा जब मैं अभ्यास कर रही थी तो सोच रही थी कि हे भगवान, मुझे नहीं पता कि मैं अब भी अच्छी खिलाड़ी हूं या नहीं। फिर कुछ ऐसे मौके भी आते थे जब मुझे खुद पर भरोसा होता था। यहां तक कि पिछले सप्ताह भी मैं सोच रही थी कि मुझे अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। इसलिए यह पूरा दिमाग का खेल है। वीनस एक साल से भी अधिक समय बाद किसी टूर्नामेंट में भाग ले रही है। इससे पहले उन्होंने युगल मैच जीतकर शानदार वापसी की थी। अब उन्होंने दो वर्षों में पहली बार एकल मैच जीता है।

जिनेवा में इंग्लैंड और इटली के बीच महिला यूरो 2025 सेमीफाइनल फुटबॉल मैच जीतने के बाद इंग्लैंड की खिलाड़ी जश्न मनाती हुईं। एजेंसी

इंग्लैंड महिला यूरो टूर्नामेंट के फाइनल में

जिनेवा : गत विजेता इंग्लैंड ने हार की कगार पर पहुंचने के बाद शानदार वापसी करते हुए इटली को 2-1 से पराजित करके महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के फाइनल में प्रवेश किया। जब इटली की जीत सुनिश्चित लग रही थी तब मैच का पासा एकदम से पलट गया और इंग्लैंड फाइनल में पहुंचने में सफल रहा जहां उसका सामना जर्मनी और स्पेन के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

सिंधू ने मियाजाकी को हराया, सात्विक चिराग भी आगे बढ़े

चांग्झू : ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पी वी सिंधू ने बुधवार को जापान की छठी वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी को 21-15, 8-21, 21-17 से हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंतिम 16 में प्रवेश किया।

सिंधू ने शानदार शुरुआत की और लगातार सात अंक लेकर पहले गेम में 13-5 की बढ़त बना ली और फिर आसानी से यह गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में मियाजाकी ने शानदार वापसी की और लगातार नौ अंक लेकर 12-8 की बढ़त बना ली। जापान की खिलाड़ी ने यह गेम जीत कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। सिंधू ने तीसरे और निर्णायक गेम में शुरू से अच्छा प्रदर्शन किया और लगातार बढ़त बनाए रखकर 62 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधू का सामना दूसरी बार मियाजाकी से हो रहा था। पिछले साल स्विस ओपन में वह जापानी खिलाड़ी से हार गई थीं।

विश्व कप के लिए नए सिरे से शुरुआत करनी होगी : हरमनप्रीत

चेस्टर ली स्ट्रीट (डरहम), एजेंसी

- **इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद टीम का बढ़ा आत्मविश्वास**

हरमनप्रीत कौर। एजेंसी

भारतीय महिला टीम का इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला में जीत से वनडे विश्व कप से पहले आत्मविश्वास बढ़ा होगा, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उनकी टीम को स्वदेश लौटने पर इस वैश्विक प्रतियोगिता के लिए नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। हरमनप्रीत ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में शतक जमाया। उनके इस शानदार प्रदर्शन से भारत ने इंग्लैंड को 13 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीत ली। इससे पहले उसने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में 3-2 से जीत हासिल की थी।

भारत अब 14 सितंबर से घरेलू मैदान पर तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। इसके बाद 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में महिला वनडे विश्व कप खेला जाएगा। तीसरे मैच और श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई हरमनप्रीत ने संवाददाताओं से कहा हर मैच और हर परिस्थिति अलग होती है। आज परिस्थितियां बिल्कुल भिन्न थीं, पिच भी अलग थी, माहौल भी अलग था। लेकिन घरेलू मैदान पर परिस्थितियां भिन्न होंगी। उन्होंने कहा जब भी आपको जीत मिलती है तो आपकी मानसिकता सकारात्मक हो जाती है। इस तरह की चीज आपको अच्छी स्थिति में रखती हैं। हरमनप्रीत ने कहा लेकिन जब भी आप अगला मैच खेल रहे हों, तो आपको हमेशा पहली गेंद से ही शुरुआत करनी होती है और मुझे लगता है कि इस श्रृंखला से निश्चित रूप से हमारा मनोबल बढ़ेगा।

चैंपियंस लीग टी-20 10 साल बाद वापसी के लिए तैयार

- **नई दिल्ली :** चैंपियंस लीग ट्वंटी20 (सीएलटी20) वापसी के लिए तैयार है। इसका दूसरा संस्करण बड़ा और बेहतर होगा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सदस्यों ने, जिन्होंने हाल ही में सिंगापुर में आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान बैठक की, विभिन्न देशों की घरेलू ट्वंटी20 लीगों की फ्रेंचाइजी वाली इस टूर्नामेंट को फिर से शुरू करने का औपचारिक निर्णय लिया। अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो लीग अगले साल की शुरुआत में फिर से शुरू हो सकती है। अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड जल्द ही लीग की रूपरेखा पर विचार-विमर्श के लिए बैठक करेंगे, खासकर इस तथ्य को देखते हुए कि कई फ्रेंचाइजी मालिकों की टीमें कई देशों में हैं। इस क्रॉस-टीम स्वामित्व संरचना को तैयार करना चुनौती होगी।

सुधार की कवायद | राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किया गया

राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक से होगा आमूलचूल परिवर्तन

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किया गया और हालांकि इसे अधिनियम बनने में अभी कुछ समय है लेकिन फिर भी इसको पेश किया जाना ही भारत के खेल प्रशासन को नया रूप देने और मानकीकृत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। पीटीआई इसकी मुख्य विशेषताओं पर एक नजर डालता है जो देश में खिलाड़ियों और प्रशासकों दोनों के लिए खेल प्रशासन और शिकायत निवारण प्रणाली के कई पहलुओं में आमूलचूल परिवर्तन का वादा करती हैं।

आयु और कार्यकाल सीमा : यह विधेयक खेल संघों में अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष के पद के लिए लगातार तीन कार्यकाल की अवधि को कुल 12 वर्ष तक सीमित करता है। आयु सीमा 70 वर्ष रखी गई है जो संबंधित खेल के अंतरराष्ट्रीय चार्टर और नियमों द्वारा अनुमति मिलने पर नामांकन के समय 75 वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है। किसी भी खेल संस्था की कार्यकारी समिति की अधिकतम सदस्य संख्या 15 रखी गई है जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महासंघ पर अधिक वित्तीय बोझ नहीं पड़े। कार्यकारी समिति में कम से कम दो उत्कृष्ट खिलाड़ी और चार महिलाओं को शामिल करना अनिवार्य होगा।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया। एजेंसी

राष्ट्रीय खेल बोर्ड : इस विधेयक की सबसे चर्चित विशेषता राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी) है जिसके पास सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को मान्यता देने या निलंबित करने और यहां तक कि खिलाड़ियों के कल्याण के लिए अंतरराष्ट्रीय महासंघों के साथ 'सहयोग' करने की सर्वोच्च शक्तियां होंगी। एनएसबी में एक अध्यक्ष होगा और इसके सदस्यों की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा 'योग्य, ईमानदार और प्रतिष्ठित व्यक्तियों' के बीच से की जाएगी। ये नियुक्तियां एक खोज सह चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर की जाएंगी जिसके अध्यक्ष कैबिनेट सचिव या खेल सचिव होंगे।

राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल: इसकी नियुक्ति भी केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय खेल बोर्ड की सिफारिश पर की जाएगी। यह पैनल भारतीय निर्वाचन आयोग या राज्य निर्वाचन आयोग के सेवानिवृत्त सदस्यों या राज्यों के सेवानिवृत्त मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से बना होगा जिनके पास 'पर्याप्त अनुभव' हो। पैनल खेल संघों की कार्यकारी समितियों और खिलाड़ी समितियों के स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की देखरेख के लिए 'निर्वाचन अधिकारी' के रूप में कार्य करेगा। बोर्ड राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल का एक रोस्टर बनाएगा।

राष्ट्रीय खेल पंचाट

- खेल मंत्रालय के अनुसार चयन से लेकर चुनाव तक देश की विभिन्न अदालतों में 350 से अधिक मामले लंबित हैं जिससे खिलाड़ियों और राष्ट्रीय खेल महासंघों की प्रगति में काफी बाधा आ रही है। राष्ट्रीय खेल पंचाट की स्थापना से यह समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी क्योंकि इसके पास 'एक दीवानी न्यायालय की सभी शक्तियां' होंगी। इसमें एक अध्यक्ष और दो अन्य सदस्य होंगे। पंचाट का प्रमुख उच्चतम न्यायालय का वर्तमान या सेवानिवृत्त न्यायाधीश या किसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश होगा। नियुक्तियां भी केंद्र सरकार के हाथों में होंगी जो एक समिति की सिफारिशों पर आधारित होंगी। इस समिति की अध्यक्षता भारत के प्रधान न्यायाधीश या प्रधान न्यायाधीश द्वारा अनुशंसित उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश करेंगे।

राष्ट्रीय खेल संहिता से ऐसे अलग है विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

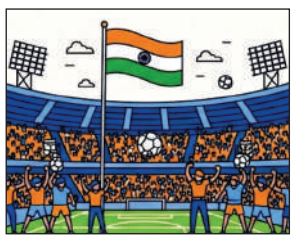

लोकसभा में बुधवार को राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक पेश होने के साथ ही भारत ने अमेरिका, ब्रिटेन, चीन और जापान जैसे देशों की श्रेणी में शामिल होने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है जिनके पास सुव्यवस्थित प्रशासनिक ढांचे के लिए कानून है।

अधिनियम बनने के बाद यह विधेयक 2011 में शुरू हुई उस यात्रा को पूरा करेगा जब तत्कालीन खेल मंत्री अजय माकन ने खेल प्रशासकों के लिए कुछ मानक स्थापित करने हेतु एक विधेयक पर जोर देना शुरू किया था। अधिकतर लंबे समय से सेवारत प्रशासकों पर अक्सर सत्ता संघर्ष, आपसी कलह, वित्तीय हेराफेरी और इनमें से किसी भी मुद्दे पर काबू पाने के इरादे की कमी दिखाने का आरोप लगाया जाता रहा है और आज भी लगाया जाता है। लेकिन नए विधेयक के साथ राष्ट्रीय खेल बोर्ड, राष्ट्रीय खेल पंचाट और राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल के माध्यम से जवाबदेही तय होगी। वर्तमान खेल मंत्री मनसुख मांडविया के पिछले साल कार्यभार संभालने के तुरंत बाद हितधारकों के साथ महीनों तक चली बातचीत के बाद इसने आकार लिया है। विधेयक को अंतिम रूप दिए जाने के बाद मांडविया ने कांग्रेस पार्टी के अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी माकन को राष्ट्रीय खेल संहिता 2011 को आकार देने में अच्छा काम करने का श्रेय दिया जो अब तक लागू थी।

सरकार की विवेकाधीन शक्तियां : कोई भी खेल संगठन जो 'भारत' या 'भारतीय' या 'राष्ट्रीय' शब्द या किसी भी राष्ट्रीय प्रतीक या चिह्न का उपयोग करना चाहता है उसे केंद्र सरकार से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा। केंद्र सरकार यदि जनहित में आवश्यक समझे तो उसे विधेयक के किसी भी प्रावधान में 'ढील' देने का अधिकार होगा।

समय-समय पर होते रहे महत्वपूर्ण बदलाव

- 2011 में मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल विकास विधेयक का मसौदा तैयार किया और इसे अनुमोदन के लिए कैबिनेट के समक्ष रखा। हालांकि प्रशासकों के लिए आयु और कार्यकाल की सख्त सीमा के कारण इसका कड़ा विरोध हुआ।
- जुलाई 2013 में मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल विकास विधेयक का संशोधित मसौदा तैयार किया और सुझाव तथा टिप्पणियां आमंत्रित करने के लिए इसे सार्वजनिक डोमेन में रखा। हालांकि इस विधेयक पर आगे कोई कार्यवाही नहीं हुई और एक साल बाद दिल्ली उच्च न्यायालय ने खेल संहिता 2011 को बरकरार रखा।
- 2015 में राष्ट्रीय खेल विकास संहिता 2011 का पुन: मसौदा तैयार करने के लिए एक कार्य समूह का गठन किया गया था लेकिन इस समूह में भारतीय ओलंपिक संघ के शीर्ष अधिकारियों को शामिल करने को हितों के टकराव के मामले के रूप में दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी।
- 2017 में तत्कालीन खेल सचिव इंजेती श्रीनिवास की अध्यक्षता में 'खेलों में सुशासन के लिए राष्ट्रीय संहिता (मसौदा) 2017' तैयार करने हेतु एक समिति गठित की गई थी। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा, अंजू बॉबी जॉर्ज और प्रकाश पादुकोण जैसे अन्य महान खिलाड़ी तथा तत्कालीन आईओए प्रमुख नरिंदर बत्रा इस समिति के सदस्यों में शामिल थे। इस मसौदा खेल संहिता को भी दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई जिसने आदेश दिया कि समिति की रिपोर्ट एक सीलबंद लिफाफे में उसे सौंपी जाए।
- 2019 में मंत्रालय ने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) मुकुंदकम शर्मा की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जिससे कि मसौदा खेल संहिता 2017 की समीक्षा की जा सके और इसे सभी हितधारकों के लिए स्वीकार्य बनाने के उपाय सुझाए जा सकें। उसी वर्ष दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस समिति के गठन पर रोक लगा दी जो आज तक प्रभावी है।
- अक्टूबर 2024 में राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक का मसौदा जनता की टिप्पणियों और सुझावों के लिए जारी किया गया था। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए), राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ), खिलाड़ियों, कोच, कानूनी विशेषज्ञों और यहां तक कि खिलाड़ियों के प्रबंधन से जुड़ी निजी संस्थाओं के साथ व्यापक परामर्श सत्र आयोजित किए गए थे।